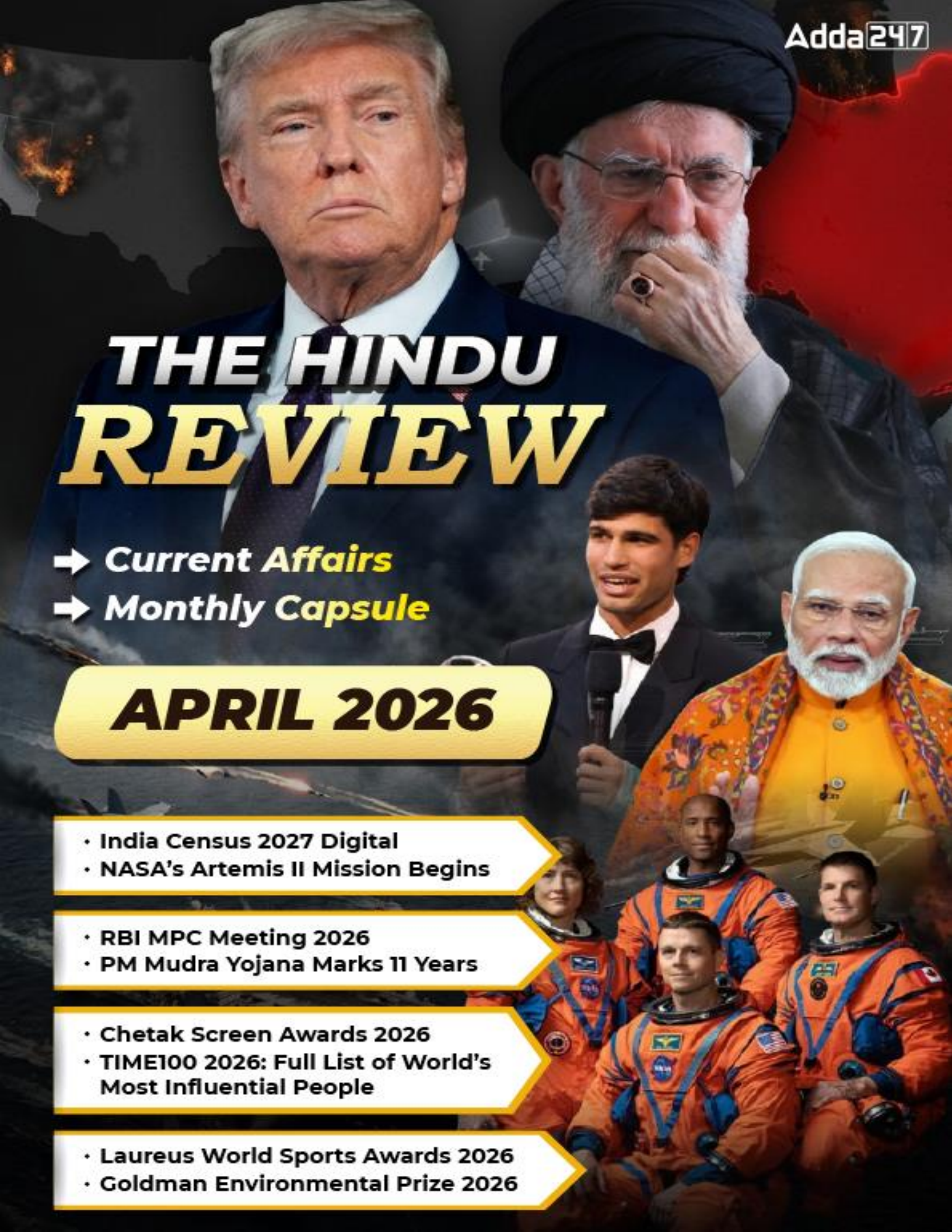

Adda247

THE HINDU REVIEW

→ Current Affairs
→ Monthly Capsule

APRIL 2026

- India Census 2027 Digital
- NASA's Artemis II Mission Begins

- RBI MPC Meeting 2026
- PM Mudra Yojana Marks 11 Years

- Chetak Screen Awards 2026
- TIME100 2026: Full List of World's Most Influential People

- Laureus World Sports Awards 2026
- Goldman Environmental Prize 2026

कंटेंट

अप्रैल महीने के सबसे महत्वपूर्ण समाचार 3
राष्ट्रीय समाचार 14
सरकारी योजनाएँ 17
अंतरराष्ट्रीय मामले 17
बैंकिंग, अर्थव्यवस्था, व्यापार और वित्त 20
समझौता ज्ञापन और समझौते 24
नियुक्तियाँ और इस्तीफे 25
पुरस्कार 27
शिखर सम्मेलन, कार्यक्रम और आयोजन 28
अनुक्रमणिका 29
रक्षा 29
विज्ञान प्रौद्योगिकी 31
खेल 33
पुस्तकें और लेखक 35
निधन 35
महत्वपूर्ण दिन 37
विविध 38
स्थैतिक टेकअवे 38

अप्रैल महीने के सबसे महत्वपूर्ण समाचार

PM मोदी ने गुजरात में केनेस सेमीकंडक्टर प्लांट लॉन्च किया – भारत के चिप उद्योग को मिला बूस्ट

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कायनेस का उद्घाटन किया 31 मार्च, 2026 को गुजरात के साणंद में सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन होगा। यह उद्घाटन सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में भारत की बढ़ती ताकत और ग्लोबल टेक लीडर बनने के लक्ष्य का संकेत है। इस फैसिलिटी ने अब उन एडवांस्ड कंपोनेंट्स का प्रोडक्शन शुरू कर दिया है जो इलेक्ट्रिक गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी इंडस्ट्रीज़ के लिए ज़रूरी हैं।

केनेस सेमीकॉन उद्घाटन

केनेस टेक्नोलॉजी सेमीकंडक्टर प्लांट के उद्घाटन के बाद कंपनी घरेलू चिप प्रोडक्शन शुरू कर देगी। यह गुजरात के साणंद में है और यह फैसिलिटी भारत के मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के बड़े प्लान का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि यह कोई अकेला डेवलपमेंट नहीं है, बल्कि यह तेज़ी से बढ़ रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का हिस्सा है और देश भर में कई प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

यह प्लांट भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में एक भरोसेमंद पार्टनर के तौर पर भी स्थापित करेगा और इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करेगा।

'मेक इन इंडिया' और ग्लोबल सप्लाई चेन को बढ़ावा

केन्स फैसिलिटी 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' के विज़न के तहत बनाई गई है। प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा पहले से ही ग्लोबल मार्केट से जुड़ा हुआ है और इसमें यूनाइटेड स्टेट्स की कंपनियों के साथ पार्टनरशिप भी शामिल है।

मुख्य बातों में शामिल हैं,

- ग्लोबल कंपनियों को इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल (IPM) की सप्लाई
- साथ ही, भारत को सिलिकॉन वैली की सप्लाई चेन से जोड़ने वाली मजबूत एक्सपोर्ट क्षमता भी है।
- भी वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकरण

इलेक्ट्रिक वाहनों को शक्ति प्रदान करना और भविष्य की प्रौद्योगिकियां प्लांट में बनने वाले सेमीकंडक्टर कंपोनेंट और खासकर इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल, नई टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज़रूरी हैं।

ये मॉड्यूल सपोर्ट करेंगे,

- इलेक्ट्रिक वाहन (EV) और इसकी टिकाऊ गतिशीलता
- औद्योगिक स्वचालन और भारी मशीनरी
- साथ ही एक एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स और एनर्जी एफिशिएंट सिस्टम भी

भारत सेमीकंडक्टर मिशन

प्रधानमंत्री ने 2021 में शुरू किए गए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के महत्व पर भी ज़ोर दिया।

इस मिशन का लक्ष्य है,

- संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करें
- घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और डिज़ाइन क्षमताओं को बढ़ावा देना
- साथ ही ग्लोबल चिप इंपोर्ट पर निर्भरता कम करने के लिए

कई राज्यों में ₹ 1.6 लाख करोड़ से ज़्यादा के प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं और यह भविष्य के इकोसिस्टम के लिए देश के कमिटमेंट को दिखाता है।

सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 और कार्यबल विकास

इसके अलावा, भारत अब सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के साथ अगले फेज़ की ओर बढ़ रहा है। इसमें मटीरियल और इक्विपमेंट को शामिल करते हुए एक पूरी सप्लाई चेन बनाने पर फोकस किया जाएगा।

सरकार टैलेंट डेवलपमेंट में भी इन्वेस्ट कर रही है।

- 85,000 सेमीकंडक्टर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देने का टारगेट
- चिप्स टू स्टार्टअप प्रोग्राम के ज़रिए स्टार्टअप्स को सपोर्ट करना भी शामिल है।
- साथ ही 400+ यूनिवर्सिटी और इनोवेटर्स भी शामिल होंगे

भारत जनगणना 2027 डिजिटल: पहला चरण 1 अप्रैल, 2026 से शुरू, जानें डिटेल

भारत अगले साल 2027 से सेंसस 2027 शुरू करने वाला है। यह इतिहास की 16वीं और आज़ादी के बाद 8वीं सेंसस है। इसका पहला फेज़ 1 अप्रैल, 2026 से शुरू होगा। इसकी घोषणा मृत्युंजय कुमार नारायण ने की थी और यह देश में होने वाली पहली पूरी तरह से डिजिटल सेंसस होगी। मोबाइल ऐप और ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल का इस्तेमाल करते हुए, जो कई भाषाओं में उपलब्ध हैं, यह काम डेटा कलेक्शन में एक बड़ा बदलाव है, साथ ही इसका मकसद ज़्यादा एक्यूरेसी, ट्रांसपेरेंसी और एफिशिएंसी लाना है।

जनगणना 2027 फेज़ 1: मुख्य बातें और टाइमलाइन

सेंसस 2027 का पहला फेज़, जिसे हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस (HLO) के नाम से जाना जाता है, अप्रैल से सितंबर 2026 तक भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किया जाएगा।

इस फेज़ में इससे जुड़ा डेटा इकट्ठा करने पर फोकस किया जाएगा,

- आवास की स्थिति और संरचना
- साथ ही घर की सुविधाएँ जैसे पानी, बिजली, सफ़ाई
- संपत्ति का स्वामित्व और व्यक्ति का जीवन स्तर

इसकी मुख्य खासियत सेल्फ-एन्यूमरेशन (SE) की शुरुआत है, जिससे लोग एन्यूमरेटर के उनके घरों में आने से पहले ऑनलाइन सही डेटा भर सकेंगे।

यह टाइमलाइन भी स्ट्रक्चर्ड अप्रोच को फॉलो करती है, जो है,

- स्व-गणना के 15 दिन
- इसके बाद 30 दिनों तक घर-घर जाकर गिनती की जाएगी।

इस हाइब्रिड मॉडल से डेटा की सुविधा और वेरिफिकेशन दोनों सुनिश्चित होते हैं

राज्य-वार शेड्यूल: पूरे भारत में जनगणना कैसे शुरू होगी

सेंसस फेज़ 1 का शेड्यूल सही तरीके से ध्यान से प्लान किया गया है ताकि पूरे देश में इसे आसानी से किया जा सके।

सभी राज्य फेज़ 1 जनगणना प्रोसेस का हिस्सा हैं और यह 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक चलेगा। राज्य इस दी गई विंडो में पहले फेज़ का काम पूरा करेंगे।

यह कुछ महीने का शेड्यूल पूरे देश में बेहतर रिसोर्स मैनेजमेंट और अच्छे से डेटा कलेक्शन पक्का करेगा।

चरण 2: 2027 में जनसंख्या गणना

दूसरी तरफ, जनगणना 2027 का दूसरा फेज़ पॉपुलेशन एन्यूमरेशन (PE) के नाम से जाना जाएगा। और यह फरवरी 2027 में होगा।

दूसरे फेज़ में यह इंडिविजुअल लेवल पर डिटेल्ड डेटा इकट्ठा करेगा, जैसे,

- जनसांख्यिकी (आयु, लिंग और वैवाहिक स्थिति)
- शिक्षा और व्यवसाय
- प्रवास से संबंधित पैटर्न
- प्रजनन और सामाजिक-आर्थिक संकेतक

साथ ही, इस फेज़ में जाति की गिनती भी होगी। इसके साथ ही यह पॉलिसी प्लानिंग और अलग-अलग सोशल जस्टिस की कोशिशों के लिए भी एक ज़रूरी काम है।

जनगणना 2027 को क्या खास बनाता है? मुख्य इनोवेशन

जनगणना 2027 भारत के डेटा कलेक्शन सिस्टम में बड़े बदलाव का प्रतीक है।

सबसे पहले डिजिटल -फर्स्ट अप्रोच, जिसमें एन्यूमरेटर पेपर फॉर्म के बजाय मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल करेंगे।

साथ ही, डेटा रियल-टाइम में अपलोड हो जाएगा और इससे गलतियाँ भी कम होंगी।

सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर नागरिक जब चाहें, 16 भाषाओं में अपनी डिटेल्स ऑनलाइन भर सकते हैं।

इस तरह के इनोवेशन का मकसद जनगणना को ज़्यादा भरोसेमंद और यूज़र फ्रेंडली बनाना है।

राज्यों के लिए फेज़-1 शेड्यूल की तारीख

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	स्व-गणना अवधि	मकान सूचीकरण और आवास जनगणना अवधि
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली (एनडीएमसी और छावनी), गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा, सिक्किम	1 अप्रैल -15 अप्रैल	16 अप्रैल – 15 मई
गुजरात*, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	5 अप्रैल – 19 अप्रैल	20 अप्रैल – 19 मई
उत्तराखंड	10 अप्रैल – 24 अप्रैल	25 अप्रैल – 24 मई
मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, हरियाणा	1 मई – 30 मई	16 अप्रैल – 30 अप्रैल
बिहार	17 अप्रैल – 1 मई	2 मई – 31 मई
तेलंगाना	26 अप्रैल – 10 मई	11 मई – 9 जून
पंजाब	30 अप्रैल – 14 मई	15 मई – 13 जून
दिल्ली (एमसीडी), महाराष्ट्र, मेघालय, राजस्थान, झारखंड	1 मई – 15 मई	16 मई – 14 जून
उतार प्रदेश।	7 मई – 21 मई	22 मई – 20 जून
जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पुडुचेरी	17 मई – 31 मई	1 जून – 30 जून
हिमाचल प्रदेश	1 जून – 15 जून	16 जून – 15 जुलाई
केरल, नागालैंड	16 जून – 30 जून	1 जुलाई – 30 जुलाई
तमिलनाडु, त्रिपुरा	17 जुलाई – 31 जुलाई	1 अगस्त – 30 अगस्त
असम	2 अगस्त – 16 अगस्त	17 अगस्त – 15 सितंबर
मणिपुर	17 अगस्त – 31 अगस्त	1 सितम्बर – 30 सितम्बर
पश्चिम बंगाल	तय किया जाएगा	तय किया जाएगा

पीएम मोदी ने महावीर जयंती पर सम्राट संप्रति म्यूजियम का उद्घाटन किया

भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मार्च, 2026 को गुजरात दौरे पर गांधीनगर में सम्राट संप्रति म्यूज़ियम का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन के साथ ही भारत की समृद्ध जैन विरासत को बचाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। उद्घाटन महावीर जयंती के शुभ अवसर पर हुआ और इससे इस कार्यक्रम में खास आध्यात्मिक महत्व जुड़ गया। यह म्यूज़ियम गांधीनगर के कोबा गांव में श्री महावीर जैन आराधना केंद्र में था।

सम्राट सम्प्रति संग्रहालय: जैन सभ्यता की यात्रा

यह नया सम्राट संप्रति म्यूज़ियम जैन संस्कृति और उनकी परंपराओं का एक बड़ा संग्रह है।

इसका नाम सम्प्रति के नाम पर रखा गया है और यह म्यूज़ियम उस शासक के सम्मान में है जो जैन धर्म को फैलाने और अपने साम्राज्य में अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं।

इस म्यूज़ियम में लगभग 2,000 से ज़्यादा दुर्लभ चीज़ें हैं और यह विज़िटर्स को जैन फिलॉसफी और उनके ऐतिहासिक विकास के बारे में गहराई से जानने का मौका भी देता है।

पत्थर की मूर्तियों से लेकर पुरानी लिखावट तक, हर प्रदर्शनी में बारीकी से नक्काशी की गई है, जो जैन परंपराओं की आध्यात्मिक समृद्धि और कलात्मक महारत को दिखाती है।

मॉडर्न ऑडियो-विज़ुअल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल विज़िटर के अनुभव को बेहतर बनाएगा और यह इसे एजुकेशनल और कल्चरल, दोनों तरह का प्रेजेंटेशन बनाएगा।

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दिखाने वाली सात गैलरी

सही सोच के साथ म्यूज़ियम को सात अलग-अलग गैलरी में बांटा गया है और हर गैलरी जैन धर्म और भारतीय सभ्यता के अलग-अलग पहलुओं पर फोकस कर रही है।

ये गैलरी दिखाती हैं,

- जैन शिक्षाओं को दिखाने वाली प्राचीन पांडुलिपियाँ और चित्र ग्रंथ भी
- इसके अलावा पत्थर और धातु की मूर्तियां भी हैं जो तीर्थंकरों को दिखाती हैं।
- लघु चित्र, सिक्के और चांदी के रथ
- और पारंपरिक कलाकृतियाँ जो सदियों पुरानी कारीगरी को दिखाती हैं

इसका स्ट्रक्चर्ड लेआउट विज़िटर्स को जैन धर्म के समय के हिसाब से विकास को समझने में भी मदद करता है , इसकी शुरुआत से लेकर पूरे भारत में इसके असर तक।

महावीर जयंती का महत्व और जैन मान्यताएं

महावीर जयंती पर उद्घाटन भगवान महावीर की शिक्षाओं के महत्व पर प्रकाश डालता है।

संदेश में पीएम मोदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि,

- सत्य, अहिंसा और करुणा के सिद्धांत आज भी बहुत प्रासंगिक हैं
- जैन दर्शन जो समानता, दया और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है
- ये मूल्य आज की दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए ज़रूरी हैं।

सम्प्रति कौन थे ? एक ऐतिहासिक जानकारी

सम्प्रति ने 224-215 BCE के दौरान शासन किया और उन्हें जैन धर्म के सबसे बड़े संरक्षकों में से एक माना जाता था।

धार्मिक मूल्यों को फैलाने में उनकी भूमिका के लिए अक्सर उनकी तुलना उनके दादा अशोक से की जाती थी, लेकिन दूसरी तरफ संप्रति ने खास तौर पर जैन शिक्षाओं पर ध्यान दिया था।

उनके योगदान में ये भी शामिल हैं,

- पूरे भारत में कई जैन मंदिरों का निर्माण
- साथ ही साधुओं का समर्थन करना और अहिंसा का संदेश फैलाना
- और सबसे ज़रूरी बात, अहिंसा पर आधारित नैतिक शासन को बढ़ावा देना

उनके नाम पर बना म्यूज़ियम उनकी हमेशा रहने वाली विरासत का प्रतीक है।

नासा आर्टेमिस II मिशन शुरू: 50 साल बाद फिर चांद की ओर इंसान

स्पेस एक्सप्लोरेशन के लिए ऐतिहासिक पल NASA ने 1 अप्रैल, 2026 को आर्टेमिस II मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। यह 1972 के बाद चांद की ओर पहली क्रू वाली यात्रा है। NASA के पावरफुल स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट ने चार एस्ट्रोनॉट्स को चांद के चारों ओर 10-दिन के मिशन के लिए स्पेस में भेजा था और इसे वापस धरती पर ले जाएगा। यह मिशन सिर्फ लैंडिंग के बारे में नहीं है, बल्कि उन सिस्टम को टेस्ट करने के बारे में है जो जल्द ही इंसानों को चांद की सतह पर वापस ला सकते हैं।

आर्टेमिस II लॉन्च नए युग की शुरुआत

आर्टेमिस II मिशन को केनेडी स्पेस सेंटर से शाम 6:35 बजे ET पर लॉन्च किया गया और इसने हज़ारों दर्शकों का ध्यान खींचा।

मिशन का प्रतिनिधित्व,

- मानव चंद्र अन्वेषण का पुनरुद्धार
- और भविष्य में चांद पर उतरने की दिशा में एक बड़ा कदम
- साथ ही अपोलो मिशन की विरासत को जारी रखने के लिए

अपोलो 8 के मुकाबले यह मिशन बिना लैंडिंग के चांद का चक्कर लगाएगा और यह पक्का करेगा कि स्पेसक्राफ्ट सिस्टम भविष्य के मिशन के लिए सुरक्षित हैं।

आर्टेमिस II क्रू एस्ट्रोनॉट्स से मिलिए

इस मिशन में ओरियन स्पेसक्राफ्ट पर चार एस्ट्रोनॉट्स हैं और हर एस्ट्रोनॉट की अपनी बड़ी अचीवमेंट है।

- रीड वाइसमैन – कमांडर
- विक्टर ग्लोवर - डीप स्पेस की यात्रा करने वाले पहले ब्लैक एस्ट्रोनॉट
- क्रिस्टीना कोच - गहरे अंतरिक्ष में यात्रा करने वाली पहली महिला
- जेरेमी हैनसेन - मून मिशन पर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी

यह अलग-अलग तरह का क्रू, स्पेस एक्सप्लोरेशन को शामिल करने की तरफ बदलाव को दिखाता है।

मिशन की जानकारी: चांद के चारों ओर 10 दिन की यात्रा मिशन ...

आर्टेमिस II मिशन को डीप-स्पेस टेस्ट फ़्लाइट के लिए डिज़ाइन किया गया है।

प्रमुख मिशन समयरेखा

1 अप्रैल, 2026: मिशन का लॉन्च

1-2 अप्रैल: पृथ्वी की कक्षा में सिस्टम का परीक्षण

6 अप्रैल: चंद्र उड़ान

10 अप्रैल: पृथ्वी पर वापसी

स्पेसक्राफ्ट मिशन परफॉर्मेंस के दौरान 695,000 से ज़्यादा की दूरी तय करेगा।

अद्वितीय प्रक्षेप पथ और रिकॉर्ड-तोड़ दूरी

पिछले मिशनों के उलट, आर्टेमिस II एक फ्री-रिटर्न ट्रैजेक्टरी को फॉलो करेगा।

यह मतलब है कि,

- स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी पर लौटने के लिए चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण का इस्तेमाल करेगा।
- अगर प्रोपल्शन फेल हो जाए तो भी यह सुरक्षित रूप से धरती पर वापस आ सकता है

यह मिशन पृथ्वी से लगभग 252,799 मील की दूरी तक पहुंचेगा और यह इंसानों द्वारा तय की गई अब तक की सबसे लंबी दूरी तय करेगा और अपोलो-13 को भी पीछे छोड़ देगा।

लॉन्च कैसे हुआ और मुख्य तकनीकी पड़ाव

आर्टेमिस II लॉन्च में स्पेस लॉन्च सिस्टम (SLS) रॉकेट और ओरियन स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल करके कई सटीक और ज़रूरी स्टेज शामिल किए गए हैं।

लिफ्ट-ऑफ और प्रारंभिक थ्रस्ट

- लॉन्च कैनेडी स्पेस सेंटर में हुआ
- ट्विन बूस्टर ने कुल थ्रस्ट का 75% से ज़्यादा जेनरेट किया है
- कुल थ्रस्ट 8.8 मिलियन पाउंड तक पहुंच गया है

बूस्टर पृथक्करण
- लॉन्च के पहले कुछ मिनटों में ही यह अलगाव हो गया।
- भी कम हुआ और चढ़ाई भी आसान हुई

कोर स्टेज पृथक्करण
- इसके साथ ही पहले प्रोपल्शन फेज़ का अंत हो गया है।
- अपर-स्टेज ऑपरेशन में भी बदलाव किया गया

सौर सरणी परिनियोजन
- ओरियन ने सोलर ऐरे विंग्स (SAWs) भी तैनात किए।
- ये लाइफ सपोर्ट, कम्युनिकेशन और नेविगेशन सिस्टम के लिए लगातार पावर देते हैं।
- मिशन का हर स्टेप मिशन की सेफ्टी और लंबे समय तक स्पेस ट्रैवल की कैपेबिलिटी पक्का करने के लिए ज़रूरी है।

आर्टेमिस II अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य के लिए क्यों महत्वपूर्ण है

आर्टेमिस II सिर्फ़ एक सिंबॉलिक मिशन नहीं है, बल्कि यह भविष्य में डीप-स्पेस एक्सप्लोरेशन के लिए एक ज़रूरी टेस्ट है।

मिशन में,
- लंबे समय की स्पेस ट्रैवल के लिए लाइफ-सपोर्ट सिस्टम को वैलिडेट करें
- साथ ही डीप स्पेस में नेविगेशन और कम्युनिकेशन सिस्टम का टेस्ट भी किया।
- भविष्य में चांद पर लैंडिंग के लिए एस्ट्रोनॉट्स की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा

यह आर्टेमिस III के लिए भी ज़मीन तैयार करेगा, जिसका मकसद चांद की सतह पर इंसानों को उतारना है और जिसमें पहली महिला भी शामिल है।

इंडियन नेवी INS अरिदमन :जानें विशेषता, रोल और स्ट्रेटेजिक महत्व समझाया गया

इंडियन नेवी ने अपनी तीसरी न्यूक्लियर पावर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन INS अरिदमन को शामिल किया है । इसके शामिल होने से यह काफी मजबूत हो गई है। भारत की समुद्र पर आधारित न्यूक्लियर डिटरेंस और स्ट्रेटेजिक मिलिट्री पावर को भी बढ़ाता है। यह डेवलपमेंट INS तारागिरी की कमीशनिंग के साथ हुआ है और यह भारत के डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह की लीडरशिप में भारत की नेवी की ताकत के शक्तिशाली विस्तार को दिखाता है।

आईएनएस अरिदमन क्या है ?

INS अरिदमन भारत की अरिहंत-क्लास सबमरीन का हिस्सा है जिसे न्यूक्लियर-टिप्ड बैलिस्टिक मिसाइल ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस इंडक्शन के बाद भारत के पास अब नौसेना के इतिहास में पहली बार समुद्र में तीन ऑपरेशनल SSBN (शिप सबमर्सिबल बैलिस्टिक न्यूक्लियर सबमरीन) हो गई हैं।

यह ज़रूरी है क्योंकि इससे सेकंड-स्ट्राइक कैपेबिलिटी मज़बूत हुई है और स्ट्रेटेजिक डिटरेंस भी बढ़ा है। इससे दुनिया में बड़ी नेवल पावर के तौर पर भारत की जगह और मज़बूत होगी।

यह सबमरीन यह पक्का करेगी कि भारत पोटेंशियल न्यूक्लियर अटैक के बाद भी जवाब दे सके।

अरिदमन की उन्नत विशेषताएं

INS अरिदमन अपने पहले के जहाजों की तुलना में ज़्यादा एडवांस्ड और पावरफुल है।
- इसका डिस्प्लेसमेंट लगभग 7,000 टन है।
- इसमें ज़्यादा वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (VLS) ट्यूब लगे होंगे।
- अरिदमन K-15 और K-4 न्यूक्लियर मिसाइल ले जा सकता है।
- इस K-4 मिसाइल की रेंज 3,500 km तक है।
- न्यूक्लियर सबमरीन एडवांस्ड न्यूक्लियर रिएक्टर से चलती है और यह पानी के अंदर लंबे समय तक टिकी रहेगी।

इन क्षमताओं के कारण भारतीय पनडुब्बी कई महीनों तक पानी के नीचे छिपी रह सकती है और
यह स्ट्रेटेजिक युद्ध में बहुत असरदार है।

न्यूक्लियर ट्रायड को समझना: भारत की स्ट्रेटेजिक बढ़त

भारत की न्यूक्लियर ताकत भी न्यूक्लियर ट्रायड के कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं,
- भूमि आधारित मिसाइलें जिनमें अग्नि श्रृंखला की मिसाइलें शामिल हैं
- इसके अलावा एयर-बेस्ड डिलीवरी सिस्टम और फाइटर एयरक्राफ्ट से भी लैस है।
- अरिदमन जैसी पनडुब्बियों के लिए समुद्र आधारित प्लेटफॉर्म

INS अरिदमन के शामिल होने के बाद भारत, अमेरिका, रूस और चीन जैसे चुनिंदा देशों के बीच अपनी जगह मजबूत कर लेगा, जिनके पास पूरी न्यूक्लियर ट्रायड क्षमताएं हैं।

INS अरिदमन बनाम पिछली पनडुब्बियां

भारत की पिछली सबमरीन में INS अरिहंत शामिल है जिसे 2016 में कमीशन किया गया था और INS अरिघाट भी शामिल है जिसे दो साल पहले 2024 में कमीशन किया गया था।

INS अरिदमन ज़्यादा मिसाइलें ले जाने, ज़्यादा ऑपरेशनल एंड्योरेंस और बेहतर टेक्नोलॉजी और स्टेल्थ की वजह से अपनी काबिलियत को बेहतर बनाता है।

साथ ही, भविष्य के लिए चौथी सबमरीन भी बन रही है, जो लगातार विस्तार का संकेत दे रही है।

भविष्य की योजनाएँ: पनडुब्बी शक्ति का विस्तार

भारत अंडरवाटर फ्लीट को मजबूत करने के लिए एक्टिवली काम कर रहा है,
- न्यूक्लियर पावर्ड अटैक सबमरीन (SSNs) का डेवलपमेंट
- स्वदेशी पनडुब्बियां बनाने की योजना भी
- और रूस से पनडुब्बी लीज़ पर लेकर 2027-28 तक डिलीवर होने की उम्मीद है।

न्यूक्लियर ट्रायड क्या है?

न्यूक्लियर ट्रायड एक स्ट्रेटेजिक मिलिट्री कैपेबिलिटी है जो देश को ज़मीन, हवा और समुद्र, तीन प्लेटफॉर्म से न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की इजाज़त देती है।

यह न्यूक्लियर ताकतों के बचने और दुश्मन के खिलाफ भरोसेमंद रोकथाम को भी पक्का करता है।

इसमें पहले हमले के बाद भी जवाब देने की क्षमता भी है।

अभी दुनिया के कुछ ही देशों के पास इस तरह की कैपेबिलिटी है और इससे स्ट्रेटेजिक फ़ायदा हो रहा है।

RBI MPC मीटिंग 2026: रेपो रेट 5.25% पर बरकरार

भारतीय रिज़र्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी (MPC) ने 6 से 8 अप्रैल, 2026 तक हुई अपनी 60वीं मीटिंग में रेपो रेट को 5.25% पर बिना किसी बदलाव के रखने का फ़ैसला किया। मीटिंग की अध्यक्षता संजय मल्होत्रा ने की और यह ग्लोबल अनिश्चितताओं और घरेलू मज़बूती के बीच सावधानी भरा नज़रिया दिखाती है।

प्रमुख नीतिगत निर्णय
- रेपो रेट: 5.25% (Unchanged)
- स्टैंडिंग डिपॉज़िट सुविधा (SDF): 5.00%
- मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) और बैंक रेट: 5.50%
- नीतिगत रुख: तटस्थ

MPC ने एकमत से मौजूदा रेट्स को बनाए रखने के लिए वोट किया, और बदलती ग्लोबल और घरेलू स्थितियों के कारण "वेट एंड वॉच" अप्रोच पर ज़ोर दिया।

भारत के लिए विकास परिदृश्य

भारतीय अर्थव्यवस्था में मज़बूत लचीलापन बना हुआ है:
- 7.6% अनुमानित
- जीडीपी अनुमान (2026-27): 6.9%

मुख्य ग्रोथ ड्राइवर्स में शामिल हैं:
- मजबूत निजी खपत
- निवेश की बढ़ी हुई मांग
- मजबूत सेवा और विनिर्माण क्षेत्र

हालांकि, ग्लोबल झगड़े और सप्लाई में रुकावट जैसे रिस्क ग्रोथ की रफ़्तार पर असर डाल सकते हैं।

मुद्रास्फीति का दृष्टिकोण
- CPI इन्फ्लेशन (फरवरी 2026): 3.2%
- अनुमानित मुद्रास्फीति (2026-27): 4.6%

महंगाई को प्रभावित करने वाले कारक:
- वैश्विक ऊर्जा की बढ़ती कीमतें
- आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान
- मौसम से जुड़े जोखिम (जैसे एल नीनो)

कोर इन्फ्लेशन मॉडरेट बना हुआ है, जो कंट्रोल्ड अंदरूनी प्राइस प्रेशर दिखाता है।

वैश्विक और घरेलू चुनौतियाँ

MPC ने कई बाहरी जोखिमों पर प्रकाश डाला:
- पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव
- वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान
- कमोडिटी और एनर्जी की कीमतों में उतार-चढ़ाव

घरेलू स्तर पर भारत इन वजहों से स्थिर बना हुआ है:

मजबूत वित्तीय संस्थान
- सरकार का फोकस मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर पर
- स्वस्थ मांग की स्थिति
- निर्णय के पीछे तर्क

MPC ने इन वजहों से रेट्स में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया:
- संतुलित मुद्रास्फीति स्तर लेकिन बढ़ते जोखिम
- मजबूत लेकिन कमजोर विकास परिदृश्य
- वैश्विक आर्थिक स्थितियों में अनिश्चितता

कमिटी ने फ्लेक्सिबिलिटी और भविष्य के डेटा और डेवलपमेंट के आधार पर काम करने की तैयारी पर ज़ोर दिया।

आगामी MPC शेड्यूल
- मिनट्स रिलीज़: 22 अप्रैल, 2026
- अगली MPC मीटिंग: 3-5 जून, 2026

परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण तथ्य
- रेपो रेट वह रेट है जिस पर RBI कमर्शियल बैंकों को पैसा उधार देता है
- MPC भारत की मॉनेटरी पॉलिसी तय करने के लिए ज़िम्मेदार है
- RBI का महंगाई लक्ष्य 4% (±2 %) है। RBI हेडक्वार्टर: मुंबई।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11 साल पूरे: छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को मिला मजबूत सहारा

भारत प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY) के 11 सफल साल मना रहा है। यह एक बड़ी सरकारी स्कीम है जिसने लाखों छोटे बिजनेसमैन को अपना बिजनेस शुरू करने और बढ़ाने में मदद की है। 8 अप्रैल, 2015 को नरेंद्र मोदी ने इसे लॉन्च किया था। इस स्कीम का मकसद उन लोगों को आसान, बिना गारंटी वाला लोन देना है जो पहले फॉर्मल बैंकिंग सर्विस का इस्तेमाल नहीं कर पाते थे।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना क्या है?

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एक सरकारी पहल है जो छोटे और माइक्रो बिज़नेस को 20 लाख रुपये तक का लोन देती है । यह मुख्य रूप से नॉन-कॉर्पोरेट और नॉन-फार्म सेक्टर जैसे छोटी दुकानों, सर्विस प्रोवाइडर और ग्रामीण बिज़नेस को सपोर्ट करती है।

मुख्य मकसद है "Fund the Unfunded" , यानी उन लोगों की मदद करना जिन्हें पहले बैंकों और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स ने नज़रअंदाज़ किया था।

भारत में एमएसएमई का महत्व

माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज भारत की अर्थव्यवस्था में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे :
- लाखों लोगों के लिए नौकरियां पैदा करना
- बड़े उद्योगों का समर्थन करें
- शहरों और गांवों के संतुलित विकास में मदद
- स्थानीय और वैश्विक बाज़ार की मांगों को पूरा करें

अपनी अहमियत की वजह से, PMMY जैसी स्कीमें उनकी ग्रोथ के लिए बहुत ज़रूरी हैं।

PMMY की मुख्य विशेषताएं

यह स्कीम बिज़नेस के स्टेज के आधार पर चार कैटेगरी में लोन देती है:
- शिशु : 50,000 रुपये तक का लोन
- किशोर : 50,000 रुपये से 5 लाख रुपये तक का लोन
- तरुण : 5 लाख से 10 लाख रुपये तक के लोन
- तरुण प्लस : 10 लाख रुपये से 20 लाख रुपये तक का लोन

ये लोन हैं:
- बिना किसी जमानत के दिया गया
- मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग और सर्विस सेक्टर के लिए उपलब्ध
- डेयरी, पोल्ट्री और मधुमक्खी पालन जैसी एक्टिविटीज़ को भी कवर करें
- RBI की गाइडलाइंस के अनुसार फ्लेक्सिबल रीपेमेंट ऑप्शन के साथ ऑफर किया गया

11 वर्षों में प्रमुख उपलब्धियाँ
पिछले दशक में, PMMY ने बड़ा प्रभाव डाला है:
- 57.79 करोड़ लोन दिए गए हैं
- कुल लोन की रकम 40.07 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई
- लगभग दो-तिहाई लोन महिला उद्यमियों को मिले
- लगभग पांचवां हिस्सा लोन पहली बार काम करने वालों को दिया गया

इससे पता चलता है कि इस स्कीम ने आम लोगों को बिज़नेस ओनर बनने में कैसे मदद की है।
महिलाओं और कमजोर वर्गों के लिए समर्थन
इस स्कीम से खास तौर पर मदद मिली है:
- महिला उद्यमी (लगभग 67% लाभार्थी)
- SC/ST और OBC समुदाय (लगभग 51% लाभार्थी)
- छोटे और पहली बार व्यवसाय करने वाले

इससे फाइनेंशियल इन्क्लूजन बढ़ा है और लोकल मनी लेंडर्स पर डिपेंडेंस कम हुई है।
योजना पर सरकार का नज़रिया
लाखों लोगों को अपना बिज़नेस शुरू करने का भरोसा देकर देश में "साइलेंट ट्रांसफॉर्मेशन" लाया है ।
राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने यह भी बताया कि इस स्कीम से सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट के मौके बने हैं और इनफॉर्मल लेंडर्स द्वारा शोषण कम हुआ है।
वित्तीय समावेशन के तीन मुख्य स्तंभ
PMMY की सफलता तीन ज़रूरी लक्ष्यों पर आधारित है:
- बैंकिंग सेवा से वंचित लोगों को बैंकिंग सेवा: लोगों को बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना
- असुरक्षित को सुरक्षित करना : वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना
- फंडिंग अनफंडेड: उन लोगों को लोन देना जिनके पास लोन नहीं है

ये पिलर्स यह पक्का करते हैं कि सबसे गरीब तबका भी फाइनेंशियली तरक्की कर सके।
योजना की वर्ष-वार वृद्धि
पिछले कुछ सालों में, यह स्कीम लगातार बढ़ी है। 2015-16 में 1.37 लाख करोड़ रुपये से, लोन की रकम 2025-26 (मार्च 2026 तक) में बढ़कर 5.65 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा हो गई है। यह स्कीम के लिए बढ़ते भरोसे और डिमांड को दिखाता है।

चेतक स्क्रीन अवॉर्ड्स 202: विजेताओं की पूरी लिस्ट

टॉप कैटेगरी में नॉमिनेशन के बीच कड़ी टक्कर थी और उनमें से कुछ शानदार परफॉर्मेंस ने रात में अवॉर्ड जीता।
कुछ मुख्य अवार्ड्स में शामिल हैं,
- सर्वश्रेष्ठ फिल्म: होमबाउंड
- बेस्ट डायरेक्टर: आदित्य धर (धुरंधर)
- बेस्ट एक्टर (मेल): रणवीर सिंह (धुरंधर)
- बेस्ट एक्टर (फीमेल): यामी गौतम (हक)

ये अवॉर्ड्स कमर्शियल सक्सेस और क्रिटिकल तारीफ़ के मिक्स को दिखाते हैं।

चेतक स्क्रीन अवार्ड्स 2026 – विजेताओं की सूची
शीर्ष पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ फिल्म : होमबाउंड
- बेस्ट डायरेक्टर: आदित्य धर (धुरंधर)
- बेस्ट एक्टर (मेल): रणवीर सिंह (धुरंधर)
- बेस्ट एक्टर (फीमेल): यामी गौतम (हक)

अभिनय पुरस्कार
सहायक भूमिकाएँ
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (मेल): अक्षय खन्ना (धुरंधर)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (फीमेल): शालिनी वत्स (होमबाउंड)

सफल प्रदर्शन
- ब्रेकथ्रू एक्टर (मेल): अहान पांडे (सैयारा)
- ब्रेकथ्रू एक्टर (फीमेल): अनीत पड्डा (सैयारा)
- ब्रेकथ्रू डायरेक्टर: शाज़िया इक़बाल (धड़क 2)

तकनीकी और रचनात्मक पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ छायांकन: धुरंधर – विकास नौलखा
- सर्वश्रेष्ठ संपादन: धुरंधर – शिवकुमार वी. पणिक्कर
- बेस्ट प्रोडक्शन डिज़ाइन: धुरंधर – सैनी एस. जोहरे
- बेस्ट साउंड डिज़ाइन: धुरंधर – विश्वदीप चटर्जी
- सर्वश्रेष्ठ विशेष प्रभाव (VFX): धुरंधर

लेखन और संवाद
- बेस्ट स्टोरी और स्क्रीनप्ले: होमबाउंड
- सर्वश्रेष्ठ संवाद: धुरंधर – आदित्य धर

संगीत पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ गीत: सैयारा (टाइटल ट्रैक)
- सर्वश्रेष्ठ गीत: गुलज़ार (गुस्ताख) इश्क
- बेस्ट प्लेबैक सिंगर (मेल): फहीम अब्दुल्ला (सैयारा)
- बेस्ट प्लेबैक सिंगर (फीमेल): श्रेया घोषाल (सैयारा)
- बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर: धुरंधर – शाश्वत सचदेव

अन्य प्रमुख पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी: धुरंधर – शरारत
- बेस्ट कॉस्ट्यूम डिज़ाइन: छावा और धुरंधर (संयुक्त मान्यता)
- बेस्ट मेकअप और हेयरस्टाइलिंग: धुरंधर
- बेस्ट एक्शन: धुरंधर

विशेष श्रेणी
जेंडर सेंसिटिविटी के लिए बेस्ट फिल्म: हक
ओटीटी पुरस्कार
- बेस्ट ओटीटी फिल्म: स्टोलन
- बेस्ट ओटीटी एक्टर (मेल): अभिषेक बनर्जी (स्टोलन)
- सर्वश्रेष्ठ ओटीटी अभिनेता (महिला): सान्या मल्होत्रा (श्रीमती)
- बेस्ट ओटीटी डायरेक्टर: करण तेजपाल (स्टोलन)
- बेस्ट OTT स्क्रिप्ट: स्टोलन

धुरंधर : 2026 का सबसे बड़ा विजेता
फिल्म धुरंधर कई कैटेगरी में अपना दबदबा बनाया है और परफॉर्मेंस और टेक्निकल दोनों मामलों में अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस साबित की है ।
धुरंधर द्वारा जीते गए प्रमुख पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) – रणवीर सिंह
- सर्वश्रेष्ठ निर्देशक – आदित्य धर
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता – अक्षय खन्ना
- बेस्ट बैकग्राउंड स्कोर – शाश्वत सचदेव
- सर्वश्रेष्ठ छायांकन
- सर्वश्रेष्ठ संपादन

- सर्वश्रेष्ठ कार्रवाई
- सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन
- सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिज़ाइन
- सर्वश्रेष्ठ विशेष प्रभाव

होमबाउंड ने बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड जीता

धुरंधर के दबदबे के बावजूद , फिल्म होमबाउंड बेस्ट फिल्म कैटेगरी में जीती है । इस फिल्म की कहानी और इमोशनल गहराई ने इसे और भी मज़बूत बना दिया है।

यह फिल्म पहले ही ग्लोबल लेवल पर पहचान बना चुकी है और ऑस्कर 2026 के लिए भी नॉमिनेट हुई है।

यह जीत कहानी कहने की ताकत और दर्शकों से जुड़ाव के महत्व को दिखाती है।

Global Trade 2025: व्यापार ने बनाया नया रिकॉर्ड, जानें कौन जीता-हारा और भारत की स्थिति

2025 में ग्लोबल ट्रेड ने अच्छा परफ़ॉर्मेंस दिखाया, क्योंकि चीज़ों का एक्सपोर्ट $26.3 ट्रिलियन तक पहुँच गया और यह पिछले साल के मुकाबले 7% की बढ़ोतरी दिखाता है। यह डेटा वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन (WTO) के अनुसार है , इन नंबरों के अनुसार यह बढ़ोतरी बढ़ती डिमांड और मुख्य रूप से टेक्नोलॉजी और सर्विसेज़ में बढ़ोतरी की वजह से हुई। चीन और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका जैसे देश अभी भी हावी हैं और भारत 19वें स्थान पर बना हुआ है, जो ग्लोबल ट्रेड में हुई तरक्की और अभी तक इस्तेमाल नहीं किए गए पोटेंशियल को दिखाता है।

ग्लोबल एक्सपोर्ट रैंकिंग 2025: वर्ल्ड ट्रेड में किसका दबदबा है

लेटेस्ट ग्लोबल एक्सपोर्ट रैंकिंग के अनुसार, कुछ बड़ी इकॉनमी के बीच ट्रेड का साफ़ कंसंट्रेशन दिखता है । टॉप 10 देश मिलकर ग्लोबल एक्सपोर्ट का लगभग आधा हिस्सा (49.6%) देते हैं, जो बहुत ज़्यादा कॉम्पिटिटिव ग्लोबल मार्केट दिखाता है।

लिस्ट के मुताबिक, चीन टॉप पर है, जबकि उसके बाद अमेरिका और जर्मनी हैं। ये तीनों इकॉनमी अकेले ग्लोबल एक्सपोर्ट का लगभग 29% हिस्सा हैं। जो उनके मज़बूत इंडस्ट्रियल बेस और ग्लोबल ट्रेड नेटवर्क को दिखाता है।

इसके अलावा दूसरे बड़े एक्सपोर्टर्स में नीदरलैंड्स, हांगकांग, जापान, इटली, साउथ कोरिया, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स और फ्रांस शामिल हैं।

एशिया वैश्विक व्यापार वृद्धि में अग्रणी है

2025 की सबसे बड़ी खासियतों में से एक है ट्रेड ग्रोथ में एशिया का दबदबा। इस इलाके में एक्सपोर्ट में 9.5% और इंपोर्ट में 6% की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला ट्रेड इलाका बन गया है।

यह ग्रोथ काफी हद तक इन वजहों से हो रही है,

- AI से जुड़े और टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग
- साथ ही एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार
- और मजबूत सप्लाई चेन नेटवर्क

यूरोप जैसे इलाकों में एक्सपोर्ट वॉल्यूम में थोड़ी गिरावट देखी गई और मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में छोटे बेस से ही सही, अच्छी ग्रोथ दिखी।

दुनिया के टॉप 10 एक्सपोर्टिंग देश (2025)

टॉप 10 एक्सपोर्टर देश मिलकर ग्लोबल एक्सपोर्ट का लगभग 49.6% हिस्सा हैं और इससे पता चलता है कि यह ट्रेड कुछ ही देशों तक सीमित है।

वैश्विक निर्यात नेता

1. चीन – 3,771,842 मिलियन डॉलर
2. संयुक्त राज्य अमेरिका – $2,185,220 मिलियन
3. जर्मनी – 1,764,188 मिलियन डॉलर
4. नीदरलैंड – $989,237 मिलियन
5. हांगकांग – 753,582 मिलियन डॉलर
6. जापान – $738,337 मिलियन
7. इटली – $726,499 मिलियन
8. दक्षिण कोरिया – $709,330 मिलियन
9. संयुक्त अरब अमीरात – $706,671 मिलियन
10. फ्रांस – 683,095 मिलियन डॉलर

वैश्विक निर्यात में भारत की स्थिति

एक्सपोर्टर्स की लिस्ट में भारत 19वें नंबर पर है, जिसका एक्सपोर्ट $445,278 मिलियन है और ग्लोबल एक्सपोर्ट में इसका 1.7% हिस्सा है। भारत ज़्यादातर टेक्सटाइल और गारमेंट्स, जेनेरिक दवाइयां (फार्मास्यूटिकल्स), इंजीनियरिंग सामान और IT और सर्विसेज़ जैसे प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट करता है।

भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती इकॉनमी होने के बावजूद, ग्लोबल लीडर्स के मुकाबले अपनी एक्सपोर्ट कैपेसिटी बढ़ाने में अभी भी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मतदान और चुनाव में भागीदारी के अधिकार की कानूनी स्थिति स्पष्ट की

भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि वोट देने और चुनाव लड़ने का अधिकार फंडामेंटल राइट्स नहीं हैं, बल्कि ये कानूनी अधिकार हैं और ये कानून के तहत आते हैं। यह फैसला 11 अप्रैल, 2026 को राजस्थान राज्य में कोऑपरेटिव सोसाइटी चुनावों से जुड़े एक केस के दौरान आया था। कोर्ट ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ये अधिकार सिर्फ़ रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ द पीपल एक्ट जैसे कानूनों के दायरे में ही मौजूद हैं और ये शर्तों, योग्यताओं और अयोग्यताओं के अधीन हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला क्या है?

जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की बेंच ने इस अच्छी तरह से स्थापित कानूनी स्थिति को दोहराया है कि,

- वोट देने का अधिकार चुनाव में हिस्सा लेने में मदद करता है, लेकिन यह संविधान के तहत दिया गया फंडामेंटल राइट नहीं है।
- चुनाव लड़ने का अधिकार अलग है और इसे अलग-अलग एलिजिबिलिटी शर्तों के ज़रिए रोका जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी साफ़ किया है कि दोनों अधिकार पूरी तरह से कानूनी हैं, इसका मतलब है कि वे संसद या राज्य विधानसभाओं द्वारा पास किए गए कानूनों से बनाए और रेगुलेट किए जाते हैं और भारत के संविधान के पार्ट III (फ़ंडामेंटल राइट्स) के तहत उनकी गारंटी नहीं है।

राजस्थान कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ केस की पृष्ठभूमि

यह फैसला राजस्थान में डिस्ट्रिक्ट मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव यूनियनों के चुनावों से जुड़े विवाद से आया है। ये यूनियनें राजस्थान को-ऑपरेटिव सोसाइटीज़ एक्ट, 2001 के तहत काम करती थीं, जिसने थ्री-टियर सिस्टम बनाया था।

मामले में मुख्य मुद्दे

इस एक्ट में कैंडिडेट्स के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया तय करने के लिए कुछ बाय-लॉज़ बनाए गए थे, जिनमें शामिल हैं,

- दूध की आपूर्ति के न्यूनतम दिनों की संख्या
- आपूर्ति किए गए दूध की मात्रा
- सोसाइटियों की परिचालन स्थिति
- और ऑडिट कंप्लायंस स्टैंडर्ड्स

तो इसके साथ ही कुछ कोऑपरेटिव सोसाइटियों ने राजस्थान हाई कोर्ट में इन नियमों को चुनौती दी है और तर्क दिया है कि ये नियम गलत थे और कानूनी नियमों से ज़्यादा थे।

2015 में एक सिंगल जज ने बाय-लॉज़ को रद्द कर दिया और 2022 में एक डिवीज़न बेंच ने पहले लिए गए फ़ैसले को बरकरार रखा।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट की बात को पलट दिया और कहा कि ये बाय-लॉज़ सिर्फ़ एलिजिबिलिटी की शर्तें तय करते हैं और कानूनी तौर पर वैलिड हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने बाय-लॉज़ को क्यों सही ठहराया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ये बाय-लॉज़ डिसक्वालिफिकेशन नहीं हैं, बल्कि ये सिर्फ़ एलिजिबिलिटी को बताते हैं और ये बराबरी जैसे कॉन्स्टिट्यूशनल प्रिंसिपल्स का उल्लंघन नहीं करते हैं। साथ ही कहा कि कोर्ट को कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ के अंदरूनी मामलों में तब तक दखल नहीं देना चाहिए जब तक कि कोई साफ़ तौर पर गैर-कानूनी बात न हो।

कोर्ट ने यह भी कहा कि कोऑपरेटिव सोसाइटियों को आमतौर पर संविधान के आर्टिकल 12 के तहत 'स्टेट' नहीं माना जाता है।

इसलिए उनके अंदरूनी चुनाव के मामले आमतौर पर रिट अधिकार क्षेत्र से आर्टिकल 226 के ज़रिए ज्यूडिशियल रिव्यू के दायरे में नहीं आते हैं।

चुनावी अधिकारों की वैधानिक प्रकृति

कोर्ट ने इस बात पर भी ज़ोर दिया है कि इस तरह के कानूनों से चुनावी अधिकार मिलते हैं,

- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951

ये कानून बताते हैं कि,

- कौन वोट दे सकता है (उम्र, नागरिकता, रजिस्ट्रेशन के आधार पर)
- कौन चुनाव लड़ सकता है
- साथ ही, डिसक्वालिफिकेशन के कारण (जैसे क्रिमिनल रिकॉर्ड, करप्ट प्रैक्टिस, वगैरह) भी बताए जाएंगे।

मौलिक अधिकारों और वैधानिक अधिकारों के बीच अंतर

पहलू	विवरण
मौलिक अधिकार	इन्हें भारतीय संविधान के भाग III के तहत गारंटी दी गई है। इन्हें आसानी से रोका नहीं जा सकता। ये सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट में सीधे लागू हो सकते हैं।
वैधानिक अधिकार	ये अधिकार कानून से बनाए गए हैं। इन्हें कानून से बदला या रोका जा सकता है। ये सिर्फ़ कानूनी दायरे में ही मौजूद हैं।

TIME100 2026: दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों की पूरी लिस्ट और खास ट्रेंड

2026 के लिए जिसका इंतज़ार था, TIME100 लिस्ट को TIME ने ऑफिशियली जारी कर दिया है। इस रिपोर्ट में दुनिया के सबसे असरदार लोगों को हाईलाइट किया गया है जो ग्लोबल ट्रेंड्स और फैसलों को आकार दे रहे हैं। यह सालाना लिस्ट पॉलिटिक्स, बिज़नेस, एंटरटेनमेंट, साइंस और दूसरी जगहों पर लीडर्स, इनोवेटर्स और चेंजमेकर्स को पहचानती है। 2026 एडिशन दिखाता है कि आज असर सिर्फ पावर से कहीं ज़्यादा है और यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाइमेट एक्शन और ग्लोबल गवर्नेंस जैसे एरिया में बदलाव लाने वाले लोगों पर भी फोकस करता है।

TIME100 लिस्ट क्या है?

TIME100 लिस्ट TIME मैगज़ीन की सालाना पहचान है जो दुनिया भर के सबसे असरदार लोगों की पहचान करती है। यह सिर्फ़ दौलत या शोहरत पर आधारित नहीं है, बल्कि यह असर, लीडरशिप और भविष्य को आकार देने की काबिलियत पर भी आधारित है।

कैटेगरी में आम तौर पर शामिल हैं ,

- नेता (Leaders)
- नवप्रवर्तक (Innovators)
- कलाकार (Artists)
- दिग्गज (Titans)
- प्रतीक/आइकन (Icons)
- अग्रणी (Pioneers)

TIME100 2026 की खास बातें जो आपको पता होनी चाहिए

TIME100 लिस्ट दुनिया भर के अलग-अलग सेक्टर के असरदार लोगों को पहचानने की परंपरा को आगे बढ़ाती है।

- इस लिस्ट में दुनिया भर के टॉप 100 प्रभावशाली लोग शामिल हैं।
- इसमें पॉलिटिक्स, बिज़नेस, एंटरटेनमेंट, साइंस और एक्टिविज़्म के लीडर्स भी शामिल होंगे।
- 2026 एडिशन 23वीं सालाना TIME100 लिस्ट है।

यह लिस्ट न सिर्फ़ पॉपुलैरिटी को हाईलाइट करती है, बल्कि असल दुनिया के असर और इन्फ्लुएंस को भी पहचानती है ।

लिस्ट में शामिल ग्लोबल लीडर्स और पॉलिटिकल हस्तियां

दुनिया के कई जाने-माने पॉलिटिकल लीडर्स को इस लिस्ट में शामिल किया गया है और यह इंटरनेशनल रिलेशन और पॉलिसी को बनाने में उनके रोल को दिखाता है।

लिस्ट में शामिल जाने-माने नाम हैं,

- शी जिनपिंग 14वीं बार
- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प
- बेंजामिन नेतन्याहू
- क्लाउडिया शीनबाम

बिज़नेस, AI और टेक लीडर्स

टेक्नोलॉजी और बिज़नेस जैसे सेक्टर के लीडर्स ने 2026 की लिस्ट में अपना दबदबा बनाया है, जो इनोवेशन की बढ़ती अहमियत को दिखाता है।

मुख्य आंकड़ों में शामिल हैं ,

- सुंदर पिचाई
- मिस्टरबीस्ट
- माइकल डेल

इसका फोकस AI, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ग्लोबल बिज़नेस इकोसिस्टम पर है, जो दिखाता है कि टेक्नोलॉजी कैसे मॉडर्न दुनिया को बना रही है।

TIME100 में एंटरटेनमेंट और कल्चरल आइकॉन

इस लिस्ट में उन ग्लोबल एंटरटेनर्स को भी शामिल किया गया है जिन्होंने कल्चर और समाज पर असर डाला है।

कुछ खास नामों में शामिल हैं,

- रणबीर कपूर
- डकोटा जॉनसन
- बेन स्टिलर

संगीत के क्षेत्र में।

- जेनी
- कोको जोन्स

इन लोगों ने ग्लोबल पॉप कल्चर को बनाया है और दुनिया भर में लाखों लोगों पर असर डाला है।

टाइम 100 – 2026 की खास बातों में भारतीयों के नाम चमके

1. सुंदर पिचाई – ग्लोबल टेक लीडरशिप

- गूगल और अल्फाबेट के CEO के तौर पर सुंदर पिचाई टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को आकार दे रहे हैं।
- उनकी लीडरशिप ने गूगल को इनोवेशन में सबसे आगे रखा है और उन्हें लगातार ग्लोबल इन्फ्लुएंसर बनाया है।

2. विकास खन्ना – ग्लोबल स्टेज पर पाककला में उत्कृष्टता

वह एक मशहूर शेफ़ हैं और इंडियन खाने को दुनिया भर में प्रमोट करने के लिए उन्हें इंटरनेशनल पहचान मिली है। उनका काम सिर्फ़ खाने से कहीं ज़्यादा है और यह सोशल कामों और कल्चरल रिप्रेजेंटेशन में भी योगदान देता है।

3. रणबीर कपूर - भारतीय सिनेमा की ग्लोबल पहुंच

रणबीर कपूर का शामिल होना इंडियन सिनेमा की बढ़ती ग्लोबल अपील को दिखाता है। वह 2026 की लिस्ट में शामिल होने वाले अकेले इंडियन एक्टर हैं और यह दुनिया भर में उनके असर और पॉपुलैरिटी को दिखाता है।

लिस्ट में सबसे कम उम्र और सबसे ज़्यादा उम्र के इन्फ्लुएंसर

20 साल की एलिसा लियू को लिस्ट में शामिल किया गया।

और 96 साल की डोलोरेस हुएर्टा भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं।

यह बड़ी उम्र की रेंज दिखाती है कि असर की कोई उम्र की सीमा नहीं होती।

TIME100 शिखर सम्मेलन और गाला 2026

TIME100 लिस्ट सिर्फ़ पहचान के बारे में नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर के लीडर्स को एक साथ लाती है।

- TIME100 समिट: 22 अप्रैल, 2026 (न्यूयॉर्क शहर)
- TIME100 गाला: 23 अप्रैल, 2026

इस गाला को निक्की ग्लेसर होस्ट करेंगी और ल्यूक कॉम्ब्स और कोको जोन्स परफ़ॉर्मेंस देंगे।

पहली बार रेड कार्पेट इवेंट को दुनिया भर में लाइवस्ट्रीम किया जाएगा और इसे दुनिया भर के दर्शकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

TIME100 2026 की पूरी लिस्ट

श्रेणी	शामिल व्यक्तित्व
वैश्विक नेता एवं नीति निर्माता	पोप लियो चौदहवें, मार्क कार्नी, मेटे फ्रेडरिकसेन, क्लाउडिया शीनबाउम, नेतुम्बो नंदी-न्दैतवाह, शी जिनपिंग, तारीक रहमान, बेंजामिन नेतन्याहू, राफेल मारियानो ग्रोसी, सानाए ताकाइची, बालेंद्र शाह, हेना विर्क्कुनेन
अमेरिकी राजनीतिक एवं सार्वजनिक हस्तियां	डोनाल्ड ट्रंप, गैविन न्यूज़म, मार्को रुबियो, मार्क केली, जोहरान मामदानी, जैकब फ्रे, स्टीव विटकॉफ, सूज़ी वाइल्स, डैन केन
व्यवसाय, प्रौद्योगिकी एवं AI नेता	ग्विने शॉटवेल, डारियो अमोदेई, डेनिएला अमोदेई, सुंदर पिचाई, नील मोहन, माइकल डेल, सुसान डेल, मिस्टरबीस्ट, सी.सी. वेई, जेरेमी एलेयर, सारा फ्रायर, जॉन फर्नर, डेविड एलिसन, जोश डी'अमारो, अलीको डांगोटे, लिप-बू टैन, फातिह बिरोल
विज्ञान, अंतरिक्ष एवं स्वास्थ्य	रीड वाइज़मैन, टोनी टायसन, किरण मुसुनुरु, प्रेशियस मात्सोसो, मारी लूज कनाक्किरी मुरायारी, मरिआंगेला हुंग्रिया, रेबेका आहरेंस-निक्लास, लुसियानो मोरेरा, ऐन-क्लेयर अम्प्रू
सामाजिक कार्यकर्ता एवं परिवर्तनकर्ता	शिरीन एबादी, डोलोरेस हुआर्टा, हीदर गर्केन, किका माटोस, शैनन मिंटर, लॉरेन हर्श, मामादू अमादू ली, ज़बीब मूसा लोरो, रैचेल फोस्टर, सबरीना वाल्टर
मनोरंजन (फिल्म, टीवी, मीडिया)	बेन स्टिलर, बेनिसियो डेल टोरो, ज़ो सलदाना, ईथन हॉक, केट हडसन, डकोटा जॉनसन, रणबीर कपूर, क्लेयर डेन्स, केके पामर, स्टर्लिंग के. ब्राउन, एलन कमिंग, नोआ वाइल, एंडरसन पाक, जोनाथन ग्रॉफ, वैगनर मौरा, रिया सीहॉर्न, जाफर पनाही, निक्की ग्लेसर
संगीतकार	ल्यूक कॉम्ब्स, कोको जोन्स, जेनी, हिलेरी डफ, राउ अलेजांद्रो, नोआ कहान
खिलाड़ी	स्कॉटी शेफ्लर, क्लोए किम, लैंडो नॉरिस, नोआ लायल्स, हिलेरी नाइट, एलिसा लियू
फैशन, कला, साहित्य एवं पाक कला	राल्फ लॉरेन, विक्टोरिया बेकहम, मैथ्यू ब्लेज़ी, अनोक याई, नैन्सी सिल्वरटन, विकास खन्ना, मशामा बेली, लिंसी अडारियो, काओ फेई, तयारी जोन्स, यी-युन ली, फ्रीडा मैकफैडन, वाल्टर हूड

महिला आरक्षण बिल 2026 को झटका: संवैधानिक बाधा पार नहीं कर पाया, प्रतिनिधित्व पर असर

महिला आरक्षण बिल 2026 लोकसभा में फैल हो गया, जबकि इसके पक्ष में विपक्ष से ज़्यादा वोट मिले थे। इस बिल का मकसद संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें रिज़र्व करना था, लेकिन यह दो-तिहाई बहुमत की सख्त संवैधानिक ज़रूरत को पूरा नहीं कर सका। इस घटनाक्रम ने ज़ोरदार राजनीतिक बहस छेड़ दी है और आम सहमति, चुनावी सुधारों और भारत में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के भविष्य पर भी सवाल उठाए हैं।

बहुमत के समर्थन के बावजूद महिला आरक्षण बिल फेल हो गया
लोकसभा में दो दिन की कड़ी बहस के बाद संविधान 131वां संशोधन बिल, 2026 पर वोटिंग हुई।
नतीजों ने कई देखने वालों को हैरान कर दिया है ।

- पक्ष में वोट : 298
- विरोध में वोट: 230
- ज़रूरी वोट: 2/3 बहुमत के लिए पूरी संख्या में 360

भले ही बिल को विपक्ष के वोटों से ज़्यादा सपोर्ट मिला था, लेकिन यह कॉन्स्टिट्यूशनल अमेंडमेंट की वजह से फेल हो गया, जिसके लिए सिर्फ़ सिंपल मेजॉरिटी नहीं, बल्कि स्पेशल मेजॉरिटी की ज़रूरत होती है। यह एक बहुत कम होने वाला मामला है जब कोई बिल साफ़ सपोर्ट के बावजूद पास नहीं होता।
खास बात यह है कि 12 साल में यह पहला कॉन्स्टिट्यूशनल अमेंडमेंट बिल है जिसे मोदी सरकार ने लोकसभा में पेश किया और हार गई।

दो-तिहाई बहुमत निर्णायक फ़ैक्टर क्यों बना?
भारत के संविधान के अनुसार, किसी भी संशोधन के लिए, जिसमें संवैधानिक हिस्से को बदलने की ज़रूरत होती है, उसे एक सख्त फ्रेमवर्क के तहत मंज़ूरी की ज़रूरत होती है।

यह भी शामिल है,

- कम से कम दो-तिहाई सदस्य मौजूद हों और वोट दें
- और सदन की कुल संख्या के 50% से कम नहीं

अभी लोकसभा में 543 सदस्य हैं, इसलिए बिल को कम से कम 360 वोटों की ज़रूरत थी, जो उसे नहीं मिल सके। यह नियम यह पक्का करता है कि बड़े संवैधानिक बदलाव सिर्फ़ आम राजनीतिक सहमति से ही किए जाएं।

राजनीतिक विभाजन और परिसीमन बहस
बिल के हारने के पीछे सबसे बड़ा और मुख्य कारण विपक्ष का एकजुट रुख था। कई विपक्षी पार्टियों ने महिला आरक्षण और डिलिमिटेशन के बीच संबंध पर चिंता जताई है।
डिलिमिटेशन का मतलब है आबादी में बदलाव के आधार पर चुनावी सीमाओं को फिर से बनाना।
विपक्षी नेताओं ने तर्क दिया है कि,

- इससे दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है।
- इससे इलाकों में पॉलिटिकल बैलेंस बदल सकता है।
- सरकार डिलिमिटेशन सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए महिला आरक्षण का इस्तेमाल कर रही थी।

इस मुद्दे पर असहमति का मुख्य मुद्दा बन गया और आम सहमति बनने से रोक दिया।

सरकार बनाम विपक्ष: साफ़ आमना-सामना
इस बिल पर हुई बहस में दोनों पक्षों की तरफ से मज़बूत रुख देखने को मिला।

- PM नरेंद्र मोदी ने सभी पार्टियों से बिल का समर्थन करने की अपील की और इसे महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत पहले उठाया गया कदम बताया।
- गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर जानबूझकर तरक्की रोकने का आरोप लगाया है ।
- विपक्षी नेताओं ने यह भी कहा है कि सबसे पहले स्ट्रक्चरल चिंताओं पर ध्यान देना चाहिए, खासकर डिलिमिटेशन से जुड़ी चिंताओं पर।

बिल के लिए सपोर्ट जुटाने की आखिरी समय की कोशिशों के बावजूद, पॉलिटिकल मतभेद इस ऐतिहासिक बिल के लिए रुकावट बने रहे।

महिला आरक्षण की लंबी यात्रा: पृष्ठभूमि
विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीटें रिज़र्व करने का विचार कोई नया नहीं है। इस पर चार दशकों से ज़्यादा समय से चर्चा हो रही है।
इस प्रस्ताव का मकसद फ़ैसले लेने में महिलाओं की ज़्यादा भागीदारी पक्का करना है।
अभी पार्लियामेंट में महिलाओं का रिप्रेजेंटेशन काफ़ी कम है। इसी तरह के बिल पास करने की पिछली कोशिशों में भी राजनीतिक रुकावटों का सामना करना पड़ा है।
दुनिया भर में कई देशों ने रिप्रेजेंटेशन को बेहतर बनाने के लिए जेंडर कोटा अपनाया है, जिससे भारत की देरी दुनिया भर में ज़्यादा ध्यान देने लायक हो गई है।

मैड्रिड में हुए प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026: विजेताओं की पूरी लिस्ट और खास बातें

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026 स्पेन की राजधानी मैड्रिड में हुए । इस इवेंट सेरेमनी में दुनिया भर के स्पोर्ट्स के सबसे बड़े नाम एक साथ आए और बेहतरीन काम किया। इस बड़े इवेंट में कैलेंडर साल 2025 में उनके शानदार परफॉर्मेंस के लिए टॉप एथलीट और टीमों को सम्मानित किया गया। इस साल टेनिस स्टार्स ने रात में अपना दबदबा बनाया, जिसमें कार्लोस अल्काराज़ और आर्यना सबालेंका ने रात का टॉप अवॉर्ड जीता। वहीं पेरिस सेंट-जर्मेन और लैंडो नॉरिस भी बड़े विनर बनकर उभरे।

कार्लोस अल्काराज़ और आर्यना सबालेंका विजेताओं की सूची में सबसे आगे हैं
उभरते हुए टेनिस सेंसेशन ग्रैंड-स्लैम विनर कार्लोस अल्काराज़ को उनके शानदार सीज़न के लिए लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ़ द ईयर चुना गया, जिसमें उन्होंने रैंकिंग में दुनिया का नंबर 1 स्थान फिर से हासिल किया और कई ग्रैंड स्लैम टाइटल जीते। सिर्फ़ 22 साल की उम्र में वह इस प्रतिष्ठित अवॉर्ड के सबसे कम उम्र के विजेताओं में से एक बन गए।
एरिना सबालेंका ने लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमन ऑफ़ द ईयर का टाइटल भी हासिल किया है और पूरे साल अपना दबदबा बनाए रखा है। उनके लगातार प्रदर्शन में शामिल हैं US ओपन में जीत ने उन्हें कॉम्पिटिशन में सबसे अलग कर दिया।

पेरिस सेंट-जर्मेन को टीम ऑफ द ईयर चुना गया
पेरिस लीग 1 क्लब के पेरिस सेंट-जर्मेन ने ऐतिहासिक सीज़न के बाद लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ़ द ईयर अवॉर्ड जीता है। क्लब ने कई ट्रॉफ़ी जीती हैं, जिसमें उनका पहला UEFA चैंपियंस लीग टाइटल भी शामिल है और उन्होंने खुद को मॉडर्न फ़ुटबॉल की सबसे दमदार टीमों में से एक बनाया है। उनकी शानदार उपलब्धियों ने उन्हें रियल मैड्रिड और FC बार्सिलोना जैसे एलीट क्लबों में शामिल कर दिया है, जिन्होंने पहले यह सम्मान जीता है।

सफलता और वापसी की कहानियाँ स्पॉटलाइट
F1 ड्राइवर लैंडो नोरिस ने फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद ब्रेकथ्रू ऑफ़ द ईयर अवार्ड जीता और पूरे सीज़न में शानदार परफॉर्मेंस दी।
इस बीच, रोरी मैक्लरॉय को कमबैक ऑफ़ द ईयर अवॉर्ड मिला है । मास्टर्स में उनकी इमोशनल जीत ने उन्हें लंबे समय से इंतज़ार किए जा रहे करियर ग्रैंड स्लैम को पूरा करने में मदद की और यह स्पोर्ट्स के सबसे इंस्पायरिंग पलों में से एक है।

युवा प्रतिभा और प्रेरणादायक प्रदर्शनों की पहचान
स्पेन और FC बार्सिलोना के फॉरवर्ड लेमिन यामल ने यंग स्पोर्ट्समैन ऑफ़ द ईयर अवार्ड जीतकर इतिहास रच दिया, जो सिर्फ़ 17 साल की उम्र में ग्लोबल फ़ुटबॉल में उनकी तेज़ी से तरक्की को दिखाता है।
क्लोई किम ने एक्शन स्पोर्ट्समैन ऑफ़ द ईयर अवार्ड जीतकर अपना दबदबा बनाए रखा है और विंटर स्पोर्ट्स में अपनी पहचान और पक्की की है।
गैब्रियल अराउजो को स्पोर्ट्समैन ऑफ़ द ईयर विद डिसेबिलिटी के तौर पर भी सम्मानित किया गया, जो ग्लोबल स्टेज पर पैरा-स्पोर्ट्स में बेहतरीन काम को दिखाता है।

विशेष सम्मान और आजीवन मान्यता
टोनी क्रूस, जो पहले रियल मैड्रिड और जर्मन नेशनल थे और जिन्होंने 6 UEFA चैंपियंस लीग और एक FIFA वर्ल्ड कप जीता था, उन्हें बड़े टाइटल और कामयाबियों से भरे शानदार करियर के लिए स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवॉर्ड मिला है।
लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड नादिया कोमेनेसी को दिया गया, जिन्होंने ओलंपिक जिम्नास्टिक में अपने ऐतिहासिक परफेक्ट 10 के 50 साल पूरे किए, उस पल ने इस खेल को हमेशा के लिए बदल दिया।

भारत की महिला विश्व कप टीम का नामांकन
नवंबर 2025 में पहला ICC महिला विश्व कप जीतने के बाद भारतीय महिला टीम को सर्वश्रेष्ठ टीम के लिए नामांकित किया गया है साल की कैटेगरी में। लेकिन इसे पहचान नहीं मिल सकी।
पेरिस सेंट जर्मेन ने बेस्ट टीम कैटेगरी में अवॉर्ड जीता।

लॉरियस 2026 की पूरी विनर्स लिस्ट
- स्पोर्ट्समैन ऑफ़ द ईयर: कार्लोस अल्काराज़
- स्पोर्ट्सवुमन ऑफ़ द ईयर : आर्यना सबालेंका
- टीम ऑफ द ईयर: पेरिस सेंट-जर्मेन
- ब्रेकथ्रू ऑफ़ द ईयर : लैंडो नॉरिस
- कमबैक ऑफ़ द ईयर : रोरी मैक्लेरॉय
- दिव्यांग खिलाड़ी: गैब्रियल अराउजो
- एक्शन स्पोर्ट्समैन: क्लोई किम
- युवा खिलाड़ी: लामिन यामल
- स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवार्ड : टोनी क्रूस
- लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड: नादिया कोमनेसी
- स्पोर्ट फॉर गुड अवार्ड: फ़ुटबॉल मास

लॉरियस अवार्ड्स इतने प्रतिष्ठित क्यों हैं?
लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स दुनिया भर के खेलों में सबसे ज़्यादा सम्मानित सम्मानों में से एक हैं।
विजेताओं को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स एकेडमी के सदस्य चुनते हैं, जो महान एथलीटों का ग्रुप है।
ये अवॉर्ड्स सिर्फ़ जीत का ही जश्न नहीं मनाते, बल्कि खेल की हिम्मत, प्रेरणा और समाज में अच्छा बदलाव लाने की काबिलियत का भी जश्न मनाते हैं।

गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार 2026: पहली बार सभी विजेता महिलाएं

गोल्डमैन एनवायरनमेंटल प्राइज़ 2026 दुनिया भर की छह महिला लीडर्स को दिया गया है। और यह अवॉर्ड शुरू होने के बाद से पहला ऐसा ग्रुप है जिसमें सिर्फ़ महिलाएँ हैं। इस अवॉर्ड को अक्सर 'ग्रीन नोबेल' कहा जाता है और यह प्राइज़ ज़मीनी स्तर के एक्टिविस्ट्स को सम्मान देता है जो एनवायरनमेंट को बचाने और क्लाइमेट चेंज से लड़ने के लिए काम कर रहे हैं। इस साल के विजेता अलग-अलग छह इलाकों को रिप्रेजेंट करते हैं और दिखाते हैं कि कैसे लोकल एक्शन ग्लोबल एनवायरनमेंटल बदलाव ला सकते हैं।

गोल्डमैन एनवायरनमेंटल प्राइज़ क्या है?
गोल्डमैन एनवायरनमेंटल प्राइज़ 1989 में समाज-सेवी रिचर्ड और रोडा गोल्डमैन ने शुरू किया था और यह एनवायरनमेंटल एक्टिविज़्म के लिए दुनिया के सबसे जाने-माने अवॉर्ड्स में से एक है।
गोल्डमैन एनवायरनमेंटल प्राइज़ हर साल दुनिया के छह इलाकों के ज़मीनी स्तर के लीडर्स को पहचान देता है।
हर पाने वाले को $200,000 मिलते हैं और वे एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन, बायोडायवर्सिटी कंज़र्वेशन और क्लाइमेट जस्टिस में अपने योगदान को हाईलाइट करते हैं।

2026 के विजेता: ऐतिहासिक ऑल-वुमन कोहोर्ट
इतिहास में पहली बार सभी छह विजेता महिलाएं हैं और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं:
1. इरोरो तांशी (नाइजीरिया) – अफ्रीका
2. बोरिम किम (दक्षिण कोरिया) – एशिया
3. सारा फिंच (यूनाइटेड किंगडम) – यूरोप
4. थियोनिला रोका माटबॉब (पापुआ न्यू गिनी) – द्वीप और द्वीप राष्ट्र
5. अलाना अकाक हर्ले (संयुक्त राज्य अमेरिका) – उत्तरी अमेरिका
6. युवेलिस मोरालेस ब्लैंको (कोलंबिया) – दक्षिण और मध्य अमेरिका

उनकी उपलब्धियां फॉसिल फ्यूल प्रोजेक्ट्स से लड़ने से लेकर खतरे में पड़ी प्रजातियों और इकोसिस्टम की रक्षा करने तक के अलग-अलग प्रयासों को दिखाती हैं ।

विजेताओं का मुख्य योगदान

जीवाश्म ईंधन और जलवायु परिवर्तन से लड़ना
कई विजेताओं ने फॉसिल फ्यूल प्रोजेक्ट्स से निपटने पर ध्यान दिया है।
- युवेलिस मोरालेस ब्लैंको ने कोलंबिया में फ्रैकिंग प्रोजेक्ट्स का सफलतापूर्वक विरोध किया है और स्थानीय इकोसिस्टम और समुदायों की रक्षा की है।
- बोरिम किम ने एक अहम यूथ क्लाइमेट केस को लीड किया है और इसके नतीजे में कोर्ट का एक ऐसा फैसला आया जिसने साउथ कोरिया में क्लाइमेट अकाउंटेबिलिटी को मज़बूत किया।
- सारा फिंच ने कानूनी जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसके तहत अधिकारियों को तेल निकालने की मंज़ूरी देने से पहले क्लाइमेट पर पड़ने वाले असर पर विचार करना ज़रूरी हो गया।

जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्रों का संरक्षण
- इसके अलावा, इरोरो तांशी ने खतरे में पड़ी चमगादड़ की प्रजातियों को फिर से खोजा है और उन्होंने जंगल की आग से उनके रहने की जगह को बचाने के लिए काम किया है।
- थियोनिला रोका मैटबॉब ने पर्यावरण को हुए नुकसान के लिए माइनिंग की बड़ी कंपनी को ज़िम्मेदार ठहराने की कोशिशों को लीड किया।
- अलाना अकाक हर्ले ने अलास्का के इकोसिस्टम के लिए खतरा बन रहे एक बड़े माइनिंग प्रोजेक्ट को रोकने में भी मदद की।

यह साल क्यों महत्वपूर्ण है
2026 एडिशन न सिर्फ़ सभी महिला विजेताओं की वजह से बल्कि उनके काम करने के तरीके की वजह से भी खास है।
ये कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हैं,
- पर्यावरण लीडरशिप में महिलाओं की बढ़ती भूमिका।
- साथ ही, जमीनी स्तर के आंदोलनों की ताकत भी।
- कानूनी और कम्युनिटी द्वारा किए गए एक्शन का महत्व।

राष्ट्रीय समाचार

कैबिनेट की मंजूरी

1. खरीफ 2026 के लिए न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी (NBS)

नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने खरीफ सीजन 2026 (अप्रैल-सितंबर) के लिए फॉस्फेटिक और पोटासिक (P&K) फर्टिलाइजर पर न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी (NBS) रेट को मंजूरी दे दी है। अनुमानित बजट ₹41,533.81 करोड़ है, जो खरीफ 2025 से ज़्यादा है। इससे किसानों को DAP और NPK जैसे फर्टिलाइजर सस्ते दामों पर मिलेंगे, साथ ही NBS स्कीम (जो 2010 से लागू है) के तहत कंपनियों को सब्सिडी दी जाएगी।

2. कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (1720 MW)

कैबिनेट ने अरुणाचल प्रदेश में 1720 MW के कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए ₹26,069.50 करोड़ के इन्वेस्टमेंट को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट 6870 MU बिजली बनाएगा, बिजली सप्लाई को बेहतर करेगा, ब्रह्मपुत्र घाटी में बाढ़ कंट्रोल में मदद करेगा और सड़कों और पुलों जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगा। इसे NHPC लिमिटेड और राज्य सरकार के बीच एक जॉइंट वेंचर के तौर पर डेवलप किया जाएगा, जिसमें रोज़गार और लोकल डेवलपमेंट जैसे एक्स्ट्रा फायदे होंगे।

3. कलाई-II हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (1200 MW)

कैबिनेट ने अरुणाचल प्रदेश में लोहित नदी पर 1200 MW कलाई-II हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए ₹14,105.83 करोड़ मंज़ूर किए। इससे हर साल 4852.95 MU बिजली बनने की उम्मीद है, इससे बिजली की सप्लाई मज़बूत होगी और पीक डिमांड को मैनेज करने में मदद मिलेगी। यह प्रोजेक्ट THDC इंडिया लिमिटेड राज्य की पार्टनरशिप के साथ पूरा करेगा और इससे इंफ्रास्ट्रक्चर की ग्रोथ, रोज़गार और इलाके के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

4. PMGSY-III स्कीम का एक्सटेंशन

कैबिनेट ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-III को मार्च 2028 तक ₹83,977 करोड़ के खर्च के साथ बढ़ाने की मंज़ूरी दी है। यह स्कीम बाज़ारों, स्कूलों और अस्पतालों से गांव की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर फोकस करती है। इससे गांव की इकॉनमी को बढ़ावा मिलेगा, ट्रांसपोर्टेशन का खर्च कम होगा, रोज़गार पैदा होंगे और ज़रूरी सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी।

5. महंगाई भत्ता (DA) बढ़ोतरी 2026

कैबिनेट ने महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में 2% की बढ़ोतरी को मंज़ूरी दी, जिससे यह जनवरी 2026 से बेसिक सैलरी/पेंशन का 60% हो जाएगा। इससे लगभग 50.46 लाख कर्मचारियों और 68.27 लाख पेंशनर्स को फ़ायदा होगा, और 7वें वेतन आयोग के फ़ॉर्मूले के आधार पर सालाना ₹6,791.24 करोड़ का फ़ाइनेंशियल असर पड़ेगा।

6. भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल (BMI पूल)

सरकार ने ₹12,980 करोड़ की सॉवरेन गारंटी के साथ भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल बनाने को मंज़ूरी दी है। इस पहल से विदेशी इंश्योरेंस कंपनियों पर निर्भरता कम होगी और ग्लोबल अनिश्चितताओं में भी भारतीय जहाजों के लिए लगातार इंश्योरेंस कवरेज पक्का होगा। यह कार्गो डैमेज, युद्ध के रिस्क और लायबिलिटी जैसे रिस्क को कवर करता है, जिससे भारत की समुद्री व्यापार सुरक्षा मज़बूत होती है।

7. रेलवे मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स (UP और आंध्र प्रदेश)

कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश में रेल नेटवर्क को 601 km तक बढ़ाने के लिए ₹24,815 करोड़ के रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी। इनमें गाजियाबाद-सीतापुर और राजमुंदरी-विशाखापत्तनम रूट शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स का मकसद भीड़भाड़ कम करना, लॉजिस्टिक्स बेहतर करना, माल ढुलाई की क्षमता बढ़ाना, टूरिज्म कनेक्टिविटी बढ़ाना और CO_2 एमिशन कम करना है, साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा करना है।

संसद समाचार

अप्रैल महीने की राज्यवार महत्वपूर्ण घटनाएँ

आंध्र प्रदेश

- भारत सरकार ने 6 अप्रैल, 2026 के एक गजट नोटिफिकेशन के ज़रिए ऑफिशियली **अमरावती को** आंध्र प्रदेश की अकेली राजधानी घोषित किया। इस फैसले से आंध्र प्रदेश रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट, 2014 में बदलाव हुआ है, और तीन- राजधानियों (अमरावती, विशाखापत्तनम और कुरनूल) के प्रस्ताव पर सालों से चल रही अनिश्चितता दूर हो गई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इसे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक जीत बताया। इस कदम से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में तेज़ी आने, इन्वेस्टमेंट आकर्षित करने, और एडमिनिस्ट्रेटिव क्लैरिटी सुनिश्चित करने, गवर्नेंस और लॉन्ग-टर्म इकोनॉमिक ग्रोथ को मज़बूत करने की उम्मीद है।

बिहार

अप्रैल 2026 में बिहार में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव हुआ।

- **नीतीश कुमार ने** मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे गवर्नेंस सुधार, इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने और भलाई के कामों से पहचाने जाने वाले उनके दो दशक से ज़्यादा लंबे नेतृत्व का अंत हो गया।
- राज्यसभा सदस्य बनने के बाद उन्होंने बिहार विधान परिषद से भी इस्तीफा दे दिया और अपना ध्यान राष्ट्रीय राजनीति पर केंद्रित कर लिया।
- **सम्राट चौधरी** ने नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली, और बिहार में इस टॉप पोस्ट पर बैठने वाले पहले BJP नेता बन गए।
- यह बदलाव नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) के तहत गठबंधन की स्थिरता बनाए रखते हुए राज्य में एक नए राजनीतिक दौर का संकेत देता है।

गुजरात

गुजरात में गवर्नेंस और टेक्नोलॉजी से जुड़े दो बड़े डेवलपमेंट हुए:

- गुजरात **हाई कोर्ट ने न्यायिक फैसले लेने और जजमेंट ड्राफ्टिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है** । कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि न्याय इंसानी तर्क पर निर्भर होना चाहिए और भेदभाव, वहम और प्राइवेसी की चिंताओं जैसे खतरों के बारे में चेतावनी दी। हालांकि, कानूनी रिसर्च और एडमिनिस्ट्रेटिव कामों के लिए AI का इस्तेमाल अभी भी किया जा सकता है।

- गुजरात पुलिस ने NDPS एक्ट, 1985 के तहत भारत का पहला AI-बेस्ड नारकोटिक्स इन्वेस्टिगेशन टूल **NARIT AI लॉन्च किया है। रिट्रीवल-ऑगमेंटेड जेनरेशन (RAG) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके बनाया गया यह टूल FIRs को** एनालाइज़ करने , कानूनी कमियों का पता लगाने और स्ट्रक्चर्ड रिपोर्ट बनाने में मदद करता है। इससे इन्वेस्टिगेशन की क्वालिटी बेहतर होती है, प्रोसेस से जुड़ी गलतियाँ कम होती हैं और केस तेज़ी से हैंडल होता है।

हरयाणा

- एयर पॉल्यूशन एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि **मार्च 2026 में गुड़गांव को भारत का सबसे प्रदूषित शहर बताया गया** , जिसमें PM2.5 का लेवल 116 $\mu g/m^3$ तक पहुंच गया, जो सुरक्षित लिमिट से बहुत ज़्यादा है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के अनुसार, हरियाणा के कई शहर पॉल्यूशन लिस्ट में सबसे ऊपर हैं, जबकि गाजियाबाद FY 2025-26 के लिए कुल मिलाकर सबसे प्रदूषित शहर बना रहा। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (NCAP) जैसी पहलों के बावजूद, डेटा लोगों की सेहत की रक्षा के लिए सख्त पर्यावरण नीतियों और वैज्ञानिक दखल की तुरंत ज़रूरत को दिखाता है।

कर्नाटक

कर्नाटक में स्पेस रिकग्निशन, सोशल रिफॉर्म और सस्टेनेबिलिटी में बड़े डेवलपमेंट हुए:

- कर्नाटक पोस्टल सर्कल ने आर्यभट्ट (1975) से लेकर आने वाले गगनयान मिशन तक ISRO के सफ़र की याद **में स्टैम्प जारी किए** , जिसमें स्पेस एक्सप्लोरेशन में भारत की कामयाबियों को दिखाया गया है।
- कर्नाटक **हाई कोर्ट ने राज्य को** सभी सेक्टर में, जिसमें अनऑर्गनाइज़्ड वर्कर भी शामिल हैं, में पीरियड्स लीव पॉलिसी लागू करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आर्टिकल 21 के तहत पीरियड्स लीव को फंडामेंटल राइट्स का हिस्सा माना, जो सम्मान, बराबरी और जेंडर-सेंसिटिव वर्कप्लेस रिफॉर्म्स को बढ़ावा देता है।
- बैंगलोर **वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (BWSSB)** भारत की पहली वाटर यूटिलिटी बन गई है जिसे एनर्जी मैनेजमेंट के लिए ISO 50001:2018 सर्टिफिकेशन मिला है। यह पहचान एनर्जी एफिशिएंसी, लागत में कमी और सस्टेनेबल शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देती है।

महाराष्ट्र

- गांव के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री **देवेंद्र फडणवीस ने वर्ल्ड हेल्थ डे पर "मेरा गांव, हेल्दी गांव" (माझा गांव, आरोग्य संपन्न गांव) कैंपेन शुरू किया। ₹65.25 करोड़ के बजट के साथ, यह पहल प्रिवेंटिव हेल्थकेयर, सैनिटेशन, न्यूट्रिशन, साफ पीने का पानी और मां की हेल्थ पर फोकस करती है। हेल्थ स्टैंडर्ड को पूरा करने वाले गांवों को "आरोग्य** संपन्न गांव" के तौर पर पहचाना जाएगा, जिससे कम्युनिटी की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा और जमीनी स्तर पर हेल्थकेयर सिस्टम मजबूत होंगे।

ओडिशा

- प्रस्तावित **श्री जगन्नाथ इंटरनेशनल एयरपोर्ट को** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से स्टेज-I फॉरेस्ट क्लीयरेंस मिल गया है। इस मंज़ूरी से 27.886 हेक्टेयर जंगल की ज़मीन को पर्यावरण सुरक्षा उपायों और मुआवज़े के तौर पर पेड़ लगाने के अधीन डायवर्जन की अनुमति मिलती है। इस एयरपोर्ट से टूरिज़्म को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, खासकर मशहूर रथ यात्रा के दौरान, भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर निर्भरता कम होगी, और इस क्षेत्र में रोज़गार और आर्थिक मौके पैदा होंगे।

तेलंगाना

- तेलंगाना सरकार ने हैदराबाद में **डीकिन यूनिवर्सिटी के साथ AI पर फोकस करने वाला एक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (MoU) साइन किया है। इसका एक बड़ा नतीजा है ऐकम-डीकिन हब (DHRITI)** की स्थापना , जो एडवांस्ड AI रिसर्च, इनोवेशन और स्किल डेवलपमेंट पर फोकस करेगा। इस पहल का मकसद AI के लिए तैयार वर्कफोर्स बनाना, स्टार्टअप्स को सपोर्ट करना और एथिकल AI एप्लीकेशन को बढ़ावा देना है, जिससे भारत में तेलंगाना की एक लीडिंग टेक्नोलॉजी और इनोवेशन हब के तौर पर स्थिति मजबूत होगी।

छत्तीसगढ

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साई की अगुवाई वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने **यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड (UCC) को लागू करने के फ्रेमवर्क का ड्राफ़्ट बनाने के लिए एक हाई-लेवल कमेटी बनाने को मंज़ूरी दे दी है** । संविधान के आर्टिकल 44 के आधार पर, UCC का मकसद सभी नागरिकों के लिए एक जैसे पर्सनल लॉ लाना है। यह कमेटी रोडमैप सुझाने से पहले कानूनी, सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं की जांच करेगी, जो कानूनी एकरूपता और समानता की दिशा में एक ज़रूरी कदम होगा।

मेघालय

- मेघालय राज्य ने मेघालय आधिकारिक भाषा अध्यादेश, 2026 के तहत अंग्रेजी के साथ-साथ **खासी और गारो को आधिकारिक तौर पर राज्य की भाषाओं के रूप में मान्यता दी** । मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा द्वारा घोषित, यह कदम सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देता है, प्रशासनिक पहुंच में सुधार करता है, और इन भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को मजबूत करता है।

पंजाब

- पंजाब असेंबली ने **एंटी-सेक्रिलेज बिल 2026 पास किया है** , जिसमें धार्मिक अपमान के कामों, खासकर गुरु ग्रंथ साहिब से जुड़े कामों के लिए उम्रकैद और ₹25 लाख तक के जुर्माने सहित सख्त सज़ा का प्रस्ताव है। इस बिल का मकसद कानून-व्यवस्था को मज़बूत करना, धार्मिक सद्भाव पक्का करना और बेअदबी के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस बनाना है। यह गवर्नर की मंज़ूरी के बाद लागू हो जाएगा।

महाराष्ट्र (मुंबई)

- सीनियर IAS ऑफिसर **अश्विनी भिड़े को बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) की पहली महिला म्युनिसिपल कमिश्नर** बनाया गया । मुंबई मेट्रो लाइन 3 जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में अपने रोल के लिए जानी जाने वाली अश्विनी की नियुक्ति जेंडर रिप्रेजेंटेशन में एक मील का पत्थर है। उनसे शहरी गवर्नेंस को बेहतर बनाने, सिविक सर्विसेज़ को बेहतर बनाने और भारत की सबसे अमीर म्युनिसिपल बॉडी में डेवलपमेंट को तेज़ करने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय (महत्वपूर्ण विकास)

- **मेनका गुरुस्वामी** भारत की **पहली खुले तौर पर क्वीर सांसद (राज्यसभा) बनीं**। उन्हें ऐतिहासिक नवतेज सिंह जौहर बनाम यूनियन ऑफ़ इंडिया (2018) केस में उनके रोल के लिए बहुत जाना जाता है, जिसके कारण सेक्शन 377 को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया। उनकी नियुक्ति भारत में बढ़ती इनक्लूसिविटी, डाइवर्सिटी और प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक वैल्यूज़ को दिखाती है।

अप्रैल महीने के लॉन्च और उद्घाटन (बुलेट)

- भारत ने मोबाइल ऐप्स और सेल्फ-एन्यूमरेशन का इस्तेमाल करके अपनी पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना, **Census 2027 शुरू की, जिससे जनसंख्या डेटा कलेक्शन में ट्रांसपेरेंसी और एक्यूरेसी बेहतर हुई।**
- शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के बीच डिजिटल और समस्या-समाधान कौशल का निर्माण करने के लिए धर्मेंद्र प्रधान द्वारा शुरू किए गए **एआई और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग पाठ्यक्रम (कक्षा 3-8) की शुरुआत की।**
- जितेंद्र सिंह ने फूड और हेल्थ सेक्टर में बायोटेक स्टार्टअप्स और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए **BIRAC- BioNEST इनक्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया।**
- चुनाव आयोग ने ECINet पर **'अपने उम्मीदवारों को जानें (KYC)' फ़ीचर लॉन्च किया है**, ताकि वोटर्स को उम्मीदवारों की जानकारी जैसे क्रिमिनल रिकॉर्ड, संपत्ति और शिक्षा मिल सके।
- भारत ने सर्विसेज़ सेक्टर पर डिटेल्ड डेटा इकट्ठा करने, इकोनॉमिक प्लानिंग और पॉलिसीमेकिंग को बेहतर बनाने के लिए **ASISSE सर्वे शुरू किया।**
- NHAI ने हाईवे के किनारे दवा वाले पेड़ लगाने, बायोडायवर्सिटी को बढ़ावा देने और आयुर्वेद के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए **'आरोग्य वन' पहल शुरू की।**
- सरकार ने AI, रोबोटिक्स और डीप-टेक सेक्टर में स्टार्टअप्स को सपोर्ट करने के लिए ₹10,000 करोड़ के साथ **स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 लॉन्च किया।**
- कपड़ा मंत्रालय ने भारतीय हैंडलूम को दुनिया भर में बढ़ावा देने के लिए **'विश्व सूत्र – दुनिया के लिए भारत की बुनाई' लॉन्च किया।**
- संस्कृति मंत्रालय ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए *वंदे मातरम* के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में **'VM फ्रेम्स' फिल्ममेकिंग कॉम्पिटिशन शुरू किया।**
- CBI ने नागरिकों को ऑफिशियल नोटिस वेरिफाई करने और साइबर फ्रॉड रोकने में मदद करने के लिए **AI चैटबॉट 'अभय' लॉन्च किया।**
- इलेक्ट्रॉनिक्स और AI मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए ओडिशा में अपनी पहली **3D सेमीकंडक्टर पैकेजिंग यूनिट** की नींव रखी।
- नरेंद्र मोदी ने **दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का उद्घाटन किया**, जिससे कनेक्टिविटी, टूरिज्म और ट्रेड में सुधार होगा।
- प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने वाले **श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का भी उद्घाटन किया।**
- यूनियन कैबिनेट ने भारत के शिपिंग और इंश्योरेंस सेक्टर को मज़बूत करने के लिए **भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल (BMI पूल) को मंज़ूरी दी और लॉन्च किया।**

विविध राष्ट्रीय समाचार

- नए "जंपस्टार्ट अप्रोच" का इस्तेमाल करके लगभग 10 साल बाद गुजरात में एक **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड चूज़े का जन्म हुआ, जिससे कंज़र्वेशन की कोशिशों को बढ़ावा मिला।**
- भारत ने **सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2026 लागू किया**, जिसमें चार तरह से कचरा अलग करना ज़रूरी किया गया और सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा दिया गया।
- लोकसभा ने **IBC अमेंडमेंट बिल 2026 पास कर दिया**, जिससे इन्सॉल्वेंसी का तेज़ी से समाधान पक्का होगा और क्रेडिटर के अधिकार मज़बूत होंगे।
- जन **विश्वास अमेंडमेंट बिल 2026** छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाने और बिज़नेस करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए पास किया गया था।
- **आंध्र प्रदेश की अकेली राजधानी** घोषित किया गया, जिससे तीन-राजधानियों का मॉडल खत्म हो गया और एडमिनिस्ट्रेटिव क्लैरिटी पक्की हो गई।
- भारत 250.5 GW कैपेसिटी के साथ **दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी मार्केट बन गया है।**
- नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग को **डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला**, जिससे एडवांस्ड रिसर्च और PhD प्रोग्राम शुरू हो सके।
- भारत ने एमिशन और तेल इंपोर्ट कम करने के लिए 20% इथेनॉल मिलाकर **पूरे देश में E20 पेट्रोल लागू किया।**
- RoSCTL **स्कीम को टेक्सटाइल** एक्सपोर्टर्स को सपोर्ट करने और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस बनाए रखने के लिए बढ़ाया गया था।
- साइंटिफिक रीइंट्रोडक्शन से लगभग 100 साल बाद **छत्तीसगढ़ में काले हिरण वापस आ गए, जिससे बायोडायवर्सिटी को बढ़ावा मिला।**
- **साधना सप्ताह 2026** का आयोजन गवर्नेंस, सर्विस डिलीवरी और सिविल सर्विस क्षमता को बेहतर बनाने के लिए किया गया था।
- भारत ने रिकॉर्ड **6.05 GW विंड एनर्जी कैपेसिटी जोड़ी**, जिससे रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य और मज़बूत हुए।
- **ज्ञानेश कुमार** के खिलाफ इंपीचमेंट मोशन खारिज कर दिया गया, जिससे इलेक्शन कमीशन का कॉन्स्टिट्यूशनल प्रोटेक्शन पक्का हो गया।
- पैरामिलिट्री फोर्स में भर्ती और सर्विस की शर्तों को स्टैंडर्ड बनाने के लिए CAPF एडमिनिस्ट्रेशन एक्ट 2026 को नोटिफाई किया गया था।
- क्लीन एनर्जी प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए अरुणाचल प्रदेश में कलाई-II हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दी गई।
- **यशवंत वर्मा ने** विवाद के बीच इस्तीफा दे दिया, जिसमें न्यायिक जवाबदेही के मुद्दे सामने आए।
- मुंद्रा पोर्ट भारत का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट हब बन गया, जिससे लॉजिस्टिक्स और एक्सपोर्ट मजबूत हुआ।
- CPA **कॉन्फ्रेंस 2026 (गोवा)** में इनक्लूसिव गवर्नेंस, महिलाओं की भागीदारी और युवाओं की भागीदारी पर फोकस किया गया।
- सिएटल में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का अनावरण किया गया, जिससे भारत-US के सांस्कृतिक संबंध मजबूत हुए।
- भारत ने एफिशिएंसी और ट्रांसपेरेंसी को बेहतर बनाने के लिए FASTag और UPI का इस्तेमाल करके **सिर्फ़ डिजिटल टोल सिस्टम शुरू किया।**

- वें **संविधान संशोधन बिल में** बेहतर प्रतिनिधित्व के लिए लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव था।
- हरिवंश नारायण सिंह तीसरे टर्म के लिए फिर से चुने गए, जिससे पार्लियामेंट्री रिकॉर्ड बना।
- भारत ने **वित्त वर्ष 2025-26 में 55,200 स्टार्टअप को मान्यता दी** , जिससे रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिला।
- **कांकरिया कोचिंग डिपो** भारत का पहला **वाटर-न्यूट्रल रेलवे डिपो बन गया** , जो सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देता है।
- **शेखा झील को** भारत का **99वां रामसर साइट घोषित किया गया** , जिससे वेटलैंड कंजर्वेशन को बढ़ावा मिलेगा।
- **अटल पेंशन योजना में** 9 करोड़ से ज़्यादा लोग शामिल हुए , जिससे असंगठित कामगारों के लिए सोशल सिक्योरिटी मज़बूत हुई।
- सुरक्षित गेमिंग प्रैक्टिस को रेगुलेट करने और पक्का करने के लिए नए **ऑनलाइन गेमिंग नियम (PROGA 2025) की घोषणा की।**
- कोणार्क सूर्य मंदिर की विरासत और बनावट को बचाने के लिए उसका रेस्टोरेशन का काम शुरू हो गया है।
- महिलाओं की सुरक्षा और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए **धर को सेफ सिटीज प्रोजेक्ट 2026** के तहत चुना गया था।
- मुंबई और सिकंदराबाद के लैंडफिल को **दुनिया भर में सबसे ज़्यादा मीथेन एमिटर** के तौर पर पहचाना गया , जिससे पर्यावरण से जुड़ी चिंताएं बढ़ गईं।
- नागरिकों की मदद करने और डेटा की सटीकता में सुधार करने के लिए एक **जनगणना हेल्पलाइन (1855) शुरू की गई थी।**
- इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन ने रूरल प्लानिंग और गवर्नेंस को सपोर्ट करने के लिए पूरे देश में **लैंड-यूज़ मैपिंग पूरी कर ली है।**

सरकारी योजनाएँ

- रेल मंत्रालय की शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन स्कीम का मकसद पूरे भारत में 1,338 रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न सुविधाओं और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ फिर से डेवलप करना है। दिल्ली के खास स्टेशनों में नई दिल्ली, हज़रत निज़ामुद्दीन और आनंद विहार शामिल हैं। इस स्कीम में मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब, डिजिटल सिस्टम, लिफ्ट, एस्केलेटर और इको-फ्रेंडली टेक्नोलॉजी शामिल हैं। यह 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' के तहत लोकल प्रोडक्ट्स को भी बढ़ावा देती है , जिससे पैसेंजर एक्सपीरियंस, अर्बन इंटीग्रेशन और सस्टेनेबल रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर होता है।
- दिल्ली सरकार ने लखपति योजना शुरू की है। लाडली स्कीम की जगह, लड़कियों की पढ़ाई और फाइनेंशियल सिक्योरिटी को बढ़ावा देने के लिए बिटिया योजना शुरू की गई है। यह स्कीम जन्म से लेकर ग्रेजुएशन तक अलग-अलग तरीकों से ₹ 1.2 लाख की फाइनेंशियल मदद देती है। इसका मकसद कम उम्र में शादी रोकना , हायर एजुकेशन पक्का करना और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सपोर्ट करना है। एलिजिबल लड़कियां दिल्ली की रहने वाली होनी चाहिए और उनके परिवार की इनकम ₹ 1.2 लाख से कम हो। यह पहल महिला सशक्तिकरण को मज़बूत करती है और स्ट्रक्चर्ड मदद के ज़रिए लंबे समय तक फाइनेंशियल आज़ादी पक्का करती है।
- भारत सरकार ने वेस्ट एशिया में तनाव के बीच एक्सपोर्टर्स को सपोर्ट करने के लिए RELIEF (Resilience & Logistics Intervention for Export Facilitation) स्कीम को बढ़ाया है। एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत शुरू की गई और एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया (ECGC) द्वारा लागू की गई यह स्कीम इंश्योरेंस सपोर्ट, फ्रेट कॉस्ट रीइंबर्समेंट और क्रेडिट फैसिलिटेशन देती है। इसमें अब मिस्र और जॉर्डन भी शामिल हैं, जिससे प्रभावित ट्रेड रूट्स तक कवरेज बढ़ गया है। इस पहल का मकसद लॉजिस्टिक्स की चुनौतियों, बढ़ते इंश्योरेंस कॉस्ट को कम करना और आसान एक्सपोर्ट ऑपरेशन पक्का करना है , जिससे खासकर MSMEs और नए एक्सपोर्टर्स को फायदा होगा।
- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए AICTE-VAANI 3.0 (भारतीय भाषाओं के विकास और पोषण के लिए जीवंत वकालत) शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य भाषा की बाधाओं को दूर करना है, जिससे छात्र अपनी मातृभाषा में जटिल अवधारणाओं को सीख सकें। यह ₹ 4 करोड़ वार्षिक निधि प्रदान करता है , 200 से अधिक सम्मेलनों का समर्थन करता है , और AI, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में 22 क्षेत्रीय भाषाओं को कवर करता है। बहुभाषी शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर , यह पहल विशेष रूप से विविध भाषाई पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए सीखने के परिणामों, समावेशिता और अनुसंधान भागीदारी को बढ़ाती है।

अंतरराष्ट्रीय मामले

- मार्च 2026 में एक कानून लागू किया, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को YouTube, TikTok, Instagram और Facebook जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस्तेमाल करने से बैन कर दिया गया , जिससे करीब 70 मिलियन यूज़र प्रभावित हुए। इस कदम का मकसद साइबरबुलिंग, नुकसानदायक कंटेंट, स्कैम और डिजिटल एडिक्शन को रोकना और मेंटल हेल्थ से जुड़ी चिंताओं को दूर करना है। प्लेटफॉर्म को नियमों का पालन करना होगा, हालांकि VPN का गलत इस्तेमाल और उम्र का वेरिफिकेशन जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। यह डिजिटल युग में बच्चों की सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- कोस्टा रिका ने यूनिवर्सिडाड डी कोस्टा रिका और क्लोडोमिरो पिकाडो इंस्टीट्यूट का बनाया हुआ एक सांप पहचानने वाला मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप 25 ज़हरीली प्रजातियों की पहचान करने में मदद करता है , फर्स्ट एड गाइडेंस देता है , और रियल-टाइम साइंटिफिक जानकारी देता है। पैनिक, गलत जानकारी और गैर-ज़रूरी नुकसान को कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया , यह पब्लिक सेफ्टी और वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन को बढ़ाता है , जिससे सांपों के सामने आने पर बेहतर अवेयरनेस और तुरंत रिस्पॉन्स के ज़रिए लोकल लोगों और टूरिस्ट दोनों को फायदा होता है।

- 584 में से 429 वोटों के साथ पार्लियामेंट में बहुमत मिलने के बाद म्यांमार का प्रेसिडेंट चुना गया है। यह चल रही अस्थिरता के बीच एक बड़ा पॉलिटिकल बदलाव है । चुनाव म्यांमार के प्रेसिडेंशियल इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम के ज़रिए हुए , जिसमें कानून बनाने वाले और मिलिट्री के प्रतिनिधि शामिल थे। उनकी जीत से डेमोक्रेसी और गवर्नेंस को लेकर दुनिया भर में चिंताएं बढ़ गई हैं , जो देश के पॉलिटिकल सिस्टम में मिलिट्री के लगातार असर को दिखाता है।
- उचरल न्याम-ओसोर को मंगोलिया का नया प्रधानमंत्री बनाया गया है , उन्होंने राजनीतिक उथल-पुथल के बीच 107 पार्लियामेंट्री वोटों में से 88 वोट हासिल किए हैं। उन्होंने ज़ंदनशतर गोम्बोजाव की जगह ली है, जिन्होंने कानूनी रुकावट और अंदरूनी झगड़ों की वजह से इस्तीफ़ा दे दिया था। सुधार पर ध्यान देने वाले युवा नेता, उचरल का मकसद शासन को स्थिर करना और आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाना है । हालांकि, मौजूदा राजनीतिक अस्थिरता और आने वाले 2027 के चुनाव मंगोलिया के राजनीतिक माहौल को चुनौती देते रह सकते हैं।
- एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट के अनुसार, भारत में ट्रैक एंड फील्ड में डोपिंग सस्पेंशन के सबसे ज़्यादा मामले दर्ज किए गए हैं , जिसमें 148 एथलीट बैन किए गए हैं , जो केन्या और रूस से भी ज़्यादा है। यह डेटा स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी और एंटी-डोपिंग एनफोर्समेंट को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा करता है। वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी की रिपोर्ट में हाई पॉजिटिविटी रेट पर ज़ोर दिया गया है, जिससे भारतीय एथलेटिक्स में कड़े नियमों, जागरूकता और सुधारों की तुरंत ज़रूरत पर ज़ोर दिया गया है।
- पोल्ट्री किसानों और फ़ूड सप्लाई चेन के लिए चिंता बढ़ गई है। एवियन पैरामाइक्सोवायरस की वजह से होने वाली यह बीमारी पक्षियों को बहुत ज़्यादा छूत की बीमारी है, जिसके गंभीर रूप से मरने वालों की संख्या बहुत ज़्यादा होती है। यह हवा में मौजूद बूंदों, सीधे संपर्क और खराब चीज़ों से फैलती है । इसके लक्षणों में सांस की दिक्कतें, नर्वस सिस्टम की दिक्कतें और अंडे का प्रोडक्शन कम होना शामिल हैं। यूनाइटेड किंगडम समेत कई जगहों पर अधिकारी इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए निगरानी और बायोसिक्योरिटी के तरीकों को मज़बूत कर रहे हैं।
- रूस और चीन ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए UN सिक्योरिटी काउंसिल के प्रस्ताव को वीटो कर दिया, जिससे दुनिया भर में तनाव बढ़ गया। 11 देशों के सपोर्ट वाले इस प्रस्ताव का मकसद सुरक्षित तेल शिपिंग और फ्री नेविगेशन पक्का करना था , लेकिन मिलिट्री असर और बड़े पैमाने पर झगड़े सुलझाने पर ध्यान देने की चिंताओं की वजह से इसका विरोध किया गया। क्योंकि दुनिया भर के तेल व्यापार का लगभग 20% इसी स्ट्रेट से होकर गुजरता है, इसलिए इस रोक से सप्लाई में रुकावट , तेल की बढ़ती कीमतों और दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने का डर बढ़ गया है ।
- भारत ने भविष्य के कमिटमेंट्स को रिव्यू करने के बाद यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज के तहत COP33 क्लाइमेट समिट (2028) को होस्ट करने की अपनी बोली वापस ले ली है। पहले की तैयारियों और BRICS देशों के सपोर्ट के बावजूद , भारत ने होस्टिंग से पीछे हटने का फैसला किया। हालांकि, इसके क्लाइमेट गोल्स मजबूत बने हुए हैं , जिसमें 60% क्लीन एनर्जी कैपेसिटी , एमिशन इंटेंसिटी में 47% की कमी , और फॉरेस्ट कवर में बढ़ोतरी शामिल है। यह कदम ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन और सस्टेनेबिलिटी की कोशिशों के प्रति कमिटमेंट बनाए रखते हुए एक स्ट्रेटेजिक बदलाव दिखाता है।
- U6GHz स्पेक्ट्रम (6425–7125 MHz) का इस्तेमाल करके दुनिया का पहला 10G इंटरनेट नेटवर्क लॉन्च किया है , जो डिजिटल कनेक्टिविटी में एक बड़ी छलांग है। यह नेटवर्क कम लेटेंसी के साथ 10 Gbps डाउनलोड और 1 Gbps अपलोड स्पीड देता है , जिससे स्ट्रीमिंग , गेमिंग और डेटा ट्रांसफर आसान हो जाता है। यह " गोल्डन बैंड " AI , स्मार्ट सिटी और वर्चुअल टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करते हुए, बड़े कवरेज के साथ हाई स्पीड पक्का करता है । यह भविष्य के 6G डेवलपमेंट का रास्ता भी बनाता है , जिससे UAE एडवांस्ड टेलीकॉम इनोवेशन में ग्लोबल लीडर बन जाता है।
- प्रीति सरन को UN की एक अहम कमेटी के लिए फिर से चुना गया, क्योंकि भारत ने अप्रैल 2026 में यूनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल काउंसिल (ECOSOC) के तहत हुए चार चुनावों में क्लीन स्वीप किया, सभी बिना किसी विरोध के जीते। इन जीतों में CESCR, CSTD, NGOs पर कमेटी और CPC में रिप्रेजेंटेशन शामिल है , जो भारत के बढ़ते ग्लोबल असर , डिप्लोमैटिक ताकत और इंटरनेशनल गवर्नेंस में भरोसे को दिखाता है। सरन का दोबारा चुना जाना ह्यूमन राइट्स, सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्लोबल पॉलिसी बनाने में भारत की बढ़ती भूमिका को दिखाता है , जिससे मल्टीलेटरल इंस्टीट्यूशन्स में एक भरोसेमंद और ज़िम्मेदार ग्लोबल पार्टनर के तौर पर उसकी जगह मज़बूत होती है।
- हंगरी में एक बड़ा पॉलिटिकल बदलाव हुआ, जब 16 साल बाद विक्टर ओर्बन को हटा दिया गया , और पीटर मग्यार 2026 के चुनावों में टिस्ज़ा पार्टी को दो-तिहाई बहुमत दिलाएंगे। वोटर्स ने एंटी-करप्शन सुधारों और EU के साथ करीबी तालमेल के वादों का समर्थन किया। यह नतीजा रूस-यूक्रेन रिश्तों पर संभावित पॉलिसी बदलावों का संकेत देता है , जिससे यूरोपियन एकता मजबूत होगी और हंगरी की पॉलिटिकल और जियोपॉलिटिकल दिशा बदलेगी।
- 13 अप्रैल, 2026 को रोमन गोफमैन को मोसाद का नया चीफ़ अपॉइंट किया , जो 2 जुलाई से डेविड बार्निया की जगह लेंगे । बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा अपॉइंट किए गए गोफमैन का लीडरशिप गाजा टेंशन और इंटेलिजेंस खतरों सहित मिडिल ईस्ट की बढ़ती सिक्योरिटी चुनौतियों के बीच आया है । उनका मिलिट्री एक्सपीरियंस और स्ट्रेटेजिक रोल नेशनल सिक्योरिटी और इंटेलिजेंस ऑपरेशन्स को मज़बूत करने पर इज़राइल के फोकस को दिखाता है।
- ऑस्ट्रेलिया ने सुसान कोयल को अपनी पहली महिला आर्मी चीफ बनाया है, जिसकी घोषणा अप्रैल 2026 में की गई थी , और वह जुलाई से चार्ज संभालेंगी । ऑस्ट्रेलियन डिफेंस फोर्स में एक सीनियर लीडर, वह दशकों का मिलिट्री एक्सपीरियंस लेकर आई हैं। यह कदम जेंडर इक्वालिटी और इनक्लूसिव लीडरशिप की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है , जो लंबे समय से चली आ रही रिप्रेजेंटेशन की चुनौतियों को दूर करता है। एंथनी अल्बानीज़ के सपोर्ट से, यह मिलिट्री को मॉडर्न बनाने और डिफेंस फोर्स में महिलाओं की ज़्यादा भागीदारी को बढ़ावा देने की कोशिशों को दिखाता है।
- डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन, DC में प्रस्तावित 250 फुट के स्मारक "आर्क डी ट्रंप" के प्लान के बारे में बताया, जो आर्क डी ट्रायम्फ से प्रेरित है। सोने के एक्सेंट और सिंबॉलिक एलिमेंट्स के साथ डिज़ाइन किया गया, इसका मकसद अमेरिकी हीरो और नेशनल प्राइड का सम्मान करना है । इस प्रोजेक्ट को कमीशन ऑफ़ फाइन आर्ट्स जैसी अथॉरिटीज़ से मंज़ूरी का इंतज़ार है और लागत, अर्बन प्लानिंग और हेरिटेज से जुड़ी चिंताओं पर बहस चल रही है , जिससे इसका भविष्य अनिश्चित है।

- चीन FY2025–26 में अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का टॉप ट्रेडिंग पार्टनर बन गया, जिसका बाइलेटरल ट्रेड $151.1 बिलियन तक पहुंच गया । हालांकि, चीन के साथ भारत का ट्रेड डेफिसिट बढ़कर $112 बिलियन से ज़्यादा हो गया , जो इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी के ज़्यादा इम्पोर्ट को दिखाता है। इसके उलट, भारत ने US के साथ ट्रेड सरप्लस बनाए रखा। यह बदलाव जियोपॉलिटिकल टेंशन के बावजूद बदलते ग्लोबल ट्रेड डायनामिक्स और बढ़ते इकोनॉमिक रिश्तों को दिखाता है ।
- कीर स्टारमर और इमैनुएल मैक्रों ने ज़रूरी ग्लोबल शिपिंग रूट को सुरक्षित करने के लिए स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज मैरीटाइम फ्रीडम ऑफ़ नेविगेशन इनिशिएटिव लॉन्च किया है। इस वर्चुअल मीटिंग में भारत समेत करीब 40 देश शामिल हुए। इसका मकसद मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षित नेविगेशन पक्का करना, एनर्जी सप्लाई चेन को बचाना और समुद्री सुरक्षा बनाए रखना है । स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज ग्लोबल तेल व्यापार के लिए बहुत ज़रूरी है, और इसमें रुकावट से एनर्जी की कीमतों में तेज़ी, सप्लाई चेन की दिक्कतें और दुनिया भर में आर्थिक अस्थिरता पैदा हो सकती है ।
- ली जे-म्यांग के स्टेट विज़िट के दौरान, भारत और दक्षिण कोरिया ने नई दिल्ली में नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद रिश्तों को "फ्यूचरिस्टिक पार्टनरशिप" तक बढ़ाया, और 25 खास नतीजों की घोषणा की । समझौतों में ट्रेड, टेक्नोलॉजी, डिफेंस, क्लाइमेट और कल्चरल सहयोग शामिल हैं। दोनों देशों का लक्ष्य 2030 तक आपसी व्यापार को $50 बिलियन तक बढ़ाना और AI, सेमीकंडक्टर और समुद्री सेक्टर में सहयोग बढ़ाना है । भारत-कोरिया डिजिटल ब्रिज और इकोनॉमिक सिक्योरिटी डायलॉग जैसी नई पहल स्ट्रेटेजिक रिश्तों को बढ़ाती हैं, तेज़ी से बदलते जियोपॉलिटिकल माहौल में इकोनॉमिक इंटीग्रेशन, सप्लाई चेन और ग्लोबल सहयोग को मज़बूत करती हैं।
- रूमेन रादेव ने बुल्गारिया के 2026 के पार्लियामेंट्री चुनाव जीते , जिससे प्रोग्रेसिव बुल्गारिया को एक अहम जनादेश मिला, जो सालों की राजनीतिक अस्थिरता के बाद बदलाव का संकेत है । लगभग 44.7% वोट और ज़्यादातर सीटें हासिल करके , उनकी जीत ने 2021 से बार-बार हुए चुनावों के बाद एक स्थिर सरकार की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। अपने एंटी-करप्शन रुख और सुधार के एजेंडे के लिए जाने जाने वाले रादेव का मकसद जनता का भरोसा और गवर्नेंस में स्थिरता वापस लाना है। विदेश नीति में, वह यूरोपियन यूनियन, NATO और रूस के बीच एक बैलेंस्ड नज़रिए को बढ़ावा देते हैं, जिसमें प्रैक्टिकल डिप्लोमेसी और आर्थिक प्राथमिकताओं पर ज़ोर दिया जाता है ।
- वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने यंग ग्लोबल लीडर (YGL) 2026 चुना है , जिसमें शहरी जीवन के इनोवेशन पर उनके असर को पहचाना गया है। स्टोरफ्रेंडली एशिया के को-फ़ाउंडर के तौर पर , उन्होंने घने शहरों के लिए टेक-इनेबल्ड स्पेस सॉल्यूशन डेवलप किए , जिससे हज़ारों यूज़र्स को सर्विस मिली। 55 देशों के 118 लीडर्स में से चुने जाने के बाद, वह इनोवेटर्स और पॉलिसीमेकर्स के एक जाने-माने ग्लोबल नेटवर्क में शामिल हो गए हैं । उनका काम स्पेस एफिशिएंसी, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और सस्टेनेबल शहरी डेवलपमेंट पर फोकस करता है । यह पहचान शहरी चुनौतियों को सुलझाने और इनोवेशन और लीडरशिप के ज़रिए भविष्य के शहरों को बनाने में उनके रोल को हाईलाइट करती है ।
- यूनाइटेड किंगडम की पार्लियामेंट ने टोबैको एंड वेप्स बिल पास किया है , जिसमें 1 जनवरी 2009 या उसके बाद पैदा हुए लोगों को तंबाकू बेचने पर बैन लगाया गया है, जिसका मकसद स्मोकिंग-फ्री जेनरेशन बनाना है । यह कानून जेनरेशनल बैन लगाता है , जिससे धीरे-धीरे स्मोकिंग खत्म हो जाएगी। यह वेपिंग , फ्लेवर , एडवरटाइजिंग और पब्लिक जगहों पर इस्तेमाल पर रोक लगाने के नियमों को भी सख्त करता है । हेल्थ सेक्रेटरी वेस स्ट्रीटिंग के सपोर्ट से, यह पॉलिसी इलाज के बजाय रोकथाम पर फोकस करती है , जिससे स्मोकिंग से जुड़ी बीमारियां और हेल्थकेयर का बोझ कम होता है। रॉयल असेंट से मंज़ूरी मिलने के बाद , यह दुनिया भर में सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग कानूनों में से एक बन जाएगा ।
- 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया एक्सेस पर रोक लगाने वाला एक कानून पास किया है , जिसका मकसद ऑनलाइन सेफ्टी बढ़ाना है । इस कानून में YouTube, TikTok और Instagram जैसे प्लेटफॉर्म पर उम्र का सख्त वेरिफिकेशन, पेरेंटल कंट्रोल और नुकसान पहुंचाने वाले कंटेंट को हटाना ज़रूरी है । रेचेप तैयप एर्दोगन के सपोर्ट से, यह कदम साइबरबुलिंग, लत और मेंटल हेल्थ रिस्क से जुड़ी चिंताओं को दूर करता है । इसमें कंपनियों को लोकल कम्प्लायंस और मज़बूत मॉडरेशन सिस्टम पक्का करने की भी ज़रूरत है। यह कानून नाबालिगों की सुरक्षा और सुरक्षित ऑनलाइन माहौल पक्का करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म को रेगुलेट करने के ग्लोबल ट्रेंड को दिखाता है ।
- भारत ने जापान की बदली हुई डिफेंस एक्सपोर्ट पॉलिसी का स्वागत किया है, इसे द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मज़बूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। "डिफेंस इक्विपमेंट और टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर पर तीन सिद्धांतों" में किए गए बदलावों से कड़े कंट्रोल बनाए रखते हुए बड़े डिफेंस एक्सपोर्ट , टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और केस-बाय-केस मंज़ूरी की इजाज़त मिलती है । विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इससे भारत-जापान स्पेशल स्ट्रेटेजिक और ग्लोबल पार्टनरशिप और गहरी होगी। इससे डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग , इनोवेशन और इंडो-पैसिफिक सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है । सनाए ताकाइची के तहत, जापान का मकसद बदलते जियोपॉलिटिकल माहौल में ग्लोबल शांति , स्ट्रेटेजिक अलायंस और कलेक्टिव सिक्योरिटी क्षमताओं को बढ़ाना है।
- भारत ने SAARC करेंसी स्वैप फ्रेमवर्क (2024–27) के तहत मालदीव के लिए ₹ 30 बिलियन के करेंसी स्वैप को मंज़ूरी दे दी है। रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया की मदद से, यह कदम फॉरेन एक्सचेंज प्रेशर को मैनेज करने और इकोनॉमिक स्टेबिलिटी बढ़ाने के लिए लिक्विडिटी सपोर्ट देता है । यह बैलेंस ऑफ़ पेमेंट की ज़रूरतों को सपोर्ट करते हुए महंगे उधार पर निर्भरता कम करता है। यह एग्रीमेंट, जो प्रेसिडेंट मोहम्मद मुइज़ू के 2024 के दौरे से जुड़ा है, दोनों देशों के रिश्तों और रीजनल कोऑपरेशन को मज़बूत करता है। यह फ़ैसला एक भरोसेमंद इकोनॉमिक पार्टनर के तौर पर भारत की भूमिका को दिखाता है और ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच इस इलाके में फाइनेंशियल मज़बूती को मज़बूत करता है।

- US डिपार्टमेंट ऑफ़ कॉमर्स ने फेयर मार्केट वैल्यू से कम पर बेचने के आरोपों का हवाला देते हुए भारत से सोलर इंपोर्ट पर 123% से ज़्यादा की शुरुआती एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाई है। मुंद्रा सोलर PV और प्रीमियर एनर्जीज़ जैसी कंपनियाँ जांच के दायरे में हैं। इस कदम का मकसद US मैन्युफैक्चरर्स को गलत कॉम्पिटिशन से बचाना है, लेकिन इससे ट्रेड टेंशन बढ़ सकती है। इससे US को भारत का सोलर एक्सपोर्ट कम हो सकता है और कंपनियाँ दूसरे मार्केट की ओर जा सकती हैं। हालाँकि, मज़बूत घरेलू डिमांड इस असर को कम कर सकती है। आगे के रिव्यू के बाद 75 दिनों के अंदर आखिरी फैसला आने की उम्मीद है।

बैंकिंग, अर्थव्यवस्था, व्यापार और वित्त

- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने 10 अप्रैल, 2026 से बैंकों की नेट ओपन फ़ॉरेक्स पोज़िशन (NOP) को $100 मिलियन प्रति दिन पर लिमिट कर दिया है, जिससे कैपिटल-बेस्ड लिमिट की जगह एक यूनिफ़ॉर्म लिमिट लग गई है। बैंकों के पास $30–40 बिलियन की फ़ॉरेक्स पोज़िशन होने से , बड़ी अनवाइंडिंग की उम्मीद है। इस कदम का मकसद सिस्टेमैटिक रिस्क को कम करना, स्पेक्युलेटिव ट्रेडिंग पर रोक लगाना और रुपये को स्टेबल करना है । हालांकि, इससे शॉर्ट-टर्म वोलैटिलिटी, लिक्विडिटी स्ट्रेस और तेज़ी से पोज़िशन क्लोज़र के कारण मार्क-टू-मार्केट (MTM) लॉस हो सकता है ।
- कंट्रोलर जनरल ऑफ़ अकाउंट्स के अनुसार, अप्रैल-फरवरी FY26 के दौरान भारत का फिस्कल डेफिसिट कम होकर ₹ 12.5 ट्रिलियन हो गया, जो पिछले साल से 7% कम है और रिवाइज़्ड अनुमान का 80.4% है । मज़बूत टैक्स (6% ग्रोथ) और नॉन-टैक्स रेवेन्यू (18% ग्रोथ) के साथ-साथ स्थिर कैपिटल खर्च (₹ 9.3 ट्रिलियन) ने फिस्कल स्टेबिलिटी को सपोर्ट किया। डेफिसिट GDP का 4.5% होने का अनुमान है । हालांकि, ग्लोबल रिस्क , खासकर जियोपॉलिटिकल टेंशन के कारण कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, FY27 में भारत के फिस्कल आउटलुक पर असर डाल सकती हैं।
- ICRA के अनुसार, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों , पश्चिम एशिया में तनाव और ग्लोबल सप्लाई में रुकावटों की वजह से भारत की GDP ग्रोथ FY27 में मौजूदा फिस्कल ईयर के 7.6% से घटकर 6.5% रह सकती है। एनर्जी की ज़्यादा लागत से महंगाई बढ़ सकती है , कंज्यूमर खर्च कम हो सकता है और प्रोडक्शन का खर्च बढ़ सकता है। इसके अलावा, करंट अकाउंट डेफिसिट GDP के 1.7% तक बढ़ने का अनुमान है , जो बढ़े हुए इंपोर्ट बिल और बाहरी आर्थिक दबाव को दिखाता है।
- नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस के अनुसार, फरवरी 2026 में भारत का इंडस्ट्रियल आउटपुट 5.2% बढ़ा, जिसकी वजह मैन्युफैक्चरिंग में 6% की ग्रोथ थी , जो IIP का कोर बना हुआ है। कैपिटल गुड्स में 12.5% की बढ़ोतरी हुई , जो बढ़ते इन्वेस्टमेंट और इंडस्ट्रियल कॉन्फिडेंस का संकेत है। हालांकि, इलेक्ट्रिसिटी (2.3%) और माइनिंग (3.1%) में धीमी ग्रोथ देखी गई। मोमेंटम में सुधार के बावजूद, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और ग्लोबल अनिश्चितताएं जैसी चुनौतियां लगातार इंडस्ट्रियल विस्तार और पूरे इकोनॉमिक आउटलुक पर असर डाल सकती हैं।
- गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स नेटवर्क के अनुसार, मार्च 2026 में भारत का GST कलेक्शन ₹ 1.78 लाख करोड़ तक पहुँच गया, जो मज़बूत इकोनॉमिक एक्टिविटी और बेहतर कम्प्लायंस को दिखाता है। इम्पोर्ट में 17.8% की बढ़ोतरी और स्थिर घरेलू डिमांड की वजह से ग्रॉस रेवेन्यू ₹ 2 लाख करोड़ तक पहुँच गया । रिफंड बढ़कर ₹ 0.22 लाख करोड़ हो गया , जिससे बिज़नेस लिक्विडिटी बढ़ी। महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात जैसे राज्यों ने कलेक्शन में सबसे ज़्यादा बढ़त दिखाई, जो बड़े पैमाने पर ग्रोथ दिखाता है, जबकि कुशल टैक्स सिस्टम और डिजिटल ट्रैकिंग ने रेवेन्यू ट्रेंड को बढ़ावा दिया।
- नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया के अनुसार , मार्च 2026 में भारत ने UPI ट्रांज़ैक्शन में अब तक का सबसे ज़्यादा रिकॉर्ड बनाया , जो 22.64 बिलियन ट्रांज़ैक्शन के साथ ₹ 29.52 ट्रिलियन तक पहुँच गया। यह बढ़ोतरी डिजिटल पेमेंट को मज़बूती से अपनाने , बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर सिक्योरिटी सिस्टम को दिखाती है। सालाना आंकड़ों में भी अच्छी ग्रोथ दिखी, जिससे ग्रामीण इलाकों में UPI के विस्तार पर ज़ोर मिला । रोज़ाना बढ़ते ट्रांज़ैक्शन और बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के साथ , UPI भारत की डिजिटल इकॉनमी और रियल-टाइम पेमेंट में ग्लोबल लीडरशिप को मज़बूत कर रहा है ।
- इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया ने FY26 के लिए लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया, जनरल इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया, और न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को डोमेस्टिक सिस्टमिकली इम्पोर्टेंट इंश्योरर्स (D-SIIs) के तौर पर बनाए रखा है। इन फर्मों को "टू बिग टू फेल" माना जाता है, जो फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और रिस्क कवरेज में अहम भूमिका निभाती हैं । उनका स्टेटस सख्त रेगुलेटरी ओवरसाइट, मजबूत गवर्नेंस और मजबूत रिस्क मैनेजमेंट पक्का करता है , क्योंकि कोई भी रुकावट भारत की इकॉनमी और इंश्योरेंस सेक्टर की स्टेबिलिटी पर काफी असर डाल सकती है ।
- मार्च 2026 में भारत का फॉरेक्स रिज़र्व $30.5 बिलियन घटकर $688.05 बिलियन रह गया। इसकी मुख्य वजह ग्लोबल अनिश्चितता और जियोपॉलिटिकल तनाव के बीच रुपये को स्थिर करने के लिए रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया का दखल था । यह गिरावट करेंसी में उतार-चढ़ाव, कैपिटल आउटफ्लो और डॉलर की डिमांड की वजह से हुई। इस गिरावट के बावजूद, भारत ~11 महीने के इंपोर्ट कवर के साथ एक मज़बूत बाहरी स्थिति बनाए हुए है , जिससे आर्थिक स्थिरता और ग्लोबल झटकों के खिलाफ़ मज़बूती बनी हुई है।
- भारत के इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्स फाइलिंग को आसान बनाने और 24×7 मदद देने के लिए AI- पावर्ड प्लेटफॉर्म 'कर साथी' लॉन्च किया है । यह ITR फाइलिंग , रिफंड ट्रैकिंग , टैक्स से जुड़े सवालों और ई-सर्विस के लिए वन-स्टॉप डिजिटल हब की तरह काम करता है, जिससे यूज़र एक्सपीरियंस और एक्सेसिबिलिटी बेहतर होती है । सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ डायरेक्ट टैक्सेस के नेतृत्व में PRARAMBH जैसे सुधारों के तहत , यह आने वाले इनकम टैक्स एक्ट, 2025 को सपोर्ट करता है , जिससे नियम (510→333) और फॉर्म (399→190) कम हो जाते हैं । कुल मिलाकर, यह डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ाता है , कंसल्टेंट्स पर निर्भरता कम करता है, और आसान, ट्रांसपेरेंट टैक्स कम्प्लायंस को बढ़ावा देता है ।

- मूडीज़ ने वेस्ट एशिया में तनाव की वजह से एनर्जी इंपोर्ट में रुकावट आने की वजह से भारत की FY27 GDP ग्रोथ का अनुमान 6.8% से घटाकर 6% कर दिया है। क्योंकि भारत कच्चे तेल (55%) और LPG (90%) के लिए इस इलाके पर बहुत ज़्यादा निर्भर है , इसलिए फ्यूल की बढ़ती कीमतों से महंगाई (4.8%) बढ़ रही है और घरों में खपत कम हो रही है। इससे इंडस्ट्रियल एक्टिविटी और इन्वेस्टमेंट धीमा हो सकता है। रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया इंटरेस्ट रेट में बदलाव कर सकता है , जबकि सरकार सब्सिडी बढ़ा सकती है। कुल मिलाकर, ज़्यादा लागत और फिस्कल प्रेशर से इकोनॉमिक स्टेबिलिटी और ग्रोथ पर असर पड़ सकता है।
- इंडियन रेलवे ने वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (WDFC) पूरा कर लिया है , जो JNPT (महाराष्ट्र) से दादरी (उत्तर प्रदेश) तक 1,506 km का हाई-कैपेसिटी फ्रेट रूट है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने इसे बनाया है, इससे माल ढुलाई तेज़ और कम खर्च में होती है , पोर्ट कनेक्टिविटी बेहतर होती है और लॉजिस्टिक्स का खर्च कम होता है। ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (EDFC) के साथ मिलकर , यह भारत के फ्रेट नेटवर्क को मॉडर्न बनाता है, भीड़ कम करता है, और इंडस्ट्रियल ग्रोथ , एक्सपोर्ट और पूरे इकोनॉमिक डेवलपमेंट को बढ़ावा देता है।
- FY 2025-26 में बड़े पोर्ट्स पर रिकॉर्ड 915.17 मिलियन टन (MT) कार्गो हैंडलिंग हासिल की , जो 7.06% ग्रोथ के साथ 904 MT टारगेट से ज़्यादा है। पोर्ट्स, शिपिंग और वॉटरवेज़ मिनिस्ट्री की लीडरशिप में, टॉप परफॉर्मर्स में दीनदयाल पोर्ट (160.11 MT) , पारादीप पोर्ट (156.45 MT) , और JNPA (102.01 MT) शामिल थे। ग्रोथ इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड , बेहतर कनेक्टिविटी , डिजिटलाइजेशन और तेज़ टर्नअराउंड टाइम की वजह से हुई। सागरमाला जैसे इनिशिएटिव्स के सपोर्ट से , यह माइलस्टोन भारत की ग्लोबल ट्रेड कैपेसिटी , लॉजिस्टिक्स एफिशिएंसी और समुद्री कॉम्पिटिटिवनेस को मज़बूत करता है।
- विनय टोंस ने YES बैंक के MD और CEO का चार्ज संभाला है। उनके पास रिटेल, कॉर्पोरेट और इंटरनेशनल सेक्टर में 30 साल से ज़्यादा का बैंकिंग एक्सपीरियंस है। उनकी लीडरशिप ग्रोथ में तेज़ी लाने और फाइनेंशियल मजबूती पर फोकस करने वाले एक नए फेज़ को दिखाती है। उन्होंने कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने , परफॉर्मेंस को बढ़ाने और ऑपरेशनल एफिशिएंसी को बढ़ाने के मकसद से चार-पिलर वाली स्ट्रैटेजी—लोग, प्रोडक्ट, प्रोसेस, टेक्नोलॉजी — पेश की। इस कदम से इन्वेस्टर का भरोसा मज़बूत होने और बैंक को लंबे समय तक स्टेबिलिटी और कॉम्पिटिटिवनेस के लिए तैयार करने की उम्मीद है।
- कैंपबेल विल्सन ने अपना पांच साल का टर्म पूरा करने से पहले एयर इंडिया के CEO और MD पद से इस्तीफा दे दिया है , जो एक अहम लीडरशिप बदलाव को दिखाता है। टाटा ग्रुप के टेकओवर के बाद जुलाई 2022 में चार्ज संभालने के बाद से , उन्होंने Vihaan.AI ट्रांसफॉर्मेशन प्लान को लीड किया , जिसमें फ्लीट एक्सपेंशन , मॉडर्नाइजेशन और कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने पर फोकस किया गया। उनका जाना एक ज़रूरी रीस्ट्रक्चरिंग फेज के दौरान हुआ है, जो भारत के एविएशन सेक्टर में बड़े लीडरशिप बदलावों के बीच एक नई स्ट्रेटेजिक दिशा का संकेत देता है।
- भारत का डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम तेज़ी से बढ़ रहा है, UPI QR कोड 2025 में 15% बढ़कर 731.38 मिलियन हो गए , जबकि ट्रांज़ैक्शन वॉल्यूम 33% बढ़कर 228.5 बिलियन हो गया। मर्चेंट के अपनाने से , खासकर छोटे बिज़नेस के बीच, QR पेमेंट कम कीमत , इस्तेमाल में आसानी और तुरंत ट्रांसफ़र देते हैं। POS टर्मिनल में धीमी ग्रोथ की तुलना में , UPI मोबाइल-बेस्ड, कैशलेस पेमेंट की ओर बदलाव दिखाता है। ₹ 1,314 के एवरेज टिकट साइज़ के साथ , UPI रोज़ाना के ट्रांज़ैक्शन में सबसे आगे है, जिससे रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट में ग्लोबल लीडर के तौर पर भारत की जगह मज़बूत होती है।
- बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने मुंबई में AI-पावर्ड 'बॉब SAMVAD' लॉन्च किया है ताकि बैंक ब्रांच में कई भाषाओं में बातचीत को बेहतर बनाया जा सके। यह प्लेटफ़ॉर्म टेक्स्ट और आवाज़ के ज़रिए 22 भाषाओं में रियल-टाइम ट्रांसलेशन की सुविधा देता है, जिससे कस्टमर-स्टाफ़ के बीच बातचीत बेहतर होती है और भाषा की दिक्कतें कम होती हैं। एम. नागराजू ने इसे लॉन्च किया है, यह सबको साथ लेकर चलने वाली बैंकिंग , बेहतर सर्विस देने और आसानी से एक्सेस करने को बढ़ावा देता है, खासकर अलग-अलग तरह के यूज़र्स के लिए। शुरुआत में इसे 250 ब्रांच में शुरू किया गया था , यह दिखाता है कि बैंक AI-ड्रिवन इनोवेशन और कस्टमर-सेंट्रिक सर्विस पर ध्यान दे रहा है।
- वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि FY26 में भारत 7.6% GDP बढ़ोतरी के साथ साउथ एशिया की ग्रोथ में सबसे आगे रहेगा , और ग्लोबल चुनौतियों के बावजूद इस इलाके का इकॉनमिक ड्राइवर बना रहेगा। एनर्जी की बढ़ती कीमतों , मिडिल ईस्ट में तनाव और मार्केट की अनिश्चितताओं की वजह से इलाके की ग्रोथ 6.3% तक धीमी हो सकती है , लेकिन बाद में इसके ठीक होने की उम्मीद है। इसमें महंगाई , एनर्जी पर निर्भरता और करेंसी का दबाव शामिल हैं। हालांकि भारत की इकॉनमी मजबूत बनी हुई है, लेकिन रिपोर्ट में लंबे समय तक इकॉनमिक स्थिरता और ग्रोथ बनाए रखने के लिए स्ट्रक्चरल सुधारों , नौकरियों के मौके बनाने और लचीलेपन पर ज़ोर दिया गया है।
- वर्ल्ड बैंक ने मज़बूत घरेलू डिमांड और कंज्यूमर खर्च का हवाला देते हुए FY27 के लिए भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान 6.6% (30 बेसिस पॉइंट्स ज़्यादा) कर दिया है। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितताओं , वेस्ट एशिया में तनाव और एनर्जी की बढ़ती कीमतों की वजह से FY26 में ग्रोथ 7.6% से थोड़ी कम है। चुनौतियों में महंगाई का दबाव , धीमे इन्वेस्टमेंट और एक्सपोर्ट रिस्क शामिल हैं , जबकि टैक्स सुधारों और रिटेल डिमांड से मदद मिल रही है। कुल मिलाकर, ग्लोबल मुश्किलों के बावजूद भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।
- KreditBee ने $280 मिलियन जुटाकर यूनिकॉर्न क्लब में एंट्री कर ली है , जिससे इसकी वैल्यूएशन $1.5 बिलियन हो गई है। बड़े ग्लोबल इन्वेस्टर्स की लीडरशिप में यह फंडिंग, बिज़नेस बढ़ाने और टेक्नोलॉजी अपग्रेड में मदद करेगी , जिसमें जेनरेटिव AI (GenAI) भी शामिल है। कंपनी रेगुलेटरी अप्रूवल और रीस्ट्रक्चरिंग के बाद एक IPO लाने का प्लान बना रही है। मज़बूत ग्रोथ के साथ— ₹ 30,000 करोड़ के लोन बांटे गए और ₹ 15,000 करोड़ के AUM— KreditBee सिक्योर्ड लेंडिंग और डिजिटल पेमेंट में विस्तार कर रहा है , जिससे भारत के फिनटेक इकोसिस्टम में उसकी स्थिति मज़बूत हो रही है।

- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने MSMEs के लिए TReDS (ट्रेड रिसीवेबल डिस्काउंटिंग सिस्टम) ऑनबोर्डिंग को आसान बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए ड्यू डिलिजेंस की ज़रूरतों को हटा दिया गया है , जिससे रजिस्ट्रेशन तेज़ और आसान हो गया है । TReDS छोटे बिज़नेस को बैंकों और NBFC के ज़रिए बिना पेमेंट वाले इनवॉइस को तुरंत कैश में बदलने में मदद करता है, जिससे वर्किंग कैपिटल बेहतर होता है। इस कदम का मकसद MSME की भागीदारी को बढ़ाना , पेमेंट में देरी को कम करना और बिज़नेस करने में आसानी को बढ़ाना है। ऑनबोर्डिंग को आसान बनाने के साथ-साथ, इनवॉइस वेरिफिकेशन जैसे सुरक्षा उपाय ट्रांसपेरेंसी और सिक्योरिटी पक्का करते हैं , जिससे पूरे भारत में बिज़नेस ऑपरेशन आसान हो जाते हैं ।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने बढ़ते डिजिटल पेमेंट फ्रॉड , खासकर ऑथराइज़्ड पुश पेमेंट (APP) स्कैम से निपटने के लिए UPI और ₹ 10,000 से ज़्यादा के बैंक ट्रांसफर पर 1 घंटे की देरी का प्रस्ताव दिया है, जहाँ यूज़र्स को पैसे भेजने के लिए धोखा दिया जाता है। इस "लैग्ड क्रेडिट मैकेनिज्म" के तहत, यूज़र्स एक घंटे के अंदर ट्रांज़ैक्शन को रिव्यू, वेरिफाई या कैंसल कर सकते हैं, जिससे सिक्योरिटी बेहतर होती है। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि फ्रॉड से होने वाले नुकसान में ज़्यादा वैल्यू वाले ट्रांज़ैक्शन का बड़ा हिस्सा होता है। दूसरे उपायों में बड़े ट्रांसफर के लिए भरोसेमंद व्यक्ति की मंज़ूरी , एक क्रेडिट कैप सिस्टम और ट्रांज़ैक्शन को ब्लॉक करने के लिए एक किल स्विच शामिल हैं। इसका मकसद डिजिटल पेमेंट में यूज़र की सेफ्टी और सुविधा के बीच बैलेंस बनाना है ।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने 'उत्कर्ष 2029' लॉन्च किया है , जो एक मीडियम-टर्म स्ट्रैटेजी (2026–2029) है जिसका मकसद भारत के फाइनेंशियल सिस्टम को ज़्यादा कुशल, इनक्लूसिव और फ्यूचर-रेडी बनाना है । यह फ्रेमवर्क CBDC (डिजिटल रुपया) समेत डिजिटल फाइनेंस को बढ़ाने और आसान क्रेडिट एक्सेस के लिए यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफ़ेस (ULI) जैसी पहलों के ज़रिए फाइनेंशियल इनक्लूजन को बेहतर बनाने पर फोकस करता है। यह रुपया इंटरनेशनलाइज़ेशन , क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट और AI और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी नई टेक्नोलॉजी को अपनाने पर भी ज़ोर देता है। छह खास पिलर्स पर बनी इस स्ट्रैटेजी का मकसद भारत में रेगुलेशन, इनोवेशन, ग्लोबल इंटीग्रेशन और कस्टमर-सेंट्रिक फाइनेंशियल सर्विसेज़ को मज़बूत करना है ।
- वर्ल्ड बैंक ने अमरावती के फेज़-I के लिए $340 मिलियन जारी किए, और उम्मीद है कि इससे आंध्र प्रदेश के कैपिटल सिटी के डेवलपमेंट में मदद मिलेगी । एशियन डेवलपमेंट बैंक के सपोर्ट से, यह प्रोजेक्ट रिज़ल्ट-बेस्ड फंडिंग मॉडल (AIUDP) को फॉलो करता है, जिससे अकाउंटेबिलिटी और एफिशिएंसी पक्की होती है । यह अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर, फ्लड मैनेजमेंट और जॉब क्रिएशन पर फोकस करता है, जो इंडिया के सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट और गवर्नेंस रिफॉर्म्स के लिए मज़बूत ग्लोबल सपोर्ट को दिखाता है ।
- पीयूष गोयल की घोषणा के अनुसार, भारत में FY 2025-26 में पेटेंट फाइलिंग में 30.2% की बढ़ोतरी हुई और यह 1,43,729 हो गई , जो एक ऐतिहासिक ऊंचाई है। यह बढ़ोतरी इनोवेशन और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (IPR) की ओर एक मज़बूत कदम को दिखाती है , जिसमें 69% घरेलू फाइलिंग "भारत में इन्वेंटेड" का संकेत देती हैं। कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के तहत पॉलिसी सुधारों से सपोर्टेड, भारत रिसर्च और टेक्नोलॉजी में लगातार ग्रोथ के साथ एक ग्लोबल इनोवेशन हब के रूप में उभर रहा है।
- नेशनल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की रिटेल महंगाई फरवरी के 3.21% से बढ़कर मार्च 2026 में 3.4% हो गई। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) से मापी गई यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से खाने की महंगाई (3.87%) की वजह से हुई , जिसमें सब्जियों और कमोडिटीज़ की बढ़ती कीमतें शामिल हैं। वेस्ट एशिया में तनाव जैसे ग्लोबल फैक्टर्स ने भी सप्लाई चेन पर असर डाला। बढ़ोतरी के बावजूद, महंगाई रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के टारगेट रेंज में बनी हुई है, जो कीमतों में ठीक-ठाक स्थिरता और संभालने लायक आर्थिक हालात दिखाता है ।
- PPFAS एसेट मैनेजमेंट को नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत फंड मैनेज करने के लिए पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी से मंज़ूरी मिल गई है, जिससे यह भारत के रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट सेक्टर में आ गया है । फर्म पेंशन स्कीम लॉन्च करेगी और डिसिप्लिन्ड इन्वेस्टमेंट अप्रोच के साथ लॉन्ग-टर्म सेविंग्स को मैनेज करेगी। टैक्स बेनिफिट्स और मार्केट-लिंक्ड रिटर्न्स की वजह से NPS की पॉपुलैरिटी बढ़ने के साथ , यह कदम कॉम्पिटिशन, ट्रांसपेरेंसी और इन्वेस्टर चॉइस को बढ़ाता है , जिससे भारत का बढ़ता पेंशन इकोसिस्टम मज़बूत होता है ।
- PLFS के डेटा के मुताबिक, मार्च 2026 में भारत की बेरोज़गारी दर बढ़कर 5.1% हो गई , जो पांच महीने का सबसे ज़्यादा है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से शहरी बेरोज़गारी (6.8%) की वजह से हुई , जबकि ग्रामीण बेरोज़गारी बढ़कर 4.3% हो गई। पुरुषों और महिलाओं दोनों की बेरोज़गारी में बढ़ोतरी देखी गई, जो जॉब मार्केट में बड़े पैमाने पर तनाव का संकेत है। लेबर फ़ोर्स पार्टिसिपेशन रेट (55.4%) और वर्कर पॉपुलेशन रेश्यो (52.6%) जैसे मुख्य इंडिकेटर्स में गिरावट आई, जो पूरी अर्थव्यवस्था में वर्कफ़ोर्स पार्टिसिपेशन में कमी और धीमी जॉब क्रिएशन को दिखाता है।
- धोलेरा में एक स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (SEZ) के लिए मंज़ूरी मिल गई है , जिसमें ₹ 91,000 करोड़ का इन्वेस्टमेंट शामिल है। इस प्रोजेक्ट का मकसद भारत की पहली चिप फैब्रिकेशन यूनिट बनाना , घरेलू सेमीकंडक्टर प्रोडक्शन को बढ़ाना और इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करना है। डिपार्टमेंट ऑफ़ कॉमर्स से मंज़ूर इस पहल से नौकरियां पैदा होंगी, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग मज़बूत होगी , और भारत अपनी आत्मनिर्भरता की रणनीति के तहत एक ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब बनेगा ।
- गेहूं और धान के लिए फार्म सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (FSA) 3.0 सर्टिफिकेशन पाने वाली पहली कंपनी बन गई है , जिसे सस्टेनेबल एग्रीकल्चर इनिशिएटिव प्लेटफॉर्म ने दिया है। यह उपलब्धि सस्टेनेबल खेती के तरीकों, ट्रेसेबल सोर्सिंग और किसान सशक्तिकरण पर ज़ोर देती है , जिसमें कई राज्यों के हज़ारों किसान शामिल हैं। यह पहल फसल की पैदावार, इनकम और पर्यावरण की स्थिरता में सुधार करती है, ग्लोबल एग्री -मार्केट में भारत की स्थिति को मज़बूत करती है और इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के हिसाब से ज़िम्मेदार खेती को बढ़ावा देती है।

- भारत 2040 तक कोको प्रोडक्शन में आत्मनिर्भरता पाने के लिए एक लंबे समय के कोको मिशन की योजना बना रहा है , जिससे हर साल $866 मिलियन से ज़्यादा के भारी इम्पोर्ट में कमी आएगी। फेडरेशन ऑफ़ इंडियन चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने ग्रांट थॉर्नटन भारत के साथ मिलकर यह रोडमैप बनाया है, जिसका फोकस घरेलू प्रोडक्शन, किसानों की इनकम और एग्री -इकोनॉमी ग्रोथ को बढ़ावा देना है । इसमें कोको पर एक नेशनल मिशन , R&D सपोर्ट और डिजिटल ट्रेसेबिलिटी का प्रस्ताव है। चॉकलेट इंडस्ट्री की बढ़ती डिमांड के साथ, इस प्लान का मकसद भारत को एक आत्मनिर्भर और ग्लोबली कॉम्पिटिटिव कोको प्रोड्यूसर बनाना है ।
- 15 अप्रैल, 2026 को दो मोबाइल ऐप लॉन्च किए— कस्टमर्स के लिए MyLIC और एजेंट्स के लिए सुपर सेल्स साथी— जिससे डिजिटल इंश्योरेंस सर्विस को बढ़ावा मिलेगा । ये ऐप पॉलिसी मैनेजमेंट, प्रीमियम पेमेंट, e-KYC और पेपरलेस सर्विस देते हैं , साथ ही एजेंट्स को AI-ड्रिवन टूल्स और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग से मज़बूत बनाते हैं । DIVE प्लेटफॉर्म पर बनी यह पहल एफिशिएंसी, एक्सेसिबिलिटी और कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाती है, जो टेक्नोलॉजी-ड्रिवन और इनक्लूसिव फाइनेंशियल सर्विस की ओर भारत के कदम को दिखाती है ।
- जियोफोन डिवाइस पर “बॉब वर्ल्ड लाइट” लॉन्च किया है , जिससे फीचर फोन यूज़र्स मोबाइल बैंकिंग एक्सेस कर पाएंगे। यह ऐप आसान इंटरफ़ेस और कम डेटा इस्तेमाल के साथ UPI पेमेंट, मनी ट्रांसफर, बिल पेमेंट और रिचार्ज देता है। रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के विज़न को सपोर्ट करते हुए, यह पहल फाइनेंशियल इनक्लूजन को बढ़ावा देती है , फिजिकल ब्रांच पर निर्भरता कम करती है, और भारत के बैंकिंग इकोसिस्टम में डिजिटल डिवाइड को कम करती है।
- एशिया के सबसे अमीर आदमी बन गए हैं । उनकी नेट वर्थ $92.6 बिलियन है , जो अंबानी की $90.8 बिलियन से ज़्यादा है । यह बढ़त अडानी ग्रुप की कंपनियों , खासकर इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में मज़बूत ग्रोथ की वजह से हुई है। जहां अंबानी की दौलत रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़ी है, वहीं अडानी के तेज़ी से विस्तार ने अरबपतियों की रैंकिंग को बदल दिया है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, अब वह टॉप ग्लोबल अरबपतियों में शामिल हैं, जो इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और एनर्जी ट्रांज़िशन पर भारत के बढ़ते फोकस को दिखाता है ।
- BSE इंडेक्स सर्विसेज़ ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों के परफॉर्मेंस को ट्रैक करने के लिए 20 अप्रैल, 2026 को BSE हाउसिंग फाइनेंस इंडेक्स लॉन्च किया। BSE 1000 इंडेक्स से लिया गया , यह भारत के बढ़ते होम लोन मार्केट के लिए एक सेक्टर-स्पेसिफिक बेंचमार्क के तौर पर काम करता है । इंडेक्स को साल में दो बार रीबैलेंस किया जाएगा और यह ETF, म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो स्ट्रेटेजी को सपोर्ट करता है । यह इन्वेस्टर्स को हाउसिंग सेक्टर में टारगेटेड इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो बनाने में मदद करता है। बढ़ते शहरीकरण, मिडिल-क्लास की डिमांड और सस्ते घरों की कोशिशों के साथ , यह इंडेक्स मार्केट ट्रांसपेरेंसी, इन्वेस्टर पार्टिसिपेशन और सेक्टर-फोकस्ड फाइनेंशियल ग्रोथ को बढ़ाता है ।
- मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी के अनुसार, FY 2025-26 में भारत का सीफूड एक्सपोर्ट रिकॉर्ड ₹ 72,325.82 करोड़ तक पहुँच गया , जिसका वॉल्यूम 19.32 लाख टन था। फ्रोज़न श्रिम्प मुख्य ड्राइवर बना रहा, जिसने एक्सपोर्ट वैल्यू में दो-तिहाई से ज़्यादा का योगदान दिया । टैरिफ़ के कारण यूनाइटेड स्टेट्स को एक्सपोर्ट में गिरावट के बावजूद, भारत ने चीन, यूरोपियन यूनियन और साउथ-ईस्ट एशिया जैसे मार्केट में विस्तार किया, जिससे मज़बूत ग्रोथ हुई। यह डायवर्सिफ़िकेशन भारत की मज़बूती, ग्लोबल डिमांड की ताकत और स्ट्रेटेजिक मार्केट विस्तार को दिखाता है , जिससे एक लीडिंग ग्लोबल सीफूड एक्सपोर्टर के रूप में इसकी स्थिति मज़बूत हुई है ।
- एशिया और पैसिफिक के लिए यूनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल कमीशन का अनुमान है कि भारत की GDP ग्रोथ 2026 में 6.4% और 2027 में 6.6% रहेगी , जिससे एशिया-पैसिफिक ग्रोथ इंजन के तौर पर इसकी भूमिका और मज़बूत होगी । ग्रोथ मज़बूत घरेलू डिमांड, सर्विसेज़ में बढ़ोतरी और पॉलिसी सपोर्ट से हो रही है। यूनाइटेड स्टेट्स को कम एक्सपोर्ट जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारत स्थिर महंगाई और बढ़ते ग्रीन इन्वेस्टमेंट के साथ मज़बूत बना हुआ है। PLI स्कीम जैसी पहलें मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन एनर्जी जॉब्स को सपोर्ट करती हैं । रिपोर्ट में रीजनल स्टेबिलिटी, इकोनॉमिक ग्रोथ और ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत की अहमियत पर ज़ोर दिया गया है ।
- भारत सरकार ने रिसोर्स डिस्ट्रीब्यूशन और किसान सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए ड्राफ्ट शुगरकेन कंट्रोल ऑर्डर 2026 के तहत चीनी मिलों के बीच कम से कम दूरी 15 km से बढ़ाकर 25 km करने का प्रस्ताव दिया है । इस कदम का मकसद मिलों में भीड़भाड़ को रोकना , गन्ने तक सही पहुंच पक्का करना और कैपेसिटी बढ़ाने को रेगुलेट करना है । चीनी की खपत में कमी और गुड़ जैसे दूसरे ऑप्शन की बढ़ती मांग को देखते हुए , यह पॉलिसी प्रोडक्शन और मांग में बैलेंस बनाने की कोशिश करती है। यह खांडसारी यूनिट्स को भी रेगुलेशन के तहत लाती है , जिससे भारत की बढ़ती चीनी इंडस्ट्री में ट्रांसपेरेंसी, सही कॉम्पिटिशन और सस्टेनेबल ग्रोथ को बढ़ावा मिलता है ।
- मूडीज़ ने जियोपॉलिटिकल टेंशन, एनर्जी की बढ़ती कीमतों और कमजोर घरेलू डिमांड का हवाला देते हुए FY27 के लिए भारत की GDP ग्रोथ का अनुमान 6.8% से घटाकर 6% कर दिया है। पश्चिम एशिया में , खासकर मुख्य तेल रूट के आसपास रुकावटों ने इम्पोर्ट कॉस्ट और महंगाई बढ़ा दी है। इम्पोर्टेड एनर्जी पर भारत की निर्भरता खपत, इंडस्ट्रियल ग्रोथ और फिस्कल बैलेंस पर असर डाल सकती है । रिस्क में फर्टिलाइजर की कमी, खेती में मंदी और खाड़ी देशों से कम रेमिटेंस भी शामिल हैं । यह डाउनग्रेड ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक स्थिरता और ग्रोथ की रफ़्तार बनाए रखने की चुनौतियों को दिखाता है ।
- FY 2025-26 में भारत का टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 2.1% बढ़कर ₹ 3.16 लाख करोड़ हो गया , जो मज़बूत ग्लोबल डिमांड और कॉम्पिटिटिवनेस को दिखाता है । रेडी-मेड गारमेंट्स (RMG) ने ग्रोथ को लीड किया, इसके बाद मैन-मेड टेक्सटाइल और हैंडीक्राफ्ट्स का नंबर रहा, जो सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला सेगमेंट है। UAE, UK, जर्मनी और जापान जैसे मार्केट में अच्छी ग्रोथ के साथ, एक्सपोर्ट 120 से ज़्यादा देशों में फैला । यह सेक्टर ट्रेडिशनल और मॉडर्न सेगमेंट में बैलेंस्ड परफॉर्मेंस दिखाता है , जिससे मार्केट पर डिपेंडेंस कम होती है। यह लगातार बढ़ोतरी भारत की रेजिलिएंस, डाइवर्सिफाइड एक्सपोर्ट बेस और ग्लोबल टेक्सटाइल इंडस्ट्री में मज़बूत पोजीशन को दिखाती है ।

- अप्रैल 2026 की MPC मीटिंग के बाद , रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने रेपो रेट को 5.25% पर बिना किसी बदलाव के रखा, और ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच न्यूट्रल पॉलिसी रुख बनाए रखा । यह फ़ैसला, जिसे सभी ने सपोर्ट किया, पश्चिम एशिया में तनाव, तेल की बढ़ती कीमतों और सप्लाई में रुकावटों के कारण सावधानी से 'वेट-एंड-वॉच' वाला नज़रिया दिखाता है । गवर्नर संजय मल्होत्रा की लीडरशिप में, RBI का मकसद महंगाई कंट्रोल और इकोनॉमिक ग्रोथ में बैलेंस बनाना है । जबकि कोर महंगाई स्थिर है , बाहरी झटके रिस्क पैदा कर सकते हैं। यह कदम पॉलिसी में फ्लेक्सिबिलिटी, इकोनॉमिक स्टेबिलिटी और भविष्य की ग्लोबल और घरेलू चुनौतियों के लिए तैयारी पक्का करता है।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने विवेक त्रिपाठी को AU स्मॉल फाइनेंस बैंक का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ED) और होल-टाइम डायरेक्टर (WTD) तीन साल के लिए अपॉइंट करने की मंज़ूरी दे दी है , जो 24 अप्रैल, 2026 से लागू होगा , और यह शेयरहोल्डर की मंज़ूरी पर निर्भर है। अभी बैंक के चीफ़ क्रेडिट ऑफ़िसर के तौर पर , उनके पास क्रेडिट और रिस्क मैनेजमेंट में अच्छी एक्सपर्टीज़ है । उनके प्रमोशन से बैंक की लीडरशिप और गवर्नेंस मज़बूत होगी , जिससे बेहतर स्ट्रेटेजिक फ़ैसले लेने और ऑपरेशनल एफ़िशिएंसी पक्की होगी। यह कदम भारत के बैंकिंग सेक्टर में फ़ाइनेंशियल स्टेबिलिटी और लीडरशिप क्वालिटी बनाए रखने में RBI की भूमिका को दिखाता है ।
- कैबिनेट की अपॉइंटमेंट कमिटी ने बैंक ऑफ़ इंडिया और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के CEOs के लिए तीन साल के एक्सटेंशन को मंज़ूरी दे दी है, जिससे लीडरशिप में निरंतरता बनी रहेगी । रजनीश कर्नाटक 29 अप्रैल, 2026 से 2029 तक बैंक ऑफ़ इंडिया के MD और CEO बने रहेंगे, जबकि देबदत्त चंद को 1 जुलाई, 2026 से तीन साल का नया टर्म मिला है। यह फ़ैसला उनके परफ़ॉर्मेंस , स्टेबिलिटी और स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन में भरोसे को दिखाता है । इस बीच, UCO बैंक के अश्विनी कुमार पर फ़ैसला अभी बाकी है। इस कदम से भारत के पब्लिक सेक्टर बैंकिंग सिस्टम में गवर्नेंस , ऑपरेशनल स्टेबिलिटी और ग्रोथ की संभावनाएँ मज़बूत होंगी।
- ब्राज़ील, बांग्लादेश को मक्का एक्सपोर्ट करने वाले सबसे बड़े देश के तौर पर भारत से आगे निकल गया है, जो इस इलाके के व्यापार में एक बड़ा बदलाव है। भारत के इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम की वजह से मक्के की बढ़ती घरेलू मांग की वजह से भारत का एक्सपोर्ट कम हुआ , जिससे एक्सपोर्ट की उपलब्धता कम हुई और कीमतें बढ़ीं। इससे भारत के कम लागत और भौगोलिक नज़दीकी के पारंपरिक फ़ायदे कमज़ोर हो गए। ब्राज़ील ने बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन , कॉम्पिटिटिव कीमत और भरोसेमंद सप्लाई से इसका फ़ायदा उठाया। यह बदलाव खेती के व्यापार पर बायोफ्यूल पॉलिसी के बढ़ते असर को दिखाता है और ग्लोबल मक्का बाज़ार और फ़ूड-फ्यूल बैलेंस में बदलते हालात को दिखाता है ।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने लगातार रेगुलेटरी नियमों का पालन न करने और गवर्नेंस में नाकामी की वजह से पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस कैंसिल कर दिया है । सेंट्रल बैंक ने डिपॉज़िटर के हितों और लोगों के भरोसे को खतरा बताया है, और बैंक को बंद करने की कार्रवाई के लिए हाई कोर्ट जाने का प्लान बनाया है । पहले की पाबंदियों में नए कस्टमर , डिपॉज़िट और ट्रांज़ैक्शन पर रोक शामिल थी । बैंक अब सिर्फ़ मौजूदा फंड निकालने की इजाज़त दे सकता है। विजय शेखर शर्मा ने इसे शुरू किया था, इसके लाखों यूज़र थे लेकिन इसे बार-बार नियमों का पालन करने में दिक्कतें आती थीं। यह कदम रेगुलेटरी अनुशासन , फ़ाइनेंशियल निगरानी के महत्व को दिखाता है , और भारत के फ़िनटेक इकोसिस्टम में जांच को मज़बूत करता है ।
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के अनुसार, 17 अप्रैल, 2026 को खत्म हुए हफ़्ते में भारत का फ़ॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व बढ़कर $703.3 बिलियन हो गया, जो $2.3 बिलियन की बढ़ोतरी दिखाता है । यह बढ़ोतरी बाहरी स्थिरता में सुधार और ग्लोबल अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया के तनावों के कारण हाल की गिरावट के बाद रुपये पर दबाव कम होने का संकेत है। फ़ॉरेन करेंसी एसेट्स , गोल्ड रिज़र्व और SDRs जैसे मुख्य हिस्सों में बढ़त देखी गई। RBI के दखल ने पहले कैपिटल आउटफ़्लो के बावजूद करेंसी मार्केट को स्थिर करने में मदद की । कुल मिलाकर, यह बढ़ोतरी मज़बूत आर्थिक लचीलेपन , बेहतर लिक्विडिटी की स्थिति और भारत की बाहरी फ़ाइनेंशियल स्थिति में धीरे-धीरे सुधार को दिखाती है ।

समझौता ज्ञापन और समझौते

- 13 भाषाओं में आसान बनाने के लिए AI से चलने वाली एक पहल शुरू की है । इसे आयुष मंत्रालय के तहत अनुवादिनी AI के साथ पार्टनरशिप में सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज लीड कर रहा है । इस कदम का मकसद भाषा की कमी को पूरा करना , सबूतों पर आधारित आयुर्वेद के बारे में जागरूकता बढ़ाना और गलत जानकारी को कम करना है। AI साइंटिफिक पब्लिकेशन को ज़्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए ट्रांसलेट करेगा, 25 राज्यों में CCRAS के नेटवर्क का इस्तेमाल करेगा, जिससे यह पक्का होगा कि पारंपरिक हेल्थकेयर की जानकारी ज़मीनी स्तर के लोगों तक असरदार तरीके से पहुंचे।
- मेघालय सरकार ने दूर-दराज के इलाकों में हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट देने के लिए स्टारलिंक इंडिया के साथ एक MoU साइन किया है। मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने इस पहल की घोषणा की है, जिसका मकसद लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट का इस्तेमाल करके डिजिटल डिवाइड को कम करना है । इससे शिक्षा, हेल्थकेयर, ई-गवर्नेंस और ग्रामीण आजीविका में सुधार होने की उम्मीद है , जिससे भौगोलिक रूप से मुश्किल इलाकों में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी मजबूत होगी ।
- इस्लामाबाद में US-ईरान शांति वार्ता बिना किसी समझौते के खत्म हो गई , जिससे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया । पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई यह बातचीत ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम , होर्मुज स्ट्रेट में नेविगेशन अधिकारों और आपसी अविश्वास के विवादों के कारण नाकाम रही । इस रुकावट से ग्लोबल एनर्जी सप्लाई को खतरा है , क्योंकि स्ट्रेट से ही तेल का बड़ा फ्लो होता है। बढ़ते मिलिट्री रिस्क और ग्लोबल चिंता बढ़ती अस्थिरता को दिखाते हैं, जिसमें देश तनाव कम करने और नए डिप्लोमैटिक प्रयासों की अपील कर रहे हैं ।

- भारत में F414 जेट इंजन को मिलकर डेवलप करने के लिए एक अहम एग्रीमेंट पर साइन किए , जिससे डिफेंस में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी । इस डील में अगली पीढ़ी के स्वदेशी फाइटर जेट को पावर देने के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और लोकल मैन्युफैक्चरिंग शामिल है । यह मेक इन इंडिया जैसे इनिशिएटिव को सपोर्ट करता है, इम्पोर्ट पर निर्भरता कम करता है, और भारत-US डिफेंस कोऑपरेशन को मजबूत करता है । यह कोलेबोरेशन भारत की एयर पावर कैपेबिलिटी को बढ़ाता है और एक मजबूत घरेलू एयरोस्पेस इकोसिस्टम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है ।
- भारत और न्यूज़ीलैंड 27 अप्रैल, 2026 को एक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर साइन करेंगे , जिसका मकसद ट्रेड, एक्सपोर्ट और इन्वेस्टमेंट को बढ़ाना है। इस डील से 15 सालों में $20 बिलियन का इन्वेस्टमेंट आने और टेक्सटाइल और फार्मास्यूटिकल्स जैसे सेक्टर में मार्केट एक्सेस बेहतर होने की उम्मीद है । यह भारतीय प्रोफेशनल्स के लिए काम के मौके भी देता है और दोनों देशों का ट्रेड दोगुना होकर $5 बिलियन हो सकता है। कुल मिलाकर, FTA आर्थिक संबंधों और इंडो-पैसिफिक सहयोग को मज़बूत करता है ।
- भारत और रूस ने अप्रैल 2026 में RELOS (रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ़ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट) को लागू किया , जिससे मिलिट्री लॉजिस्टिक्स कोऑपरेशन मज़बूत हुआ। 2025 में साइन किया गया यह पैक्ट बेस, पोर्ट और एयरफ़ील्ड तक आपसी एक्सेस की इजाज़त देता है, जिससे सैनिकों, वॉरशिप और एयरक्राफ्ट की तैनाती हो सकेगी । यह इंटरऑपरेबिलिटी, तेज़ी से रिस्पॉन्स और डिफेंस कोऑर्डिनेशन को बढ़ाता है । एक बड़ा फ़ायदा यह है कि भारत को मरमांस्क जैसे स्ट्रेटेजिक रूसी पोर्ट तक एक्सेस मिलेगा, जिससे आर्कटिक रीजन में मौजूदगी बढ़ेगी । यह एग्रीमेंट भारत-रूस स्ट्रेटेजिक संबंधों को गहरा करता है , जॉइंट ऑपरेशन को सपोर्ट करता है , और भारत की ग्लोबल मिलिट्री पहुंच और जियोपॉलिटिकल असर को बढ़ाता है ।

नियुक्तियाँ और इस्तीफे

- डॉ. थॉमस पुकाड्यिल को BRIC-नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस का डायरेक्टर बनाया गया है। वे एक जाने-माने सेल बायोलॉजिस्ट और IISER पुणे के पूर्व प्रोफेसर हैं। वे मेम्ब्रेन बायोलॉजी पर रिसर्च के लिए जाने जाते हैं और उन्हें शांति स्वरूप भटनागर प्राइज़ (2018) भी मिला है। वे अंतरिम डायरेक्टर मनीषा इनामदार की जगह लेंगे, और उनसे भारत में बायोमेडिकल रिसर्च, इनोवेशन और ग्लोबल साइंटिफिक सहयोग को मज़बूत करने की उम्मीद है ।
- सीनियर IAS ऑफिसर वीर विक्रम यादव को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन का नया डायरेक्टर जनरल अपॉइंट किया गया है। वे फैज़ अहमद किदवई की जगह लेंगे। यह कदम एविएशन सेफ्टी से जुड़ी बढ़ती चिंताओं, ऑपरेशनल दिक्कतों और रेगुलेटरी चुनौतियों के बीच उठाया गया है। यादव से सेफ्टी फ्रेमवर्क को मजबूत करने, स्टाफ की कमी को दूर करने और FDTL नॉर्म्स का पालन पक्का करने की उम्मीद है। यह अपॉइंटमेंट भारत के तेज़ी से बढ़ते एविएशन सेक्टर में गवर्नेंस को बेहतर बनाने के मकसद से बड़े ब्यूरोक्रेटिक फेरबदल का हिस्सा है।
- भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने एविएशन के अनुभवी विली वॉल्श को अपना नया CEO बनाया है, जो लीडरशिप में एक बड़ा बदलाव है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पूर्व डायरेक्टर जनरल , उनके पास ग्लोबल एविएशन का अच्छा अनुभव है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब इंडिगो ग्लोबल विस्तार का लक्ष्य बना रही है , लंबी दूरी के एयरक्राफ्ट ला रही है , और ऑपरेशनल चुनौतियों का समाधान कर रही है, जो ग्लोबल एविएशन में भारत की बढ़ती भूमिका और एयरलाइन की वर्ल्ड-क्लास कैरियर बनने की इच्छा को दिखाता है ।
- भारत सरकार ने भारत की पहली डिजिटल जनगणना में लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सुदर्शन पटनायक को जनगणना 2027 का ब्रांड एंबेसडर बनाया है । पद्म श्री अवॉर्डी , वे कला के ज़रिए जागरूकता फैलाने के लिए जाने जाते हैं। जनगणना में मोबाइल-बेस्ड डेटा कलेक्शन और एक सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल होगा । दो फेज़ में किया जाएगा— हाउसलिस्टिंग (2026) और पॉपुलेशन एन्यूमरेशन (2027) —इसका मकसद देश भर में सटीकता, एफिशिएंसी और पब्लिक पार्टिसिपेशन को बेहतर बनाना है ।
- 1 अप्रैल, 2026 को संजय जाजू की जगह लेते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सेक्रेटरी का पद संभाला है । 1992 बैच के IAS ऑफिसर , उनके पास इंफ्रास्ट्रक्चर और गवर्नेंस का बहुत अनुभव है। मंत्रालय मीडिया रेगुलेशन, डिजिटल कम्युनिकेशन और दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो जैसे पब्लिक ब्रॉडकास्टर्स की देखरेख करता है। उनके अपॉइंटमेंट से पॉलिसी लागू करने, डिजिटल मीडिया गवर्नेंस और सरकारी कम्युनिकेशन को मज़बूती मिलने की उम्मीद है , जिससे भारत का बढ़ता हुआ मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग सेक्टर बनेगा ।
- 6 अप्रैल, 2026 को डिपार्टमेंट ऑफ़ लैंड रिसोर्सेज़ (मिनिस्ट्री ऑफ़ रूरल डेवलपमेंट के तहत) के सेक्रेटरी का पद संभाला है । 1992 बैच के UP कैडर के IAS ऑफिसर , उनके पास इंफ्रास्ट्रक्चर , एनर्जी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स में 30 साल से ज़्यादा का एडमिनिस्ट्रेटिव एक्सपीरियंस है । डिपार्टमेंट लैंड रिफॉर्म्स , लैंड रिकॉर्ड्स के डिजिटाइज़ेशन और सस्टेनेबल लैंड यूज़ पर फोकस करता है । उनके पिछले रोल्स में UIDAI , ITPO और डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के पद शामिल हैं, जो रूरल डेवलपमेंट और गवर्नेंस को बेहतर बनाने के लिए मज़बूत पॉलिसी और फील्ड एक्सपीरियंस को दिखाते हैं ।
- अमेरिका में एक टॉप रिसर्च रोल, क्वांटम डिवाइसेस के लिए मशहूर UT-ORNL गवर्नर चेयर पर अपॉइंट किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेनेसी और ओक रिज नेशनल लेबोरेटरी से जुड़े, वे क्वांटम मटीरियल , माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और भविष्य की कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में काम को लीड करेंगे । अभी वे यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेन्सिलवेनिया में प्रोफेसर हैं, उनके पास 180+ रिसर्च पेपर और पेटेंट हैं। यह अपॉइंटमेंट उनके काम की ग्लोबल पहचान को दिखाता है और क्वांटम टेक्नोलॉजी और एडवांस्ड रिसर्च में इनोवेशन को मज़बूत करता है ।

- संजय खन्ना को कैबिनेट की अपॉइंटमेंट्स कमिटी (ACC) ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) का चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अपॉइंट किया है , उनका कार्यकाल मई 2029 तक रहेगा। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी तिरुचिरापल्ली से केमिकल इंजीनियर और मुंबई यूनिवर्सिटी से फाइनेंस में पोस्टग्रेजुएट, उनके पास रिफाइनरी ऑपरेशंस में 30 साल से ज़्यादा का अनुभव है। पहले डायरेक्टर (रिफाइनरीज़) के तौर पर, उन्होंने PDPP जैसे खास प्रोजेक्ट्स को लीड किया था। उनकी लीडरशिप में, BPCL का मकसद रिफाइनिंग कैपेसिटी को बढ़ाना, पेट्रोकेमिकल्स को बढ़ाना और बीना रिफाइनरी को बढ़ाने सहित ₹ 75,000 करोड़ के इन्वेस्टमेंट प्लान को पूरा करना है।
- तरुण माथुर के इस्तीफे के बाद , सज्जा प्रवीण चौधरी को पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स का नया CEO और प्रिंसिपल ऑफिसर बनाया गया है । इंश्योरेंस रेगुलेटर ने उनकी नियुक्ति को मंज़ूरी दी है, जिसमें होल-टाइम डायरेक्टर की भूमिका भी शामिल है , जो एक अहम लीडरशिप बदलाव को दिखाता है । 2011 से PB फिनटेक के लंबे समय से सदस्य, चौधरी के पास फिनटेक और इंश्योरेंस में 15 साल से ज़्यादा का अनुभव है, उन्होंने पॉलिसीबाजार फॉर बिज़नेस और SME इंश्योरेंस सेगमेंट सहित कई बिज़नेस वर्टिकल्स को लीड किया है , जिससे कंपनी की स्ट्रेटेजिक ग्रोथ मज़बूत हुई है।
- विभोर जैन को एक्टिंग CEO के तौर पर काम करने के बाद, ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स का मैनेजिंग डायरेक्टर और CEO बनाया गया है । उनकी नियुक्ति एक अहम लीडरशिप बदलाव को दिखाता है क्योंकि ONDC पूरे भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। टेक्नोलॉजी और कंसल्टिंग में 18 साल से ज़्यादा के अनुभव के साथ, जैन का मकसद एक खुला, सबको साथ लेकर चलने वाला और इंटरऑपरेबल डिजिटल कॉमर्स इकोसिस्टम बनाना है , जो छोटे रिटेलर्स, किसानों, कारीगरों और गिग वर्कर्स को मज़बूत बनाए। उनकी लीडरशिप से भारत के ओपन नेटवर्क-बेस्ड ई-कॉमर्स मॉडल में तेज़ी आने की उम्मीद है , जिससे बड़े प्लेटफॉर्म पर निर्भरता कम होगी और देश भर में डिजिटल कॉमर्स की ग्रोथ बढ़ेगी ।
- सुनील बाजपेयी ने 10 अप्रैल, 2026 को तमिलनाडु और पुडुचेरी के प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स का चार्ज संभाला । 1990 बैच के IRS ऑफिसर , वे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में अहम रोल से बहुत अनुभव लेकर आए हैं। IITs और IIM से अच्छे एकेडमिक क्रेडेंशियल के साथ, उनकी नियुक्ति टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन, गवर्नेंस और पॉलिसी लागू करने में उनकी एक्सपर्टीज़ दिखाती है , जिससे इस इलाके में रेवेन्यू मैनेजमेंट मज़बूत होता है।
- फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने अनंत स्वरूप को 14 अप्रैल, 2026 से सेक्रेटरी जनरल अपॉइंट किया है। पब्लिक पॉलिसी, ट्रेड और रेगुलेटरी मामलों में 30 साल से ज़्यादा के अनुभव के साथ , वे डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स और वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइजेशन में अपनी भूमिकाओं से एक्सपर्टीज़ लाते हैं। उनका लीडरशिप ऐसे ज़रूरी समय पर आया है, जिसका मकसद इंडस्ट्री-सरकार के बीच सहयोग को मज़बूत करना , ट्रेड ग्रोथ को बढ़ावा देना और भारत के बदलते आर्थिक और बिज़नेस माहौल को सपोर्ट करना है ।
- इंफोसिस ने कार्लोस अल्काराज़ के साथ पार्टनरशिप की है, और उन्हें AI-ड्रिवन स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस सॉल्यूशंस को प्रमोट करने के लिए ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इंफोसिस टोपाज़ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके , यह कोलेबोरेशन एडवांस्ड मैच एनालिटिक्स, रियल-टाइम इनसाइट्स और पर्सनलाइज़्ड ट्रेनिंग टूल्स देगा । यह पार्टनरशिप स्पोर्ट्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका को हाईलाइट करती है , जिससे परफॉर्मेंस, स्ट्रैटेजी और डिसीजन-मेकिंग बेहतर होती है, साथ ही ग्लोबल स्पोर्ट्स-टेक इकोसिस्टम में इंफोसिस की प्रेजेंस मजबूत होती है ।
- डॉ. चौ. श्रीनिवास राव को क्लाइमेट-रेज़िलिएंट एग्रीकल्चर और नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट में योगदान के लिए हैदराबाद में 9वां प्रो. MS स्वामीनाथन अवॉर्ड 2026 मिला। अभी इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट को लीड करते हुए, उन्होंने सस्टेनेबल खेती, मिट्टी की हेल्थ और वॉटर मैनेजमेंट को आगे बढ़ाया। MS स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर यह अवॉर्ड, ग्रीन रेवोल्यूशन से क्लाइमेट-रेज़िलिएंट एग्रीकल्चर में बदलाव को हाईलाइट करता है । उनके काम ने फूड सिक्योरिटी और क्लाइमेट अडैप्टेशन को बेहतर बनाया। इस इवेंट में एम. वेंकैया नायडू जैसे लीडर्स ने हिस्सा लिया, जो नेशनल डेवलपमेंट के लिए एग्रीकल्चरल इनोवेशन के महत्व को दिखाता है ।
- एप्पल इंक. ने जॉन टर्नस को अपना अगला CEO अपॉइंट किया है, जो 1 सितंबर, 2026 से टिम कुक की जगह लेंगे , जो एक बड़ा लीडरशिप बदलाव है। एप्पल में 20 साल से ज़्यादा अनुभव वाले एक अनुभवी इंजीनियर , टर्नस ने iPhone, Mac, iPad और एप्पल वॉच जैसे खास प्रोडक्ट्स के डेवलपमेंट को लीड किया । उनका अपॉइंटमेंट इंजीनियरिंग-ड्रिवन लीडरशिप की ओर बदलाव का संकेत देता है क्योंकि एप्पल AI-ड्रिवन टेक्नोलॉजी के दौर में कदम रख रहा है । कुक, जो 2011 से लीड कर रहे थे, एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनेंगे । टर्नस के सामने AI इंटीग्रेशन, इनोवेशन और ग्लोबल कॉम्पिटिशन जैसी चुनौतियाँ हैं , जो अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी में एप्पल के भविष्य को आकार देंगी।
- HDFC लाइफ ने 21 अप्रैल, 2026 को बोर्ड के फैसले के बाद , शेयरहोल्डर्स और इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया से मंज़ूरी मिलने के बाद , विभा पडलकर को अगले पांच साल के लिए MD और CEO के तौर पर फिर से अपॉइंट किया है। पडलकर, जो 2008 से कंपनी के साथ हैं , ने 2017 के IPO और स्ट्रेटेजिक एक्सपेंशन सहित कई अहम पड़ावों को लीड किया है । उनकी लगातार लीडरशिप भारत के इंश्योरेंस सेक्टर में स्टेबिलिटी, ग्रोथ और स्ट्रेटेजिक कंटिन्यूटी पक्का करती है। यह कदम HDFC लाइफ की मार्केट पोज़िशन को मज़बूत करने के लिए उनकी फाइनेंशियल एक्सपर्टीज़, गवर्नेंस और लॉन्ग-टर्म विज़न पर भरोसे को दिखाता है।
- पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन में डायरेक्टर का पद संभाला है । उनके पास पावर और फाइनेंशियल सर्विसेज़ में 30 साल से ज़्यादा का अनुभव है । PFC में लंबे समय तक काम करने के बाद, वे प्रोजेक्ट फाइनेंसिंग, क्रेडिट अप्रेज़ल और लोन पोर्टफोलियो मैनेजमेंट में माहिर हैं। अपने नए रोल में, वे लेंडिंग स्ट्रेटेजी, रिस्क असेसमेंट और प्रोजेक्ट एग्जीक्यूशन की देखरेख करेंगे , जिससे ऑर्गनाइज़ेशन की ग्रोथ में मदद मिलेगी। PFC, जो पावर मिनिस्ट्री के तहत एक महारत्न PSU है , पूरे भारत में जेनरेशन, ट्रांसमिशन और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स सहित पावर इंफ्रास्ट्रक्चर की फाइनेंसिंग में अहम भूमिका निभाता है ।

- श्रीकांत वेलामकन्नी को NASSCOM का चेयरमैन बनाया गया है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एनालिटिक्स में अपनी गहरी जानकारी लेकर आए हैं। फ्रैक्टल एनालिटिक्स के को-फाउंडर , उन्हें डेटा साइंस और बिजनेस स्ट्रेटेजी में दो दशकों से ज़्यादा का अनुभव है । उनकी लीडरशिप ऐसे समय में आई है जब भारत की डिजिटल इकॉनमी बढ़ रही है , जिसमें AI अपनाने, इनोवेशन और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस पर फोकस है । NASSCOM IT और डिजिटल सर्विसेज़ सेक्टर को बढ़ावा देने , पॉलिसी एडवोकेसी और इंडस्ट्री कोलैबोरेशन में अहम भूमिका निभाता है । वेलामकन्नी के अपॉइंटमेंट से टेक्नोलॉजी से होने वाली ग्रोथ को बढ़ावा मिलने और ग्लोबल IT लैंडस्केप में भारत की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है ।
- एंटरप्राइज AI इकोसिस्टम को बड़ा बढ़ावा मिलेगा । रिलायंस इंडस्ट्रीज और मेटा प्लेटफॉर्म्स के सपोर्ट से, REIL AI-ड्रिवन बिजनेस सॉल्यूशंस और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर फोकस करता है। सिंह के पास गूगल, एप्पल, ट्विटर और IBM से लीडरशिप का अनुभव है। उनका रोल AI अपनाने को बढ़ावा देगा, इंडस्ट्री पार्टनरशिप बनाएगा और डेटा सेंटर्स सहित AI इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करेगा। उनके अपॉइंटमेंट से इनोवेशन में तेज़ी आने , भारत की डिजिटल इकोनॉमी को मज़बूत करने और देश को दुनिया भर में एंटरप्राइज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉल्यूशंस में लीडर बनाने की उम्मीद है ।
- डाबर ने 23 अप्रैल, 2026 से हरजीत एस भल्ला को अपने इंडिया बिज़नेस का CEO अपॉइंट किया है। वह ग्लोबल CEO मोहित मल्होत्रा को रिपोर्ट करेंगे, जिससे घरेलू ऑपरेशन्स के लिए लीडरशिप मज़बूत होगी। 25 साल से ज़्यादा के अनुभव के साथ, भल्ला ने यूनिलीवर, मेट्रो कैश एंड कैरी और द हर्षे कंपनी के साथ काम किया है। उनका अपॉइंटमेंट भारत के FMCG सेक्टर में तेज़ी से हो रहे बदलावों के बीच हुआ है, जो डिजिटल ग्रोथ और बदलते कंज्यूमर प्रेफरेंस से प्रेरित हैं। वह घरेलू स्ट्रैटेजी , ब्रांड एक्सपेंशन और मार्केट कॉम्पिटिटिवनेस को लीड करेंगे , जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों मार्केट में डाबर की ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा।
- नीतू समरा को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का अंतरिम CEO बनाया गया है, वे क्रिस्टोफ़ श्रेलमैन की जगह लेंगे ताकि भारतीय एविएशन नियमों का पालन किया जा सके । ब्यूरो ऑफ़ सिविल एविएशन सिक्योरिटी का आदेश है कि एयरपोर्ट के CEO भारतीय नागरिक होने चाहिए , जिससे यह लीडरशिप बदलाव हुआ है। समरा, जो पहले CFO थे, के पास अच्छी फाइनेंशियल और एडमिनिस्ट्रेटिव एक्सपर्टीज़ है और वे परमानेंट CEO नियुक्त होने तक काम करेंगे। श्रेलमैन एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन बने रहेंगे , जिससे स्ट्रेटेजिक कंटिन्यूटी सुनिश्चित होगी। यह कदम रेगुलेटरी कम्प्लायंस को सपोर्ट करता है क्योंकि एयरपोर्ट ऑपरेशनल रेडीनेस के करीब है, जिससे भारत में कनेक्टिविटी और इकोनॉमिक ग्रोथ को बढ़ावा देने वाले एक बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के तौर पर इसकी भूमिका मजबूत होगी।
- जाने-माने इकोनॉमिस्ट अशोक लाहिड़ी , सुमन बेरी की जगह NITI आयोग के वाइस-चेयरमैन बनने वाले हैं । वे पहले चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर (2002–2007) रह चुके हैं , उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के अंडर काम किया है । इकोनॉमिक पॉलिसी, पब्लिक फाइनेंस और वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड जैसे ग्लोबल इंस्टीट्यूशन में बहुत ज़्यादा अनुभव होने की वजह से , उनकी नियुक्ति बहुत ज़रूरी है। वे इकोनॉमिक रिफॉर्म, पॉलिसी प्लानिंग और स्टेट कोऑर्डिनेशन को गाइड करेंगे , और भारत की भविष्य की ग्रोथ स्ट्रैटेजी और डेवलपमेंट रोडमैप को बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे ।

पुरस्कार

- इंटरनेशनल बुकर प्राइज़ 2026 की शॉर्टलिस्ट में पहचान, देश निकाला और इंसानी हिम्मत जैसे विषयों पर बात करने वाले छह ग्लोबल नॉवेल शामिल हैं । यह अवॉर्ड इन लोगों को सम्मानित करता है UK और आयरलैंड में पब्लिश ट्रांसलेटेड फिक्शन । जज नताशा ब्राउन के मुताबिक , चुनी गई रचनाएँ पॉलिटिकल अशांति, कल्चरल जुड़ाव और सर्वाइवल की कहानियों के ज़रिए "जलती हुई इंसानियत" को दिखाती हैं । शॉर्टलिस्ट में अलग-अलग आवाज़ों और इतिहास को हाईलाइट किया गया है, जो ग्लोबल लिटरेचर और क्रॉस-कल्चरल समझ को बढ़ावा देने में प्राइज़ की भूमिका को मज़बूत करता है ।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट रोहतक ने BIMTECH का 'हर्मीस' डायलॉग 6.0 जीता । यह एक नेशनल लेवल की डिबेट थी जिसे बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी ने होस्ट किया था, जिसमें 12 देशों के पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया था । थीम जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के बीच एनर्जी इंडिपेंडेंस और ग्लोबल एनर्जी सिक्योरिटी पर फोकस थी। 250 से ज़्यादा पार्टिसिपेंट्स के साथ , इस इवेंट में ऑनलाइन टेस्ट , केस स्टडीज़ और G20/UN जैसे ग्लोबल फोरम की तरह एक फाइनल डिबेट शामिल थी । टीम लेब्रूम (IIM रोहतक) ने मज़बूत एनालिटिकल सोच , पॉलिसी की समझ और ग्लोबल नज़रिए को दिखाते हुए पहला स्थान हासिल किया ।
- शेरगढ़ वाइल्डलाइफ़ सैंक्चुअरी में फ़ॉरेस्ट ऑफ़िसर अनीता चौधरी अपने वाइल्डलाइफ़ कंज़र्वेशन और एंटी-पोचिंग कोशिशों के लिए जानी जाती हैं । 2021 से, उन्होंने लगभग 500 जानवरों को बचाया है और शिकारियों, तस्करों और गैर-कानूनी माइनिंग के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की है । उनके काम में इंसान-वाइल्डलाइफ़ टकराव को मैनेज करना और खतरे में पड़ी प्रजातियों की रक्षा करना शामिल है। उनके डेडिकेशन के लिए, उन्हें वर्ल्ड वाइड फ़ंड फ़ॉर नेचर से WWF मछली नेशनल अवॉर्ड मिला , जिसमें इकोसिस्टम की सुरक्षा और ज़मीनी स्तर पर कंज़र्वेशन को प्रेरित करने में उनके रोल को पहचाना गया।
- इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में हुए AIU नेशनल मूट कोर्ट कॉम्पिटिशन 2026 को जीता , जिसमें उसे ₹ 25,000 , ट्रॉफी और मेडल मिले। इस इवेंट में देश भर की 40 टीमों ने हिस्सा लिया , जिसमें लीगल रिसर्च, एडवोकेसी और कोर्टरूम स्किल्स को टेस्ट किया गया । चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी रनर-अप रही। कॉम्पिटिशन में प्रैक्टिकल लीगल ट्रेनिंग के महत्व पर ज़ोर दिया गया , जिससे स्टूडेंट्स की बहस, कॉन्फिडेंस और न्यायिक प्रक्रियाओं की समझ बढ़ी ।

- सयानी गुप्ता को हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन ने हार्वर्ड साउथ एशियन "पर्सन ऑफ़ द ईयर" 2026 अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह प्रतिष्ठित पहचान उनकी प्रभावशाली कहानी कहने की कला, बोल्ड परफॉर्मेंस और ग्लोबल साउथ एशियन रिप्रेजेंटेशन में उनके योगदान को सेलिब्रेट करती है। फोर मोर शॉट्स प्लीज़! और आर्टिकल 15 जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए जानी जाने वाली, उन्होंने लगातार सबको साथ लेकर चलने वाली कहानियों को बढ़ावा दिया है और पुरानी सोच को चुनौती दी है। विकास खन्ना (2025 अवॉर्डी) के बाद, उनकी यह उपलब्धि कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा के बढ़ते असर और ग्लोबल स्टेज पर एक्टर और फिल्ममेकर के तौर पर उनकी बदलती भूमिका को दिखाती है।
- निशिता योगेश अंतरकर को 17 अप्रैल, 2026 को मुंबई में हिरोहामा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के एक इवेंट में मिस साके इंडिया 2026 का ताज पहनाया गया। यह पेजेंट से ज़्यादा, यह प्लेटफ़ॉर्म जापानी साके कल्चर और इंडो-जापानी कल्चरल रिश्तों को बढ़ावा देता है। निशिता, एक बिज़नेस ओनर और कथक डांसर हैं, जो मज़बूत कल्चरल रिप्रेजेंटेशन लाती हैं। इस इवेंट में तोशीहिरो कानेको जैसे जाने-माने लोग शामिल हुए, जिसमें कल्चरल डिप्लोमेसी और कोलेबोरेशन पर ज़ोर दिया गया। विनर कल्चरल एंबेसडर के तौर पर काम करते हैं, जिससे इंडिया और जापान के बीच क्रॉस-कल्चरल समझ और ग्लोबल दोस्ती बढ़ती है।
- गोवा की साध्वी सतीश सेल को भुवनेश्वर में हुए ग्रैंड फिनाले में फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का ताज पहनाया गया, जो एक गर्व की बात है। 61वें एडिशन में, महाराष्ट्र की राजनंदिनी पवार फर्स्ट रनर-अप रहीं। निकिता पोरवाल के हाथों ताज पहनाई गई साध्वी मिस वर्ल्ड 2027 में इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी। एक मॉडल और एंटरप्रेन्योर होने के नाते, उन्होंने अपनी जीत के बाद आभार, एकता और मकसद पर ज़ोर दिया। यह पेजेंट पर्सनैलिटी, कम्युनिकेशन, टैलेंट और सोशल अवेयरनेस को परखता है। राजनंदिनी अपने स्पोर्ट्स और आर्टिस्टिक एक्सीलेंस से सबसे अलग दिखीं। यह प्लेटफॉर्म कॉन्फिडेंट, सोशली अवेयर महिलाओं को आगे बढ़ाता है, और उन्हें ग्लोबल रिप्रेजेंटेशन और लीडरशिप के लिए तैयार करता है।
- डॉ. चौ. श्रीनिवास राव को क्लाइमेट-रेज़िलिएंट एग्रीकल्चर और नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट में योगदान के लिए हैदराबाद में 9वां प्रो. MS स्वामीनाथन अवॉर्ड 2026 मिला। अभी इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट को लीड करते हुए, उन्होंने सस्टेनेबल खेती, मिट्टी की हेल्थ और वॉटर मैनेजमेंट को आगे बढ़ाया। MS स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर यह अवॉर्ड, ग्रीन रेवोल्यूशन से क्लाइमेट-रेज़िलिएंट एग्रीकल्चर में बदलाव को हाईलाइट करता है। उनके काम ने फूड सिक्योरिटी और क्लाइमेट अडैप्टेशन को बेहतर बनाया। इस इवेंट में एम. वेंकैया नायडू जैसे लीडर्स ने हिस्सा लिया, जो नेशनल डेवलपमेंट के लिए एग्रीकल्चरल इनोवेशन के महत्व को दिखाता है।
- डिपार्टमेंट ऑफ़ टेलीकम्युनिकेशन्स की लीडरशिप में भारत के समृद्ध ग्राम इनिशिएटिव को इनेबलिंग एनवायरनमेंट कैटेगरी के तहत WSIS प्राइज़ 2026 के लिए नॉमिनेट किया गया है। भारतनेट पर बना, यह डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को फिजिकल सर्विस सेंटर्स के साथ जोड़ने के लिए 'फिजिटल' अप्रोच का इस्तेमाल करता है। समृद्धि केंद्रों के ज़रिए, यह ग्रामीण इलाकों में हेल्थकेयर, एजुकेशन, बैंकिंग और ई-गवर्नेंस सर्विसेज़ देता है। यह इनिशिएटिव कनेक्टिविटी, डिजिटल इन्क्लूजन और रोजी-रोटी को बढ़ाता है, जिससे ग्रामीण-शहरी डिवाइड कम होता है। यह पहचान ICT से चलने वाले ग्रामीण विकास में भारत की लीडरशिप और इनक्लूसिव डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए उसके कमिटमेंट को दिखाता है।

शिखर सम्मेलन, कार्यक्रम और आयोजन

- इंडिया फार्मा 2026, 9वां एडिशन, 13-14 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में होगा। इसे डिपार्टमेंट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल्स, FICCI और इंडियन फार्मास्यूटिकल अलायंस मिलकर ऑर्गनाइज़ करेंगे। यह कॉन्फ्रेंस "डिस्कवर इन इंडिया" थीम के तहत ड्रग इनोवेशन, बायोसिमिलर और ग्लोबल सप्लाई चेन पर फोकस करेगी। इसका मकसद 'फार्मेसी ऑफ़ द वर्ल्ड' के तौर पर भारत की भूमिका को मज़बूत करना है, और दुनिया भर में रिसर्च, कोलेबोरेशन और एडवांस्ड हेल्थकेयर सॉल्यूशंस को बढ़ावा देना है।
- वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन की 14वीं मिनिस्टीरियल कॉन्फ्रेंस 30 मार्च, 2026 को याउंडे में खत्म हुई। इसमें भारत को पीयूष गोयल ने लीड किया और फेयर ट्रेड, फूड सिक्योरिटी और सबको साथ लेकर चलने वाले सुधारों पर ज़ोर दिया गया। मुख्य चर्चाओं में मछली पालन सब्सिडी, ई-कॉमर्स और खेती पर बात हुई, हालांकि कुछ ही सहमति बन पाई। भारत ने आम सहमति से फ़ैसले लेने, छोटे मछुआरों की सुरक्षा और पब्लिक स्टॉकहोल्डिंग के मुद्दों को सुलझाने की वकालत की, और एक बैलेंस्ड ग्लोबल ट्रेडिंग सिस्टम की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।
- फ्रांस की G7 प्रेसीडेंसी के तहत ल्योन (5-7 अप्रैल) में होने वाला वन हेल्थ समिट 2026, दुनिया भर के नेताओं, वैज्ञानिकों और संगठनों को एक साथ लाता है ताकि इंसानों, जानवरों और इकोसिस्टम की आपस में जुड़ी हेल्थ पर बात की जा सके। यह समिट वन हेल्थ अप्रोच को बढ़ावा देता है, जिसमें जूनोटिक बीमारियों, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस, प्रदूषण और सस्टेनेबल फूड सिस्टम पर फोकस किया जाता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन जैसी संस्थाओं का सपोर्ट मिलने के बाद, यह साइंस-बेस्ड पॉलिसी, ग्लोबल सहयोग और महामारी की तैयारी पर ज़ोर देता है, जिसका मकसद हेल्थ सिस्टम को मज़बूत करना और दुनिया भर में भविष्य के संकटों को रोकना है।
- राजनाथ सिंह 28 अप्रैल, 2026 को शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइज़ेशन (SCO) के डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग में शामिल होने के लिए बिश्केक, किर्गिस्तान जाएंगे। चर्चा आतंकवाद, रीजनल सिक्योरिटी खतरों और सदस्य देशों के बीच मिलिट्री सहयोग पर फोकस होगी। भारत के लिए, यह दौरा डिफेंस डिप्लोमेसी को मजबूत करता है, सेंट्रल एशिया में स्ट्रेटेजिक मौजूदगी को बढ़ाता है, और जॉइंट एक्सरसाइज और इंटेलिजेंस शेयरिंग को बढ़ावा देता है। यह ट्रेनिंग और टेक्निकल सहयोग के ज़रिए भारत-किर्गिस्तान डिफेंस संबंधों को भी बढ़ावा देता है। मीटिंग में रीजनल सिक्योरिटी आर्किटेक्चर में भारत की बढ़ती भूमिका और बदलती ग्लोबल चुनौतियों के बीच क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का मुकाबला करने की कोशिशों पर ज़ोर दिया गया।

अनुक्रमणिका

श्रेणीबद्ध

- UNESCO की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स, बायोस्फीयर रिज़र्व और ग्लोबल जियोपार्क समेत लगभग 90% सुरक्षित जगहों पर गंभीर एनवायरनमेंटल स्ट्रेस है। मुख्य खतरों में क्लाइमेट चेंज, जंगलों की कटाई, जंगल की आग और इंसानी गतिविधियां शामिल हैं , जिनमें से 98% जगहें क्लाइमेट के असर से प्रभावित हैं। 300,000 sq km से ज़्यादा जंगल का नुकसान और बढ़ती हमलावर प्रजातियों ने इस संकट को और बढ़ा दिया है। चिंता की बात यह है कि 2050 तक 25% जगहों पर ऐसा खतरा है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद, इन इलाकों में दुनिया की 60% प्रजातियां रहती हैं , जो उनकी अहमियत को दिखाता है। रिपोर्ट में बायोडायवर्सिटी और इकोसिस्टम को बचाने के लिए तुरंत बचाव की कोशिशों और ग्लोबल एक्शन लेने की अपील की गई है।

रक्षा

- अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अपनी ग्वालियर फैसिलिटी से इंडियन आर्मी को 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन (7.62 mm) का पहला बैच डिलीवर किया , जो मेक इन इंडिया के तहत 40,000 यूनिट के ऑर्डर का हिस्सा है। इज़राइल वेपन इंडस्ट्रीज के साथ डेवलप की गई LMG (नेगेव NG7) का वज़न 7.6 kg है , इसमें ओपन बोल्ट सिस्टम का इस्तेमाल होता है, और इसे 11 महीने पहले डिलीवर किया गया था। यह इन्फेंट्री की फायरपावर, मोबिलिटी और प्रिसिजन को बढ़ाता है , जिससे इंडिया की स्वदेशी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और कॉम्बैट रेडीनेस को बढ़ावा मिलता है।
- इंडियन नेवी ने कोच्चि में सदर्न नेवल कमांड के तहत मैरीटाइम वॉरफेयर सेंटर में IONS मैरीटाइम एक्सरसाइज (IMEX) TTX 2026 होस्ट किया , जिसमें फ्रांस, इंडोनेशिया, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसे देशों की नेवी शामिल थीं। इंडियन ओशन नेवल सिंपोजियम के तहत आयोजित, टेबलटॉप एक्सरसाइज (TTX) में पाइरेसी और मैरीटाइम टेररिज्म जैसे गैर-पारंपरिक खतरों पर फोकस किया गया । इसने डिसीजन-मेकिंग, कोऑर्डिनेशन और कोऑपरेशन को बढ़ाया , और IONS चेयरमैनशिप (2026–28) की तैयारी में भारत की लीडरशिप को हाईलाइट किया।
- इंडियन एयर फ़ोर्स MiG-29 जेट्स को ASRAAM (एडवांस्ड शॉर्ट रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल्स) से लैस करेगी , जो पुरानी R-73 मिसाइलों (10–15 km रेंज) की जगह लेंगी। MBDA द्वारा डेवलप की गई ASRAAM में 25+ km रेंज, Mach 3 स्पीड, इंफ्रारेड गाइडेंस और फायर-एंड-फॉरगेट कैपेबिलिटी है , जो डॉगफाइट परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है। LCA तेजस और जगुआर के साथ इंटीग्रेटेड और BDL के साथ भारत में असेंबल की गई , यह एयर कॉम्बैट कैपेबिलिटी, प्रिसिजन और डिफेंस में सेल्फ-रिलाएंस को बढ़ाती है।
- इंडियन नेवी ने 30 मार्च, 2026 को स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट INS दुनागिरी को शामिल किया , जिसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने प्रोजेक्ट 17A के तहत बनाया है। इसमें 75% स्वदेशी तकनीक , एडवांस्ड स्टील्थ, ऑटोमेशन और ब्रह्मोस मिसाइल, MF-STAR रडार और MRSAM जैसे सिस्टम हैं, जो मल्टी-रोल कॉम्बैट क्षमताओं को बढ़ाते हैं। पांचवें नीलगिरी -क्लास फ्रिगेट के रूप में, यह भारत की नेवी की ताकत को मजबूत करता है और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करता है।
- इंडियन नेवी ने INS संशोधक को शामिल किया है। यह चार-वेसल प्रोजेक्ट का आखिरी जहाज है। इसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने बनाया है और इसमें 80% से ज़्यादा स्वदेशी चीज़ें हैं। 30 मार्च, 2026 को डिलीवर होने वाला यह जहाज AUVs, ROVs और सोनार जैसे एडवांस्ड सिस्टम का इस्तेमाल करके हाइड्रोग्राफिक सर्वे, सीबेड मैपिंग और नेविगेशन सेफ्टी को बेहतर बनाता है । यह जहाज समुद्री रिसर्च, कोस्टल प्लानिंग और डिफेंस क्षमताओं को मज़बूत करता है, और आत्मनिर्भर भारत और मॉडर्न नेवल ऑपरेशन्स को सपोर्ट करता है।
- लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने आर्मी स्टाफ के वाइस चीफ का पद संभाला है , उनके पास लगभग चार दशकों का मिलिट्री अनुभव है। नेशनल डिफेंस एकेडमी के पुराने स्टूडेंट , उन्होंने रेगिस्तानी युद्ध, जम्मू और कश्मीर , और अंगोला में यूनाइटेड नेशंस जैसे इंटरनेशनल मिशन में अहम कमांड और स्ट्रेटेजिक भूमिकाएँ निभाई हैं। उनकी नियुक्ति से मिलिट्री मॉडर्नाइजेशन, ऑपरेशनल तैयारी, और सबसे ऊंचे लेवल पर स्ट्रेटेजिक लीडरशिप पर भारत का फोकस और मजबूत होगा।
- इंडियन आर्मी ने ज़रूरी ऑपरेशनल फ़ॉर्मेशन के लिए नए कमांडर अपॉइंट किए हैं। लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन सदर्न कमांड को लीड करेंगे , लेफ्टिनेंट जनरल VMB कृष्णन ईस्टर्न कमांड को हेड करेंगे , और लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र पाल सिंह वेस्टर्न कमांड को कमांड करेंगे । इन लीडरशिप बदलावों का मकसद ऑपरेशनल रेडीनेस, स्ट्रेटेजिक तैयारी और टेक्नोलॉजिकल इंटीग्रेशन को बढ़ाना है। तीनों ऑफिसर काउंटर-इंसर्जेंसी, हाई-एल्टीट्यूड वॉरफेयर और लॉजिस्टिक्स में बहुत ज़्यादा एक्सपीरियंस लेकर आए हैं, जिससे ज़रूरी इलाकों में भारत की डिफेंस कैपेबिलिटी मज़बूत होगी।
- इंडियन नेवी को INS मालवान मिला है , जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड का बनाया हुआ अगली पीढ़ी का एंटी-सबमरीन वॉरफेयर वेसल है और इसमें 80% से ज़्यादा स्वदेशी चीज़ें हैं। कम गहरे पानी में ऑपरेशन के लिए डिज़ाइन किया गया , इसमें पानी के अंदर के खतरों का सामना करने के लिए एडवांस्ड सोनार, टॉरपीडो और सर्विलांस सिस्टम हैं। आठ-वेसल ASW फ्लीट का हिस्सा, यह पुराने हो रहे जहाजों की जगह लेगा और कोस्टल डिफेंस , समुद्री सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ाएगा , जिससे भारत की नेवी की क्षमताएँ मज़बूत होंगी।
- भारत ने FY2025-26 में ₹ 38,424 करोड़ का रिकॉर्ड डिफेंस एक्सपोर्ट किया, जो पिछले साल के मुकाबले 62.66% की तेज़ बढ़त है । यह बढ़त आत्मनिर्भरता और ग्लोबल डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग लीडरशिप की ओर बदलाव को दिखाती है। DPSUs ने अच्छी-खासी बढ़त के साथ आधे से ज़्यादा एक्सपोर्ट में हिस्सा दिया, जबकि प्राइवेट सेक्टर ने भी अहम भूमिका निभाई। यह माइलस्टोन सुधारों और बढ़ती ग्लोबल डिमांड की वजह से भारत के एक डिफेंस इंपोर्टर से एक बड़े एक्सपोर्टर में बदलाव को दिखाता है।

- INS तारागिरी को इंडियन नेवी ने विशाखापत्तनम में राजनाथ सिंह की मौजूदगी में कमीशन किया है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने इसे प्रोजेक्ट 17A के तहत बनाया है। यह एक स्टेल्थ फ्रिगेट है जिसमें एडवांस्ड रडार-इवेडिंग डिज़ाइन और मल्टी-रोल कॉम्बैट कैपेबिलिटी है। मॉडर्न मिसाइलों, एंटी-सबमरीन सिस्टम और CODOG प्रोपल्शन से लैस , यह भारत की समुद्री ताकत, आत्मनिर्भरता और नेवल पावर को बढ़ाता है ।
- बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइज़ेशन के प्रोजेक्ट चेतक ने अपना 47वां स्थापना दिवस मनाया , जिसमें 1980 से पश्चिमी भारत में बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने में अपनी भूमिका पर ज़ोर दिया गया। राजस्थान, पंजाब और गुजरात में काम करते हुए, इसने 4,000 km से ज़्यादा सड़कें बनाई हैं और दूर -दराज के इलाकों में हर मौसम में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया है । यह प्रोजेक्ट डिफेंस लॉजिस्टिक्स को सपोर्ट करता है, जिससे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास सैनिकों की तेज़ी से आवाजाही हो पाती है , जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ती है। "चेतक का प्रयास, देश का विकास" के मोटो से गाइडेड , यह क्षेत्रीय विकास , कनेक्टिविटी और स्ट्रेटेजिक तैयारी को बढ़ावा देता है।
- 6 अप्रैल, 2026 को IOS SAGAR मिशन के तहत माले पहुंचा , जिससे भारत-मालदीव समुद्री सहयोग मजबूत हुआ । मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स ने इसका स्वागत किया, इस तैनाती में 16 देशों के मल्टीनेशनल क्रू और जॉइंट ट्रेनिंग एक्सरसाइज शामिल हैं । एक्टिविटीज़ में प्रोफेशनल एक्सचेंज , सोशल इंटरेक्शन और एक PASSEX नेवल एक्सरसाइज शामिल हैं, जिससे ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन बढ़ेगा । यह मिशन भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी को सपोर्ट करता है , जो हिंद महासागर क्षेत्र में रीजनल सिक्योरिटी , दोस्ती और कोलेबोरेटिव समुद्री जुड़ाव को बढ़ावा देता है ।
- भारत की तीसरी न्यूक्लियर-पावर्ड बैलिस्टिक मिसाइल सबमरीन (SSBN) INS अरिदमन, इंडियन नेवी के बेड़े में शामिल हो गई है, जिससे समुद्री सुरक्षा और स्ट्रेटेजिक क्षमता बढ़ेगी। विशाखापत्तनम में कमीशन की गई , यह पिछली सबमरीन से ज़्यादा एडवांस्ड है, जिसमें ज़्यादा मिसाइल कैपेसिटी और K-15, K-4, और भविष्य की K-5 मिसाइलें ले जाने की क्षमता है । न्यूक्लियर ट्रायड (ज़मीन, हवा, समुद्र) के हिस्से के तौर पर , यह सेकंड-स्ट्राइक कैपेबिलिटी और डिटरेंस पावर को बढ़ाती है , जिससे भारत टॉप ग्लोबल मिलिट्री पावर्स में शामिल हो जाता है और पानी के अंदर इसका स्ट्रेटेजिक दबदबा मज़बूत होता है ।
- इंडियन आर्मी ने 9-17 अप्रैल, 2026 तक अंशास में होने वाले इंडिया-इजिप्ट जॉइंट स्पेशल फोर्सेज़ एक्सरसाइज़ 'साइक्लोन-IV' के चौथे एडिशन के लिए इजिप्ट में एक टुकड़ी भेजी है। इस बाइलेटरल मिलिट्री एक्सरसाइज़ में दोनों देशों की एलीट स्पेशल फोर्सेज़ शामिल हैं , जो इंटरऑपरेबिलिटी , काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन्स और रेगिस्तानी हालात में कॉम्बैट ट्रेनिंग पर फोकस करेंगी । लगभग 25 इंडियन जवान इजिप्ट के सैनिकों के साथ हिस्सा ले रहे हैं, जो जॉइंट मिशन प्लानिंग, टैक्टिकल ड्रिल्स और सर्वाइवल एक्सरसाइज़ में शामिल हैं । यह एक्सरसाइज़ इंडिया और इजिप्ट के बीच बढ़ते डिफेंस कोऑपरेशन , स्ट्रेटेजिक रिश्तों को मजबूत करने, आपसी भरोसे और रीजनल सिक्योरिटी में ऑपरेशनल कोऑर्डिनेशन पर रोशनी डालती है।
- इंडियन आर्मी ने ऑपरेशन हिमसेतु को सफलतापूर्वक चलाया , जिसमें लैंडस्लाइड और लाचेन के पास एक पुल गिरने से इंडिया-चाइना बॉर्डर के पास कनेक्टिविटी में रुकावट आने के 48 घंटे के अंदर नॉर्थ सिक्किम में फंसे 1,400 से ज़्यादा टूरिस्ट और लोकल लोगों को बचाया गया। त्रिशक्ति कॉर्प्स की लीडरशिप में , इस मिशन ने बहुत ज़्यादा बर्फबारी और मुश्किल इलाके के बावजूद 1,321 टूरिस्ट और 84 लोगों को निकाला । आर्मी ने टेम्पररी पुल बनाए , मेडिकल सपोर्ट पक्का किया , और सड़क ठीक करने के लिए बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइज़ेशन के साथ कोऑर्डिनेट किया । यह ऑपरेशन आर्मी के तेज़ रिस्पॉन्स, डिज़ास्टर मैनेजमेंट कैपेबिलिटी, और मुश्किल हालात में आम लोगों की सेफ्टी के लिए कमिटमेंट को दिखाता है।
- इंडियन नेवी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2026 होस्ट करेगी, जो ऑपरेशनल तैयारी का रिव्यू करने , समुद्री सुरक्षा को मज़बूत करने और राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों के साथ स्ट्रेटेजी को जोड़ने के लिए तीन दिन का इवेंट है । चर्चा में नए खतरे , सुरक्षित समुद्री रास्ते और ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक शामिल होंगे, जिसमें जॉइंट मिलिट्री कोऑर्डिनेशन पर फोकस किया जाएगा । चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ समेत सीनियर लीडर इसमें हिस्सा लेंगे, जो बदलती क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच टेक्नोलॉजी से चलने वाली क्षमताओं और बेहतर सिविल-मिलिट्री सहयोग पर ज़ोर देंगे ।
- एक्सरसाइज डस्टलिक का 7 वां एडिशन 13 अप्रैल, 2026 को भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच नामंगन इलाके में शुरू हुआ । यह एक्सरसाइज काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन , सेमी-माउंटेन वॉरफेयर और सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी को बेहतर बनाने पर फोकस करती है। इंडियन आर्मी और एयर फोर्स के शामिल होने से , यह डिफेंस कोऑपरेशन को मजबूत करता है और सेंट्रल एशिया के साथ बढ़ते स्ट्रेटेजिक संबंधों को दिखाता है , जिससे जॉइंट ऑपरेशनल तैयारी और मिलिट्री कोऑर्डिनेशन बढ़ता है।
- इंटरनल सिक्योरिटी को मज़बूत करने और स्ट्रेटेजिक कोऑर्डिनेशन बढ़ाने के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ (CAPFs) की पहली हाई-लेवल कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता करेंगे । इस पहल का मकसद टॉप लीडरशिप को एक साथ लाकर एक यूनिफाइड सिक्योरिटी फ्रेमवर्क बनाना है ताकि इंसर्जेंसी, एक्सट्रीमिज़्म, साइबर खतरों और बॉर्डर सिक्योरिटी जैसी चुनौतियों से निपटा जा सके। यह इंटेलिजेंस ब्यूरो जैसी एजेंसियों के साथ इंटेलिजेंस शेयरिंग और जॉइंट ऑपरेशन को बेहतर बनाने पर भी फोकस करेगा । कुल मिलाकर, यह कॉन्फ्रेंस भारत में टेक्नोलॉजी से चलने वाले, कोऑर्डिनेटेड नेशनल सिक्योरिटी अप्रोच की ओर एक बड़ा कदम है ।
- भारत के आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी को पेन्सिलवेनिया में US आर्मी वॉर कॉलेज इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। वीके सिंह और बिक्रम सिंह के बाद यह सम्मान पाने वाले वे तीसरे भारतीय आर्मी चीफ बन गए हैं। यह सम्मान भारत की बढ़ती ग्लोबल मिलिट्री हैसियत , प्रोफेशनल एक्सीलेंस और स्ट्रेटेजिक लीडरशिप में योगदान को दिखाता है। यह खासकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में मजबूत भारत-US डिफेंस कोऑपरेशन को भी दिखाता है । यह सम्मान एक अहम ग्लोबल सिक्योरिटी पार्टनर के तौर पर भारत की इमेज को बढ़ाता है और दोनों देशों के बीच जॉइंट ट्रेनिंग, इंटरऑपरेबिलिटी और लंबे समय के स्ट्रेटेजिक संबंधों सहित मिलिट्री कोऑपरेशन को मजबूत करता है।

- भारत और उज़्बेकिस्तान के बीच एक्सरसाइज़ ' डस्टलिक ' का 7 वां एडिशन नामंगन में खत्म हुआ , जिससे डिफेंस कोऑपरेशन और मज़बूत हुआ। इंडियन आर्मी और एयर फ़ोर्स के सैनिकों समेत लगभग 120 लोगों (हर एक में 60) ने हिस्सा लिया । यह एक्सरसाइज़ काउंटर-टेररिज़्म ऑपरेशन, सेमी-माउंटेन वॉरफेयर और टैक्टिकल कोऑर्डिनेशन पर फोकस थी । मुख्य एक्टिविटीज़ में टोही मिशन, स्ट्राइक ऑपरेशन और हथियारबंद ग्रुप्स को खत्म करना शामिल था । " डस्टलिक ," जिसका मतलब दोस्ती है, हर साल इंटरऑपरेबिलिटी और मिलिट्री रेडीनेस बढ़ाने के लिए आयोजित किया जाता है । यह सेंट्रल एशिया में भारत के बढ़ते स्ट्रेटेजिक एंगेजमेंट को दिखाता है और मुश्किल सिक्योरिटी माहौल में जॉइंट ट्रेनिंग, नॉलेज शेयरिंग और ऑपरेशनल तैयारी के ज़रिए बाइलेटरल रिश्तों को मज़बूत करता है।

विज्ञान प्रौद्योगिकी

- NASA का आर्टेमिस II, जो 1 अप्रैल, 2026 शुरू हुआ है , अपोलो मिशन के बाद पहला क्रू वाला लूनर मिशन होगा। SLS रॉकेट और ओरियन स्पेसक्राफ्ट का इस्तेमाल करके , एस्ट्रोनॉट्स चांद का चक्कर लगाएंगे और फ्री-रिटर्न ट्रैजेक्टरी से वापस आएंगे । यह मिशन लाइफ-सपोर्ट, नेविगेशन और डीप-स्पेस सिस्टम को टेस्ट करेगा, जिससे आर्टेमिस III लूनर लैंडिंग और मंगल ग्रह पर भविष्य के ह्यूमन मिशन का रास्ता साफ होगा ।
- आंध्र प्रदेश साइंस सिटी ने 30 मार्च, 2026 को CSIR-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस कम्युनिकेशन एंड पॉलिसी रिसर्च के साथ 5 साल का MoU साइन किया। इसका मकसद साइंस आउटरीच, STEM एजुकेशन और सबूतों पर आधारित पॉलिसी बनाने को बढ़ावा देना है। यह नॉन-फाइनेंशियल सहयोग साइंस को पॉपुलर बनाने , रिसर्च और इनोवेशन पॉलिसी पर फोकस करता है, जिसका मकसद साइंस और समाज के बीच की दूरी को कम करना है। यह साइंटिफिक सोच, लोगों में जागरूकता बढ़ाएगा और साइंटिफिक ज्ञान के बेहतर कम्युनिकेशन के ज़रिए जानकारी वाले गवर्नेंस को सपोर्ट करेगा।
- भारत ने बायोलॉजिकल डायवर्सिटी एक्ट, 2002 के तहत सेंटर फॉर मरीन लिविंग रिसोर्सेज एंड इकोलॉजी में भवसागर सेंटर को डीप-सी फॉना के लिए नेशनल रिपॉजिटरी बनाया है। कोच्चि में मौजूद यह सेंटर 3,500 से ज़्यादा समुद्री जीवों को सुरक्षित रखेगा, डीप-सी रिसर्च में मदद करेगा और समुद्री बायोडायवर्सिटी की रक्षा करेगा । यह पहल भारत की ब्लू इकॉनमी को मज़बूत करती है , साइंटिफिक रिसर्च को बढ़ाती है, और ग्लोबल ओशन सस्टेनेबिलिटी की कोशिशों के साथ तालमेल बिठाती है, जिससे समुद्री संरक्षण और खोज में देश की भूमिका को बढ़ावा मिलता है ।
- मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घोषणा की है कि 14 अप्रैल, 2026 को अमरावती में भारत का पहला क्वांटम कंप्यूटर लॉन्च होगा । अमरावती क्वांटम वैली प्रोजेक्ट और नेशनल क्वांटम मिशन के तहत इस पहल का मकसद इनोवेशन, स्टार्टअप और एडवांस्ड रिसर्च को बढ़ावा देना है । क्वांटम कंप्यूटिंग AI, क्रिप्टोग्राफी और दवा की खोज में सफलता दिलाएगी , जिससे भारत की आत्मनिर्भरता मजबूत होगी और यह अगली पीढ़ी की टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर के तौर पर अपनी जगह बनाएगा ।
- मेटा ने अपना नया AI मॉडल म्यूज़ स्पार्क लॉन्च किया है , जिसे इसके मेटा AI असिस्टेंट को पावर देने और इमेज-बेस्ड एनालिसिस , सवाल-जवाब और विज़ुअल सिमुलेशन जैसे रोज़ाना के कामों को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है । इस मॉडल को WhatsApp , Instagram और Facebook जैसे प्लेटफॉर्म पर इंटीग्रेट किया जाएगा, जिससे इसकी पहुंच बढ़ेगी। रीज़निंग , राइटिंग और विज़ुअल कोडिंग के लिए इसकी तारीफ़ हुई है, लेकिन असल दुनिया में इसके परफॉर्मेंस को लेकर एक्सपर्ट्स ने इसकी आलोचना की है । मेटा ने फीडबैक को माना है, और इसे ज़्यादा एडवांस्ड AI इनोवेशन और सुपरइंटेलिजेंस डेवलपमेंट की ओर पहला कदम बताया है ।
- एन. चंद्रबाबू नायडू 14 अप्रैल, 2026 को वर्ल्ड क्वांटम डे के मौके पर अमरावती में भारत की पहली देसी क्वांटम कंप्यूटिंग टेस्टिंग फैसिलिटी लॉन्च करेंगे । SRM यूनिवर्सिटी अमरावती में बनी यह फैसिलिटी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है और नेशनल क्वांटम मिशन को सपोर्ट करती है। अमरावती क्वांटम वैली का हिस्सा , इसमें क्रायोजेनिक्स और क्वांटम हार्डवेयर जैसी लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ-साथ कोलेबोरेशन और एक IBM 133-क्यूबिट सिस्टम भी होगा । इस पहल का मकसद भारत को क्वांटम रिसर्च, इनोवेशन और हाई-टेक डेवलपमेंट के लिए एक ग्लोबल हब बनाना है ।
- इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन ने 10 अप्रैल, 2026 को सतीश धवन स्पेस सेंटर में गगनयान IADT-02 (इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट) सफलतापूर्वक किया , जो भारत के पहले ह्यूमन स्पेसफ्लाइट मिशन के लिए एक अहम पड़ाव था । पैराशूट-बेस्ड लैंडिंग सिस्टम को टेस्ट करने के लिए इंडियन एयर फ़ोर्स के चिनूक हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके 3 km से 5.7-टन का क्रू मॉड्यूल गिराया गया । टेस्ट ने मल्टी-स्टेज पैराशूट डिप्लॉयमेंट, कंट्रोल्ड डिसेंट और सेफ़ स्प्लैशडाउन को वैलिडेट किया , जिसके बाद डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन के सपोर्ट से इंडियन नेवी ने सफल रिकवरी की। यह गगनयान के तहत ह्यूमन स्पेस मिशन के लिए भारत की बढ़ती तैयारी को कन्फर्म करता है। कार्यक्रम .
- अहमदाबाद के AAKA स्पेस स्टूडियो ने एशिया का पहला 3D-प्रिंटेड मार्स रेडिएशन शील्ड बनाया है , जिसे लंबे समय के स्पेस मिशन के दौरान एस्ट्रोनॉट्स को नुकसानदायक कॉस्मिक रेडिएशन से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मार्स जैसे एनालॉग माहौल में टेस्ट किया गया, यह इनोवेशन इन-सीटू रिसोर्स यूटिलाइज़ेशन (ISRU) का इस्तेमाल करता है — यानी धरती से सामान लाने के बजाय लोकल चीज़ों से बनाना — जिससे स्पेस कंस्ट्रक्शन ज़्यादा कॉस्ट-इफेक्टिव और सस्टेनेबल हो जाता है। एडवांस्ड 3D प्रिंटिंग और रोबोटिक टेक्नीक का इस्तेमाल करके, यह शील्ड रेडिएशन प्रोटेक्शन, थर्मल स्टेबिलिटी और स्ट्रक्चरल मज़बूती देती है , जो मार्स और चांद पर इंसानों के सुरक्षित रहने की दिशा में एक बड़ा कदम है ।

- जितेंद्र सिंह ने SARAL AI की घोषणा की। यह एक AI प्लेटफॉर्म है जिसे अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन ने बनाया है। यह मुश्किल रिसर्च पेपर्स को 18 भारतीय भाषाओं में आसान, कई भाषाओं वाले कंटेंट में बदलता है। यह वीडियो, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पोस्ट बनाता है , जिससे साइंस लोगों तक आसानी से पहुँच पाता है। इस पहल का मकसद साइंटिफिक अवेयरनेस बढ़ाना, रिसर्च की पहुँच को बेहतर बनाना और इनोवेशन और समाज के बीच की दूरी को कम करना है , जिससे भारत के बढ़ते रिसर्च और इनोवेशन इकोसिस्टम को सपोर्ट मिलता है।
- एन. चंद्रबाबू नायडू ने 14 अप्रैल, 2026 को अमरावती क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटी लॉन्च की , जो भारत का पहला स्वदेशी ओपन-एक्सेस क्वांटम कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म है । इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस और डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन जैसे संस्थानों के साथ मिलकर डेवलप किया गया AQRF का मकसद क्वांटम रिसर्च, इनोवेशन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है । नेशनल क्वांटम मिशन के साथ मिलकर , यह भारत के क्वांटम इकोसिस्टम को मजबूत करता है , जिससे डिफेंस , हेल्थकेयर और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में एडवांस्ड एप्लिकेशन को इनेबल किया जा सकता है ।
- ऑस्ट्रेलिया में एक सदी से भी ज़्यादा समय बाद नाइट पैरट को फिर से खोजा गया है, जो एक बड़ी साइंटिफिक सफलता है। ऑडियो रिकॉर्डर, कैमरा ट्रैप और देसी जानकारी का इस्तेमाल करके , रिसर्चर्स ने सूखे इलाकों में इसकी मौजूदगी कन्फर्म की है। यह पक्षी रहने और ज़िंदा रहने के लिए पुरानी स्पिनिफ़ेक्स घास पर निर्भर करता है। हालांकि, जंगल की आग और जंगली बिल्लियों जैसे खतरे इसे खतरे में डालते रहते हैं, जबकि डिंगो शिकारियों को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। सिर्फ़ लगभग 50 पक्षियों की पहचान होने के साथ , यह प्रजाति बहुत कमज़ोर बनी हुई है , जिसके लिए तुरंत बचाव के प्रयासों की ज़रूरत है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी खड़गपुर ने AI से चलने वाले जियोलॉजिकल और माइनिंग सिस्टम के लिए विक्रम सोढ़ी सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस शुरू किया है , जिसे पांच साल में ₹ 15 करोड़ की फंडिंग मिलेगी। इस पहल का मकसद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा से चलने वाले इनोवेशन के ज़रिए भारत के माइनिंग सेक्टर को बदलना है। इंडस्ट्री के सहयोग से, यह सेंटर पूरी माइनिंग वैल्यू चेन पर फोकस करेगा, जिसमें एक्सप्लोरेशन, प्लानिंग, प्रोसेसिंग और ESG एनालिटिक्स शामिल हैं। इसका मकसद एफिशिएंसी, डिसीजन-मेकिंग और सस्टेनेबिलिटी में सुधार करना , माइनिंग टेक्नोलॉजी में कमियों को पूरा करना और भारत में इंटीग्रेटेड, स्मार्ट माइनिंग सॉल्यूशंस को बढ़ावा देना है।
- ब्लू ओरिजिन ने केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च के बाद 20 अप्रैल, 2026 को दोबारा इस्तेमाल किए गए न्यू ग्लेन बूस्टर की पहली सफल लैंडिंग की। बूस्टर, 'नेवर टेल मी द ऑड्स' , ने दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट टेक्नोलॉजी में तरक्की दिखाई , जिससे स्पेस मिशन की लागत कम हुई। हालांकि, मिशन के मिले-जुले नतीजे रहे क्योंकि AST स्पेसमोबाइल का बनाया ब्लूबर्ड 7 सैटेलाइट अपनी तय ऑर्बिट तक नहीं पहुंच पाया और डी-ऑर्बिट हो सकता है । न्यू ग्लेन रॉकेट का मकसद हैवी-लिफ्ट मिशन को सपोर्ट करना है , जो ग्लोबल कनेक्टिविटी और स्पेस एक्सप्लोरेशन को आगे बढ़ाने में स्पेसएक्स के साथ मुकाबला करेगा ।
- सिंधु घाट पर भारत का पहला पेट्रोग्लिफ कंज़र्वेशन पार्क बनाया जाएगा, जिसे 18 अप्रैल, 2026 को लॉन्च किया जाएगा। यह पार्क पुरानी चट्टानों पर बनी नक्काशी को बचाने के लिए बनाया गया है । ये पेट्रोग्लिफ शुरुआती इंसानी ज़िंदगी, संस्कृति और मान्यताओं को दिखाते हैं , जिनमें शिकार के सीन, बौद्ध निशान और लिखावटें हैं। क्लाइमेट चेंज, टूरिज्म और इंफ्रास्ट्रक्चर से खतरों का सामना करते हुए , यह पार्क कंज़र्वेशन, दूसरी जगह बसाने और लोगों में जागरूकता लाने में मदद करेगा । आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के सपोर्ट से, यह साइंटिफिक बचाव और डॉक्यूमेंटेशन पक्का करता है । यह पहल कल्चरल हेरिटेज की सुरक्षा को मज़बूत करती है, जिससे लद्दाख आर्कियोलॉजिकल कंज़र्वेशन और ऐतिहासिक रिसर्च का हब बन जाता है ।
- पैलियोसाइंसेज़ की एक स्टडी में भारत को जामुन (सिज़ीगियम) का ओरिजिन बताया गया है , जो लगभग 80 मिलियन साल पुराना है , जो ऑस्ट्रेलिया-साउथईस्ट एशिया की पुरानी थ्योरी को चुनौती देता है । हिमाचल प्रदेश से मिले फॉसिल सबूत सिज़ीगियम जैसी स्पीशीज़ के साथ शुरुआती डाइवर्सिफिकेशन को कन्फर्म करते हैं। पैलियोसैलिसिफोलियम । माइक्रोस्कोपी, मॉर्फोलॉजिकल एनालिसिस और स्टैटिस्टिकल वैलिडेशन का इस्तेमाल करके , रिसर्चर्स ने पैलियोजीन से नियोजीन पीरियड तक इसके इवोल्यूशनरी इतिहास का पता लगाया । नतीजों से पता चलता है कि जामुन भारत से दुनिया भर में फैला, जिससे पौधों के इवोल्यूशन, बायोडायवर्सिटी और कॉन्टिनेंटल माइग्रेशन की समझ बदली , और पुराने इकोलॉजिकल डेवलपमेंट और स्पीशीज़ डाइवर्सिफिकेशन में भारत की अहम भूमिका पर रोशनी डाली ।
- गोडार्ड स्पेस फ़्लाइट सेंटर में नैन्सी ग्रेस रोमन स्पेस टेलीस्कोप की असेंबली पूरी कर ली है , जो 2026 में इसके लॉन्च से पहले एक अहम पड़ाव है । इसे हबल स्पेस टेलीस्कोप और जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप का अगला मॉडल माना जाता है, इसमें वाइड-फ़ील्ड इमेजिंग की सुविधा है , जो 100 गुना बड़े एरिया को कैप्चर करता है और तेज़ी से डेटा इकट्ठा करता है। यह मिशन डार्क एनर्जी, गैलेक्सी के विकास और एक्सोप्लैनेट की स्टडी करेगा । एडवांस्ड इंस्ट्रूमेंट्स से लैस, यह कॉस्मिक घटनाओं और धुंधले ग्रहों का पता लगाएगा , जिससे यूनिवर्स के विस्तार और स्ट्रक्चर की समझ बढ़ेगी ।

खेल

- सुनील नरेन 190 मैचों के साथ आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी बन गए , उन्होंने कीरोन पोलार्ड (189) को पीछे छोड़ दिया, यह उपलब्धि 29 मार्च 2026 को वानखेड़े स्टेडियम में हासिल की। 2012 से (₹ 3.4 करोड़ में साइनिंग) सिर्फ कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए , उन्होंने 192 विकेट लिए हैं और 1 शतक सहित 1,780 रन बनाए हैं , जिससे वे एक प्रमुख ऑलराउंडर और मैच विजेता के रूप में स्थापित हुए हैं।
- जम्मू और कश्मीर की 19 साल की तीरंदाज़ शीतल देवी को वर्ल्ड आर्चरी ने पैरा आर्चर ऑफ़ द ईयर 2025 चुना। वह वर्ल्ड पैरा आर्चरी चैंपियनशिप (ग्वांगजू) में गोल्ड जीतने वाली पहली बिना हाथ वाली महिला तीरंदाज़ बनीं, उन्होंने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। उन्होंने पेरिस पैरालिंपिक में ब्रॉन्ज़ और एशियन पैरा गेम्स 2022 और एशियन चैंपियनशिप 2023 में सिल्वर मेडल भी जीते , और अपनी ज़बरदस्त प्रतिभा दिखाई।
- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 खत्म हो गए, जिसमें कर्नाटक 23 गोल्ड मेडल जीतकर ओवरऑल चैंपियन बना। ओडिशा और झारखंड एक के बाद एक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे, जबकि होस्ट छत्तीसगढ़ नौवें नंबर पर रहा। इस इवेंट में ट्राइबल स्पोर्ट्स टैलेंट और सबको साथ लेकर चलने की भावना को दिखाया गया, जिसमें स्विमिंग, एथलेटिक्स और रेसलिंग में शानदार परफॉर्मेंस ने भारत में जमीनी स्तर के स्पोर्ट्स और कल्चरल विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम दिखाया।
- मुरली श्रीशंकर ने इंडियन एथलेटिक्स सीरीज़ 2026 में पुरुषों की लॉन्ग जंप में 8.15m की शानदार छलांग लगाकर जीत हासिल की , जो घुटने की सर्जरी (2024) के बाद उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन था। कांतीरवा स्टेडियम में मुकाबला करते हुए , वह 8m पार करने वाले अकेले एथलीट थे , जिससे पेरिस ओलंपिक 2024 में शामिल न हो पाने के बाद उनकी मज़बूत वापसी का पता चलता है। इस इवेंट में, सनी कुमार (7.90m) और पुरुषोत्तम (7.87m) दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की लॉन्ग जंप में, एंसी सोजन (6.54m) ने शैली सिंह (6.52m) से आगे रहते हुए , शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।
- भुवनेश्वर कुमार IPL में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज़ गेंदबाज़ बन गए , उन्होंने RCB बनाम CSK मैच के दौरान आयुष म्हात्रे को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। यह ऐतिहासिक उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि IPL विकेट चार्ट में स्पिनरों का दबदबा है , जिसमें युजवेंद्र चहल अभी भी ओवरऑल सबसे आगे हैं। भुवनेश्वर, जिन्होंने 2011 में डेब्यू किया था , उन्हें लगातार दो पर्पल कैप (2016 और 2017) जीतने के लिए भी जाना जाता है। उनकी यह उपलब्धि कंसिस्टेंसी , स्किल को दिखाती है, और IPL इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर है।
- सिर्फ़ 14 दिनों में एवरेस्ट बेस कैंप (5,364m) तक साइकिल चलाकर एक बड़ी कामयाबी हासिल की , जिसमें उन्होंने ज़बरदस्त हिम्मत और पक्का इरादा दिखाया। काठमांडू से शुरू करके, उन्होंने जमा देने वाले तापमान , कम ऑक्सीजन लेवल और मुश्किल इलाके का सामना किया , रोज़ाना 10-12 घंटे साइकिल चलाई। ऊंचाई पर होने वाली बीमारी जैसे खतरों से जूझते हुए , उन्होंने एक ऐसा सफ़र पूरा किया जो साइकिल चलाने वाले बहुत कम करते हैं। चोटी पर भारतीय झंडा थामे उनका वायरल पल देश के गर्व , मानसिक ताकत और बड़ी चुनौतियों से पार पाने की भावना को दिखाता है।
- ओडिशा की 18 साल की पायल नाग ने तीरंदाजी में इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली चार पैरों से विकलांग लड़की बनकर इतिहास रच दिया। इलेक्ट्रिक शॉक एक्सीडेंट में अपने सभी अंग खोने के बाद , उन्होंने पक्के इरादे और हिम्मत से अपनी ज़िंदगी फिर से बनाई। माता वैष्णो देवी श्राइन तीरंदाजी एकेडमी में ट्रेनिंग लेने वाली , वह प्रोस्थेटिक सपोर्ट, कंधे और मुंह के साथ एक अनोखी टेक्निक का इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने वर्ल्ड पैरा तीरंदाजी सीरीज़ फाइनल (बैंकॉक, 4 अप्रैल, 2026) में शीतल देवी (139–136) को हराकर गोल्ड जीता , और अपनी हिम्मत और लगन से लाखों लोगों को इंस्पायर किया।
- TCS वर्ल्ड 10K बेंगलुरु 2026 के लिए ग्लोबल एंबेसडर बनाया गया है , जिससे इसकी ग्लोबल अपील और बढ़ेगी। एक पूर्व ओलंपिक मेडलिस्ट, उनका मकसद रनर्स को फिटनेस , मेंटल स्ट्रेंथ और डिटरमिनेशन के मैसेज से इंस्पायर करना है। 26 अप्रैल, 2026 को होने वाला यह इवेंट एलीट एथलीट्स और मास पार्टिसिपेंट्स को एक साथ लाता है , जो कम्युनिटी स्पिरिट और हेल्दी लिविंग को बढ़ावा देता है। उनकी मौजूदगी से प्रेस्टीज बढ़ती है और दुनिया भर के पार्टिसिपेंट्स को प्रीमियर 10K रेस में से एक में शामिल होने के लिए मोटिवेट करती है।
- भारत ने एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें सुजीत कलकल (65kg) और अभिमन्यु मंडवाल (70kg) ने गोल्ड मेडल जीते। कलकल ने 8-1 से जीत हासिल की , जबकि मंडवाल ने एक ओलंपियन को 5-3 से हराया। भारत ने 14 मेडल (2 गोल्ड, 4 सिल्वर , 8 ब्रॉन्ज़) जीते , जिससे रेसलिंग में बेहतरीन प्रदर्शन , टैक्टिकल ताकत और कॉन्टिनेंटल लेवल पर बढ़ते दबदबे का पता चला।
- जैनिक सिनर ने कार्लोस अल्काराज़ को हराकर मोंटे कार्लो मास्टर्स 2026 जीता, वहां अपना पहला टाइटल जीता और वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग फिर से हासिल की। उन्होंने सीधे सेटों में जीत (7–6, 6–3) हासिल की , जिससे इंडियन वेल्स और मियामी में जीत के बाद उनका दबदबा और बढ़ गया। यह जीत उनके शानदार फॉर्म को दिखाती है , सिनर-अल्काराज़ की दुश्मनी को मज़बूत करती है , और उन्हें मॉडर्न टेनिस में एक बड़ी ताकत के तौर पर स्थापित करती है।
- सावन बरवाल ने 12 अप्रैल को रॉटरडैम मैराथन 2026 में 2:11:58 का समय लेकर एक नया इंडियन मैराथन रिकॉर्ड बनाया और शिवनाथ सिंह (1978) का 48 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह ऐतिहासिक कामयाबी इंडियन एथलेटिक्स के लिए एक बड़ा बढ़ावा है , जो बेहतर ट्रेनिंग स्टैंडर्ड और बढ़ती ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस को दिखाता है। बरवाल की यह कामयाबी लंबी दूरी की दौड़ में एक नए युग का संकेत है , जो ग्रामीण भारत से उभरते टैलेंट को सामने लाती है और इंटरनेशनल लेवल पर देश की मौजूदगी को मजबूत करती है।

- शानदार प्रदर्शन के लिए विजडन क्रिकेटर्स अल्मनैक ने 2025 के लिए दुनिया के लीडिंग क्रिकेटर चुना। स्टार्क ने टेस्ट और एशेज में शानदार प्रदर्शन किया , जबकि दीप्ति ने ऑल-राउंड शानदार प्रदर्शन के साथ भारत की महिला वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय खिलाड़ियों शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत को भी सम्मानित किया गया, जिससे ग्लोबल क्रिकेट में भारत के मजबूत प्रभाव का पता चलता है।
- संजू सैमसन ने ICC मेन्स T20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए ICC मेन्स प्लेयर ऑफ़ द मंथ (मार्च 2026) जीता। उन्होंने तीन मैचों में 275 रन बनाए , जिसमें मैच जिताने वाले अर्द्धशतक भी शामिल हैं, और भारत की लगातार खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। एक रिज़र्व खिलाड़ी से लेकर टूर्नामेंट हीरो तक, सैमसन के प्रदर्शन में कंसिस्टेंसी, पावर-हिटिंग और दबाव में धैर्य दिखा , जिससे उन्हें क्रिकेट में दुनिया भर में पहचान मिली।
- मेली केर ने अपने शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन के बाद तीसरी बार ICC विमेंस प्लेयर ऑफ़ द मंथ (मार्च 2026) जीता। उन्होंने ज़िम्बाब्वे और साउथ अफ़्रीका के ख़िलाफ़ सीरीज़ जीत में शानदार प्रदर्शन किया, ODI में 16 विकेट लिए और T20I में काफ़ी रन बनाए। कप्तान के तौर पर, केर की लगातार अच्छा खेलने की क्षमता और लीडरशिप ने न्यूज़ीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम को मज़बूत किया है, जिससे वह दुनिया की टॉप ऑल-राउंडर में से एक बन गई हैं।
- आर वैशाली ने विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 जीतकर विमेंस वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में जगह पक्की कर ली। कोनेरू हम्पी के बाद यह कामयाबी हासिल करने वाली वह दूसरी भारतीय महिला बनीं और उनका मुकाबला जू वेनजुन से होगा। उनकी शानदार वापसी—कम रैंकिंग से चैंपियन तक— ग्लोबल चेस में लचीलेपन, स्ट्रैटेजी और बढ़ते भारतीय दबदबे को दिखाती है।
- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने 2026-27 के डोमेस्टिक सीज़न से एक स्ट्रक्चर्ड प्लेयर कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम शुरू किया है , ऐसा करने वाला यह भारत का पहला देश बन गया है। इस मॉडल में ग्रेडेड सैलरी (ग्रेड A, B, C) शामिल हैं ताकि डोमेस्टिक क्रिकेटरों , खासकर IPL और इंटरनेशनल क्रिकेट से बाहर के क्रिकेटरों के लिए फाइनेंशियल स्टेबिलिटी पक्की हो सके। एलिजिबल प्लेयर्स को फिटनेस, रजिस्ट्रेशन और सिलेक्शन क्राइटेरिया को पूरा करना होगा , और उनका हाल ही में IPL या इंटरनेशनल अनुभव नहीं होना चाहिए। मैचिंग मैच फीस और BCCI पेमेंट के साथ , यह पहल प्लेयर की कमाई को काफी बढ़ाती है , लगातार परफॉर्मेंस को बढ़ावा देती है , और भारत में डोमेस्टिक क्रिकेट इकोसिस्टम को मजबूत करती है।
- पहला बोल्डर्स क्लासिक 2026 जीतकर घरेलू गोल्फ में शानदार वापसी की। 2021 के बाद अपने पहले घरेलू इवेंट में हिस्सा लेते हुए, उन्होंने 8-अंडर 64 सहित शानदार प्रदर्शन किया। जीत पक्की करने के लिए राउंड। यह जीत प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (PGTI) में उनकी वापसी का प्रतीक है और एक टॉप इंडियन गोल्फर के तौर पर उनकी रेप्युटेशन को और पक्का करती है। यह अचीवमेंट उनकी कंसिस्टेंसी, प्रिसिजन और मज़बूत इंटरनेशनल एक्सपीरियंस को दिखाती है , जो इसे उनके करियर में एक अहम माइलस्टोन बनाती है।
- इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने रवांडा में पहली विमेंस T20I चैलेंज ट्रॉफी 2026 लॉन्च की है, जो 18 अप्रैल से किगाली में शुरू होगी। पांच देशों के इस टूर्नामेंट में रवांडा, इटली, नेपाल, USA और वानुअतु की टीमें हिस्सा लेंगी, जो गहांगा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। डबल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में , यह 2 मई, 2026 तक चलेगा। इस इवेंट का मकसद विमेंस क्रिकेट डेवलपमेंट को बढ़ावा देना , इंटरनेशनल एक्सपोजर देना और स्ट्रक्चर्ड कॉम्पिटिशन और ग्लोबल मौकों के ज़रिए उभरते क्रिकेट देशों को मजबूत करना है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी मद्रास ने ओमेगाबॉल शुरू किया , जो भारत का पहला तीन-टीम वाला फुटबॉल फ़ॉर्मेट है , जो पढ़ाई से आगे बढ़कर इनोवेशन दिखाता है। तीन गोल वाले गोल मैदान पर खेला जाने वाला यह गेम टीमों को दो गोल पर अटैक करने और एक को डिफेंड करने की इजाज़त देता है, जिससे स्पीड, इंटरैक्शन और एक्साइटमेंट बढ़ता है। इसकी शुरुआत चेन्नई के बड़े इंस्टीट्यूशन के साथ एक इंटर-कॉलेज टूर्नामेंट से हुई। US, ब्राज़ील और यूरोप जैसे इलाकों में दुनिया भर में पॉपुलर , ओमेगाबॉल अब पॉपुलर हो रहा है। वी. कामकोटी की लीडरशिप में , इंस्टिट्यूट ने एक नेशनल ओमेगाबॉल क्लब का भी प्रपोज़ल दिया, जिसका मकसद भारत में स्पोर्ट्स इनोवेशन, स्टूडेंट एंगेजमेंट और नए ज़माने के कॉम्पिटिटिव स्पोर्ट्स के डेवलपमेंट को बढ़ावा देना है।
- मिस्र के इंटरनेशनल ओलंपिक सिटी काहिरा में शुरू हो गया है , जिससे ग्लोबल जूनियर शूटिंग सीज़न की शुरुआत हुई है। इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन द्वारा आयोजित इस इवेंट में राइफल, पिस्टल और शॉटगन कॉम्पिटिशन शामिल हैं। भारत ने 71 सदस्यों का एक मज़बूत दल भेजा है , जो शूटिंग टैलेंट में अपनी गहराई दिखाता है। खास इवेंट्स में 10m एयर राइफल और एयर पिस्टल शामिल हैं। शांभवी क्षीरसागर और शिवा नरवाल जैसे टॉप एथलीटों के साथ, भारत जूनियर शूटिंग में मेडल की मज़बूत उम्मीदें और ग्लोबल दबदबा बनाना चाहता है।
- अभिषेक शर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग में 50 गेंदों से कम में कई सेंचुरी बनाने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए, उन्होंने 47 गेंदों में सेंचुरी बनाई और 135 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी धमाकेदार पारी, जिसमें 10 चौके और 10 छक्के शामिल थे , ने उनकी टीम को जीत दिलाई। पहले 40 गेंदों में सेंचुरी बनाने के बाद , वह क्रिस गेल जैसे टॉप हिटर्स में शामिल हो गए, जो T20 क्रिकेट इतिहास और बैटिंग में दबदबे में एक अहम मील का पत्थर है।
- जून में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2027 होस्ट करेगा , यह पहली बार होगा जब सेंट्रल एशिया इस ग्लोबल इवेंट को होस्ट करेगा। इंटरनेशनल पैरालंपिक कमेटी के तहत वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स द्वारा ऑर्गनाइज़ की गई यह चैंपियनशिप ओलंपिक सिटी मेन स्टेडियम में होगी। इसमें दुनिया भर के टॉप पैरा-एथलीट हिस्सा लेंगे और यह पैरालंपिक गेम्स के लिए एक रास्ता बनेगा। यह सिलेक्शन उज़्बेकिस्तान के बढ़ते स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और इनक्लूसिविटी के लिए कमिटमेंट को दिखाता है , जिससे इवेंट की ग्लोबल पहुंच और पैरा स्पोर्ट्स में पार्टिसिपेशन बढ़ेगा।

- एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने भारत को कैटेगरी A में रखा है , और 2022-2025 तक बढ़ते एंटी-डोपिंग नियम उल्लंघन (ADRVs) की वजह से डोपिंग उल्लंघन के लिए इसे हाई-रिस्क देश बताया है । इस स्टेटस के हिसाब से भारतीय एथलीटों के लिए ज़्यादा सख़्त टेस्टिंग, बेहतर मॉनिटरिंग और ग्लोबल जांच ज़रूरी है। चिंताओं में कमज़ोर घरेलू एंटी-डोपिंग सिस्टम और लागू करने में कमियां शामिल हैं । एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया ने इस फ़ैसले को मान लिया है और मज़बूत एजुकेशन, टेस्टिंग और सख़्त सज़ा की योजना बना रहा है। यह कदम स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी, कम्प्लायंस और साफ़-सुथरे कॉम्पिटिशन स्टैंडर्ड में सुधार की तुरंत ज़रूरत को दिखाता है ।
- 800 बाउंड्री तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं । उन्होंने यह उपलब्धि एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हासिल की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुए, उन्होंने 300 छक्के भी पूरे किए। वह एक ही IPL टीम के लिए 300 छक्के लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं । कोहली IPL के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हुए हैं । उन्होंने बेजोड़ कंसिस्टेंसी और लंबे समय तक टिके रहने का प्रदर्शन किया है। इस उपलब्धि ने T20 क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक और लीग में एक बड़ी ताकत के तौर पर उनकी पहचान को और मजबूत किया है।

पुस्तकें और लेखक

- सुधा मूर्ति की किताब ' टाइड्स ऑफ़ टाइम: भारत का इतिहास पार्लियामेंट में दीवारों पर बने चित्रों के ज़रिए' CP राधाकृष्णन ने लॉन्च की। इसमें पार्लियामेंट की 124 दीवारों पर बने चित्रों के ज़रिए भारत की सभ्यता की यात्रा को दिखाया गया है । इस किताब में कला, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत का मेल है, जिसमें सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज़ादी की लड़ाई तक का समय शामिल है । यह भारत को 'डेमोक्रेसी की जननी' के तौर पर दिखाती है और इतिहास को एक दिलचस्प, विज़ुअल कहानी के रूप में पेश करती है, जिससे यह हर पीढ़ी के पाठकों के लिए आसान और जानकारी देने वाला बन जाता है।
- अप्रैल 2026 में, चेन्नई, तमिलनाडु, TN में एक फॉर्मल इवेंट में बिज़नेसमैन आर.टी. चारी ने अपनी ऑटोबायोग्राफी 'ए रोड वेल ट्रैवल्ड' का अपडेटेड एडिशन रिलीज़ किया, जिसके लेखक हैं सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (CBI) के पूर्व डायरेक्टर राघव कृष्णस्वामी (RK) राघवन।
- 'सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम' नाम की किताब का विमोचन किया। मांड्या ("शुगर सिटी") में पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के साथ।
- PM नरेंद्र मोदी ने मांड्या ("शुगर सिटी") में पूर्व PM H. D. देवेगौड़ा के साथ मिलकर 'सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्रम' नामक पुस्तक का संयुक्त रूप से विमोचन किया।
- अप्रैल 2026 में, नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (NITI) आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने नई दिल्ली, दिल्ली में "Divya Bharat: A Window to the Soul of India" नामक संकलन का विमोचन किया। इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और विविध स्थलों को प्रदर्शित करके भारत की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देना है।
- सेनाध्यक्ष (COAS) के पूर्व प्रमुख, जनरल मनोज मुकुंद नरवणे (सेवानिवृत्त) ने अपनी नई पुस्तक "द क्यूरियस एंड द क्लासिफाइड: अनअर्थिंग मिलिट्री मिथ्स एंड मिस्ट्रीज़" का विमोचन किया, जिसे रूपा पब्लिकेशन्स ने प्रकाशित किया है। उन्होंने दिसंबर 2019 से अप्रैल 2022 तक 28वें COAS के रूप में कार्य किया और वे "द कैंटोनमेंट कॉन्स्पिरेसी" (2025) के लेखक भी हैं।

निधन

- विजयपत सिंघानिया का 87 साल की उम्र में निधन हो गया , जिससे भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में एक युग का अंत हो गया। 4 अक्टूबर 1938 को जन्मे , उन्होंने 1980 से रेमंड को लीड किया, और इसे एक ग्लोबल प्रीमियम फैब्रिक ब्रांड में बदल दिया । पद्म भूषण अवार्डी (2006) होने के साथ , वह एक रिकॉर्ड बनाने वाले एविएटर भी थे। उन्होंने 2000 में गौतम सिंघानिया को लीडरशिप सौंपी , और बाद के विवादों को 2024 में सुलझाया ।
- मशहूर बंगाली एक्टर राहुल अरुणोदय बनर्जी की 29 मार्च, 2026 को तलसारी , दीघा के पास एक टीवी शूट के दौरान डूबने से दुखद दुर्घटना में 43 साल की उम्र में मौत हो गई। वह शूटिंग के लिए समुद्र में गए थे लेकिन वापस नहीं आ सके और बाद में उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। ममता बनर्जी ने दुख जताते हुए उन्हें “एक बेहतरीन एक्टर” कहा। ज़ुल्फ़िकार, ना हन्याते और ब्योमकेश फिरे एलो जैसी फ़िल्मों के लिए जाने जाने वाले , उनके निधन से इंडस्ट्री सदमे में है।
- पूर्व चंद्रिका प्रसाद संतोखी का 30 मार्च, 2026 को 67 साल की उम्र में निधन हो गया , जिससे उनके एक अहम राजनीतिक करियर का अंत हो गया। उन्होंने सूरीनाम के राष्ट्रपति (2020–2025) के तौर पर काम किया और उन्हें आर्थिक सुधारों , IMF-समर्थित स्थिरीकरण और मज़बूत शासन के लिए जाना जाता था। एक पूर्व पुलिस चीफ़ और न्याय मंत्री के तौर पर, उन्होंने भारत-सूरीनाम संबंधों को मज़बूत किया । नरेंद्र मोदी ने उनके ग्लोबल और डायस्पोरा योगदान पर रोशनी डालते हुए शोक जताया।
- इंडियन नेशनल कांग्रेस की जानी-मानी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का 8 अप्रैल, 2026 को नोएडा में 94 साल की उम्र में निधन हो गया । छह दशक के पॉलिटिकल करियर में , उन्होंने कई मंत्रालयों में काम किया और लेजिस्लेटिव काउंसिल, असेंबली, लोकसभा और राज्यसभा में कई पदों पर रहीं। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की भरोसेमंद नेता , उन्होंने पार्टी के फैसले लेने में अहम भूमिका निभाई। उनके निधन से एक ऐसे युग का अंत हुआ, जिसे भारतीय राजनीति में उनके समर्पण , लीडरशिप और योगदान के लिए याद किया जाता है ।

- सी.डी. गोपीनाथ का 96 साल की उम्र में चेन्नई में निधन हो गया, जिससे एक ऐतिहासिक युग का अंत हो गया। वह उस टीम के आखिरी जीवित सदस्य थे जिसने 1952 में इंग्लैंड की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ भारत को पहली टेस्ट जीत दिलाई थी। गोपीनाथ ने 8 टेस्ट खेले, जिसमें उन्होंने 242 रन बनाए, जिसमें ब्रेबोर्न स्टेडियम में डेब्यू पर नाबाद 50 रन भी शामिल हैं। खेलने के अलावा, उन्होंने सिलेक्टर, सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन और टीम मैनेजर के तौर पर भी काम किया। उनके योगदान ने भारतीय क्रिकेट की एक मजबूत नींव रखी, और उनकी विरासत का आज भी बहुत सम्मान किया जाता है।
- सोनम वांगचुक (रिटायर्ड) के निधन पर शोक मना रहा है , जिन्हें "लद्दाख का शेर" कहा जाता है , जिनकी 10 अप्रैल, 2026 को लेह में 61 साल की उम्र में मौत हो गई । महावीर चक्र अवॉर्डी, वे कारगिल युद्ध के दौरान हीरो बन गए, उन्होंने बटालिक सेक्टर में मुश्किल हालात में सैनिकों को लीड किया और अहम जगहों पर अपनी जगह बनाई। युद्ध की शुरुआती सफलताओं में उनकी हिम्मत, लीडरशिप और टैक्टिकल महारत ने अहम भूमिका निभाई। बहादुरी और देशभक्ति के प्रतीक के तौर पर याद किए जाने वाले , उनकी विरासत भारतीय सैनिकों की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।
- मशहूर सिंगर आशा भोसले का 12 अप्रैल, 2026 को मुंबई में 92 साल की उम्र में मल्टीपल ऑर्गन फेलियर की वजह से निधन हो गया। इसके साथ ही आठ दशक के म्यूज़िकल युग का अंत हो गया । कम उम्र में, उन्होंने नया दौर (1957) से शोहरत हासिल की और कैबरे, ग़ज़ल और क्लासिकल म्यूज़िक जैसे जॉनर में अपनी वर्सेटाइल टैलेंट के लिए जानी गईं। पद्म विभूषण , दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड और गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित , वह अपने पीछे एक बेमिसाल ग्लोबल म्यूज़िकल विरासत छोड़ गई हैं ।
- ऑस्कर श्मिट, मशहूर बास्केटबॉल आइकन जिन्हें "होली हैंड" के नाम से जाना जाता था, 68 साल की उम्र में गुज़र गए , और अपने पीछे दुनिया भर में एक यादगार निशान छोड़ गए । हॉल ऑफ़ फ़ेमर , उन्होंने 1974-2003 तक खेला , NBA में कभी शामिल न होने के बावजूद वे सबसे बड़े इंटरनेशनल स्कोरर बन गए। पाँच ओलंपिक में ब्राज़ील को रिप्रेज़ेंट करते हुए , उन्होंने 1,000 से ज़्यादा पॉइंट बनाए , जिसमें एक रिकॉर्ड 55-पॉइंट का गेम भी शामिल है। उनका सबसे खास पल 1987 के पैन अमेरिकन गेम्स में आया , जिसमें ब्राज़ील ने USA पर जीत हासिल की। बड़े हॉल ऑफ़ फ़ेम्स में शामिल, ग्लोबल बास्केटबॉल, स्कोरिंग में बेहतरीन प्रदर्शन और देश के गौरव पर उनका असर हमेशा याद किया जाएगा।
- मशहूर बच्चों के डॉक्टर और राज्यसभा के पूर्व MP डॉ. गोपालराव पाटिल का 21 अप्रैल, 2026 को लातूर में 94 साल की उम्र में निधन हो गया । " देवमानुस " के नाम से मशहूर , उन्होंने अपना जीवन बच्चों की हेल्थकेयर और समाज कल्याण के लिए समर्पित कर दिया, और ग्रामीण इलाकों में मुफ़्त मेडिकल सर्विस दी । उस्मानिया यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने के बाद, उन्होंने लोगों का बहुत भरोसा जीता। उन्होंने पार्लियामेंट (1994–2000) में भी काम किया और खास कमेटियों में योगदान दिया। शिव छत्रपति शिक्षण संस्था के फाउंडर , उन्होंने एजुकेशन और बच्चों की देखभाल को बढ़ावा दिया। उनकी विरासत दया, सेवा और कम्युनिटी हेल्थ और डेवलपमेंट पर लंबे समय तक चलने वाले असर को दिखाती है ।
- नादेंदला भास्कर राव का 90 साल की उम्र में हैदराबाद में निधन हो गया , जिससे उनके लंबे पॉलिटिकल करियर का अंत हो गया । उन्हें 1984 के 'अगस्त तख्तापलट' के लिए सबसे ज़्यादा याद किया जाता है , जब वे एनटी रामा राव की गैरमौजूदगी में कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री बने थे, जिससे बड़ी पॉलिटिकल अशांति फैल गई थी । उनका कार्यकाल सिर्फ़ 31 दिनों का था , जो राज्य के इतिहास में सबसे छोटे कार्यकालों में से एक है। वकील से नेता बने, उन्होंने कांग्रेस, TDP और BJP सहित कई पार्टियों के साथ काम किया। डेमोक्रेटिक नियमों और आंध्र प्रदेश की पॉलिटिक्स पर उनके असर के लिए उनकी विरासत अहम है ।
- बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड के चेयरमैन और MD शिव रतन अग्रवाल का 74 साल की उम्र में चेन्नई में निधन हो गया , जो भारत की पैकेज्ड फूड इंडस्ट्री के लिए एक बड़ा नुकसान है । उन्होंने 1993 में बीकानेर में बीकाजी की शुरुआत की, और बीकानेरी भुजिया जैसे पारंपरिक स्नैक्स को दुनिया भर में जाना-माना ब्रांड बनाया । उनके नेतृत्व में, कंपनी ने पूरे भारत और इंटरनेशनल मार्केट में विस्तार किया। दुनिया भर में भारतीय स्नैक्स को बढ़ावा देने के लिए जाने जाने वाले , उनकी विरासत में एंटरप्रेन्योरशिप, रोज़गार पैदा करना और ब्रांड बनाना शामिल है , जिसने भारत के FMCG सेक्टर और ग्लोबल फूड प्रेजेंस पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा है ।
- भारत की 1968 ओलंपिक ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली हॉकी टीम के सदस्य गुरबक्श सिंह ग्रेवाल का 84 साल की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया। उन्होंने इंटरनेशनल हॉकी में भारत के मज़बूत दौर में अहम भूमिका निभाई और 1968 के मेक्सिको सिटी ओलंपिक्स में अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ देश को रिप्रेजेंट किया – यह भाई-बहन की एक अनोखी कामयाबी है। अपने खेल करियर के अलावा, उन्होंने वेस्टर्न रेलवे में स्पोर्ट्स ऑफिसर के तौर पर युवा टैलेंट को तराशने में मदद की। भारतीय हॉकी और ज़मीनी स्तर पर विकास में उनके योगदान के ज़रिए उनकी विरासत ज़िंदा है, जिससे एक दौर का अंत हुआ।

महत्वपूर्ण दिन

तारीख	दिन / पालन	थीम / विवरण
1 अप्रैल	उत्कल दिवस	ओडिशा के गठन (1936) का प्रतीक; भाषाई पहचान और संस्कृति का जश्न मनाता है।
1 अप्रैल	भारतीय रिजर्व बैंक स्थापना दिवस	1935 में स्थापित; मॉनेटरी पॉलिसी, इन्फ्लेशन कंट्रोल और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी पर फोकस करता है।
2 अप्रैल	विश्व आत्मकेंद्रित जागरूकता दिवस	थीम: "ऑटिज़्म और मानवता – हर जीवन की कीमत है"; समावेश और जागरूकता को बढ़ावा देता है।
3 अप्रैल	गुड फ्राइडे	यीशु मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में; बलिदान और मुक्ति का प्रतीक है।
5 अप्रैल	राष्ट्रीय समुद्री दिवस	थीम: "मैरीटाइम इंडिया – एम्पावरिंग प्रोग्रेस"; भारत के शिपिंग और ट्रेड सेक्टर का जश्न मनाता है।
5 अप्रैल	ईस्टर रविवार	यीशु मसीह के फिर से जी उठने का जश्न मनाता है; उम्मीद और नई शुरुआत का प्रतीक है।
6 अप्रैल	विकास और शांति के लिए अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस	थीम: "खेल: पुल बनाना, रुकावटें तोड़ना"; शांति और सबको साथ लेकर चलने को बढ़ावा देता है।
7 अप्रैल	विश्व स्वास्थ्य दिवस	थीम: "हेल्थ के लिए एक साथ। साइंस के साथ खड़े हों"; ग्लोबल हेल्थ कोऑपरेशन पर ज़ोर देता है।
10 अप्रैल	विश्व होम्योपैथी दिवस	थीम: "सस्टेनेबल हेल्थ के लिए होम्योपैथी"; सैमुअल हैनीमैन के जन्म का प्रतीक।
11 अप्रैल	ज्योतिराव फुले जयंती	200वीं जयंती वर्ष; शिक्षा, समानता और सामाजिक सुधार को बढ़ावा देता है।
11 अप्रैल	राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस	थीम: "मैटरनल हेल्थकेयर में बराबरी: कोई भी माँ पीछे न छूटे"; मैटरनल हेल्थ पर फोकस करता है।
13 अप्रैल	जलियाँवाला बाग हत्याकांड दिवस	पीड़ितों को याद करता है ; बलिदान और आज़ादी की लड़ाई का प्रतीक है।
14 अप्रैल	अंबेडकर जयंती	बी.आर. अंबेडकर का सम्मान; समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है।
14 अप्रैल	बैसाखी	फसल कटाई का त्योहार; गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा गठन का प्रतीक है।
14 अप्रैल	पुथांडु	तमिल नव वर्ष; नई शुरुआत और खुशहाली का प्रतीक है।
14 अप्रैल	बोहाग बिहू	असमिया नया साल; खेती, बसंत और सांस्कृतिक पहचान का जश्न मनाता है।
15 अप्रैल	पोहेला Boishakh	बंगाली नया साल; सांस्कृतिक एकता और नएपन को बढ़ावा देता है।
15 अप्रैल	हिमाचल दिवस	हिमाचल प्रदेश के बनने (1948) का निशान; राज्य बनने और विकास का जश्न मनाता है।
16 अप्रैल	विश्व आवाज दिवस	थीम: "हमारी आवाज़ की देखभाल"; आवाज़ की सेहत के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है।
17 अप्रैल	विश्व हीमोफीलिया दिवस	थीम: "डायग्नोसिस: देखभाल का पहला कदम"; ब्लीडिंग डिसऑर्डर के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।
18 अप्रैल	विश्व विरासत दिवस	थीम: "जीवित विरासत के लिए इमरजेंसी रिस्पॉन्स..."; विरासत संरक्षण को बढ़ावा देता है।
19 अप्रैल	विश्व यकृत दिवस	थीम: "सॉलिड हैबिट्स, स्ट्रॉन्ग लिवर"; लिवर हेल्थ अवेयरनेस पर फोकस करता है।
21 अप्रैल	राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस	सिविल सर्वेंट्स को सम्मानित करता है; सरदार वल्लभभाई पटेल से जुड़ा हुआ।
21 अप्रैल	विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस	थीम: "ग्लोबल प्रोग्रेस के लिए क्रिएटिविटी का इस्तेमाल"; इनोवेशन और SDGs को बढ़ावा देता है।
22 अप्रैल	पृथ्वी दिवस	थीम: "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह"; पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है।
23 अप्रैल	विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस	पढ़ने और कॉपीराइट को बढ़ावा देता है; शेक्सपियर जैसे लेखकों का सम्मान करता है ।
23 अप्रैल	अंग्रेजी भाषा दिवस	इंग्लिश के ग्लोबल इस्तेमाल का जश्न मनाता है; विलियम शेक्सपियर से जुड़ा हुआ।
24 अप्रैल	राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस	थीम: " सशक्त पंचायत, सर्वांगीण विकास"; लोकल गवर्नेंस को बढ़ावा देता है।
25 अप्रैल	विश्व मलेरिया दिवस	थीम: "मलेरिया खत्म करने की कोशिश..."; बीमारी की रोकथाम और जागरूकता पर फोकस।

विविध

- राजा रवि वर्मा की यशोदा और कृष्ण भारत की सबसे महंगी कलाकृति बन गई है, जो मुंबई की नीलामी में ₹ 167.20 करोड़ में बिकी। यशोदा और कृष्ण के पौराणिक दृश्य को दिखाने वाली इस कृति को खरीदा गया था। साइरस एस. पूनावाला द्वारा। यह रिकॉर्ड तोड़ने वाली सेल भारतीय कला की दुनिया भर में पहचान और बढ़ती कीमत को दिखाती है , एक नया बेंचमार्क सेट करती है और भारत की समृद्ध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत को दिखाती है।

स्थैतिक टेकअवे

वर्ग	इकाई	मुख्य विवरण
मंत्रालय	वित्त मंत्रित्व	मंत्री: निर्मला सीतारमण
मंत्रालय	रक्षा मंत्रालय	मंत्री: राजनाथ सिंह
मंत्रालय	सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय	मंत्री: वीरेंद्र कुमार खटीक
संगठन	विश्व व्यापार संगठन	स्थापना: 1995; हेडक्वार्टर: जिनेवा; DG: न्गोजी ओकोन्जो-इवेला; सदस्य: 166
संगठन	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड	स्थापना : 1988; मुख्यालय: मुंबई; चेयरमैन: तुहिन कांता पांडे
संगठन	भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण	स्थापना: 1999; हेडक्वार्टर: हैदराबाद; चेयरपर्सन: अजय सेठ
संगठन	विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी	स्थापना: 1999; मुख्यालय: मॉन्ट्रियल, कनाडा
संगठन	भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान	स्थापना: 1949; हेडक्वार्टर: नई दिल्ली; प्रेसिडेंट: चरणजोत सिंह नंदा
संगठन	भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग	स्थापना: 2003; हेडक्वार्टर: नई दिल्ली; चेयरपर्सन: रवनीत कौर
संगठन	यूनेस्को	स्थापना: 1945; हेडक्वार्टर: पेरिस; DG: खालिद एल- एनानी
संगठन	अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति	स्थापना: 1894; हेडक्वार्टर: लॉज़ेन; प्रेसिडेंट: कर्स्टी कोवेंट्री
संगठन	विश्व बैंक	अध्यक्ष: अजय बंगा
संगठन	अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद	अध्यक्ष: जय शाह
किनारा	बैंक ऑफ बड़ौदा	स्थापना: 1908; हेडक्वार्टर: वडोदरा; CEO: देबदत्त चंद
किनारा	भारतीय रिजर्व बैंक	राज्यपाल: संजय मल्होत्रा
किनारा	भारतीय स्टेट बैंक	एमडी: चल्ला श्रीनिवासलु सेट्टी
राज्य	उतार प्रदेश।	CM: योगी आदित्यनाथ; गवर्नर: आनंदीबेन पटेल; कैपिटल: लखनऊ
राज्य	तेलंगाना	CM: अनुमुला रेवंत रेड्डी; गवर्नर: शिव प्रताप शुक्ला; राजधानी: हैदराबाद
राज्य	गुजरात	CM: भूपेंद्र पटेल; गवर्नर: आचार्य देवव्रत; राजधानी: गांधीनगर
राज्य	अरुणाचल प्रदेश	CM: पेमा खांडू; राजधानी: ईटानगर
राज्य	आंध्र प्रदेश	CM: एन. चंद्रबाबू नायडू; गवर्नर: अब्दुर नज़ीर
राज्य	बिहार	CM: सम्राट चौधरी; गवर्नर: आरिफ खान
राज्य	कर्नाटक	CM: सिद्धारमैया; गवर्नर: थावर चंद गहलोत
राज्य	मेघालय	मुख्यमंत्री: कॉनराड संगमा
राज्य	पंजाब	CM: भगवंत मान; गवर्नर: गुलाब चंद कटारिया
केन्द्र शासित प्रदेशों	दिल्ली	CM: रेखा गुप्ता; LG: तरनजीत सिंह संधू; राजधानी: नई दिल्ली
देश	म्यांमार	राजधानी: नेपीडॉ; राष्ट्रपति: आंग ह्लाइंग

वर्ग	इकाई	मुख्य विवरण
देश	मंगोलिया	राजधानी: उलानबटार; PM: न्याम- ओसोरिन उचरल
देश	इटली	राजधानी: रोम; राष्ट्रपति: सर्जियो मटेरेला; मुद्रा: यूरो
देश	रूस	राष्ट्रपति: व्लादिमीर पुतिन; राजधानी: मॉस्को
देश	चीन	राष्ट्रपति: शी जिनपिंग; राजधानी: बीजिंग
देश	संयुक्त राज्य अमेरिका	राष्ट्रपति: डोनाल्ड ट्रंप; करेंसी: USD
देश	यूनाइटेड किंगडम	PM: कीर स्टारमर; करेंसी: पाउंड
देश	फ्रांस	राष्ट्रपति: इमैनुएल मैक्रों; करेंसी: यूरो
देश	इज़राइल	प्रधानमंत्री: बेंजामिन नेतन्याहू
विनियामक	मुख्य चुनाव आयुक्त	ज्ञानेश कुमार
कंपनी	पॉलिसीबाज़ार इंडिया	सीईओ: सञ्जा चौधरी
कंपनी	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	CMD: संजय खन्ना
कंपनी	अडानी समूह	अध्यक्ष: गौतम अडानी
कंपनी	रिलायंस इंडस्ट्रीज	अध्यक्ष: मुकेश अंबानी